खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 30 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-179

प्रधानमंत्री ने इसरो और शुभांशु को सौंपी जिम्मेदारी

अंतरिक्ष में होगा भारत का अपना स्टेशन

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारत की अगली तैयारी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की है। इस काम में शुभांशु शुक्ला के अनुभवों की मदद ली जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) और अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर मौजूद शुभांशु शुक्ला को यह असाइनमेंट दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शुभांशु की यह अंतरिक्ष यात्रा गगनयान मिशन की सफलता का पहला अध्याय है। यह यात्रा सिर्फ अंतरिक्ष तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह विकसित भारत की यात्रा को गति देगी। भारत अब सिर्फ उड़ान नहीं भरेगा, बल्कि भविष्य में नई उड़ानों के लिए मंच तैयार करेगा।

प्रधानमंत्री ने शुभांशु शुक्ला से इस बारे में बातचीत की और उनके अंतरिक्ष के अनुभव सुने। भारत का लक्ष्य विज्ञान और आध्यात्मिकता को समन्वित करने का है।

इसी इरादे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि क्या अंतरिक्ष में मानसिक एकाग्रता और ध्यान (मेडिटेशन) के समन्वय का कोई लाभ मिल रहा है कि नहीं। शुभांशु ने कहा,

नई उड़ानों के लिए मंच तैयार करेगा भारत

अंतरिक्ष में मानसिक एकाग्रता (माइंडफुलनेस) बहुत मदद करती है। लॉन्च के दौरान या तनावपूर्ण परिस्थितियों में दिमाग को शांत रखने के लिए ध्यान से बेहतर और कोई माध्यम नहीं हो सकता। इस माध्यम से दिमाग बेहतर फैसले लेने में सक्षम होता है। शुभांशु ने यह माना कि भारत की ताकत विज्ञान और आध्यात्मिकता के समन्वय में ही है, जो अंतरिक्ष में आने के बाद समझ में आती है। शुक्ला ने कहा, यह मिशन भारत की प्रगति की पहली सीढ़ी है। हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने शुभांशु को गगनयान मिशन, भारतीय स्पेस स्टेशन और चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री की लैंडिंग जैसे भविष्य के मिशनों के लिए होमवर्क दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, आपके अनुभव इन मिशनों के लिए बहुत कीमती होंगे। शुभांशु ने कहा, यह अनुभव गगनयान और अन्य मिशनों के लिए बहुत काम आएंगे। मुझे यकीन है कि यह सपना जल्द पूरा होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शुभांशु ने बताया कि अंतरिक्ष से भारत बेहद भव्य और विशाल दिखता है। ▶10पर

हरकतें नहीं छोड़ी तो टूटेगी बांग्लादेश की आर्थिक रीढ़

भारत ने बांग्लादेश को जूट का आयात भी बंद किया

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने अपनी भारत विरोधी हरकतें बंद नहीं कीं तो उसकी भी हालत भिखमंगे पाकिस्तान जैसी हो जाएगी। बांग्लादेश से कपड़े और ड्रिंक्स का आयात बंद करने के बाद भारत ने बांग्लादेश से आने वाले जूट पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। जूट के आयात पर पाबंदी बांग्लादेश पर भीषण आर्थिक चोट की तरह देखी जा रही है। वर्ष 2023-24 में भारत ने बांग्लादेश से 144 मिलियन डॉलर (लगभग 1230 करोड़ रुपए) का जूट आयात किया था।

जूट आयात पर रोक लगाने के भारत सरकार के फैसले से बांग्लादेश के निर्यात व्यापार को बड़े स्तर पर धक्का पहुंचा है। भारत इससे पहले भी बांग्लादेश से आने वाले कई उत्पादों पर प्रतिबंध लगा चुका है। विदेशी व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) के 27 जून 2025 के आदेश के अनुसार, बांग्लादेश से आने वाले जूट और कई तरह के यार्न के भारत में निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

जूट बंद होने से बांग्लादेश को 1200 करोड़ का झटका

वस्त्र, प्रोसेस्ड फूड, ड्रिंक्स एवं कई सामान पहले से बंद

आदेश में कहा गया है कि बांग्लादेश और भारत की सीमा पर कहीं से भी यह उत्पाद भारत में नहीं आने दिए जाएंगे। बांग्लादेश इन उत्पादों को किसी दूसरे रास्ते से भी भारतीय बाजारों में नहीं उतार सकता है, यह भी इस आदेश में स्पष्ट कर दिया गया है। इसमें लिखा गया है कि बांग्लादेश के जूट और यार्न को भूटान और नेपाल के रास्ते भारत में आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में खटास आ गई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस तल्खी को और बढ़ा दिया। बांग्लादेश सरकार के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस ने भारत विरोधी हरकतों को बढ़ावा दिया और हिंदुओं पर भीषण अत्याचार कराए। यह अत्याचार लगातार जारी है। बांग्लादेश की इन हरकतों की वजह से भारत ने भी इसका माकूल जवाब देना शुरू कर दिया है। भारत अब बांग्लादेश के लिए व्यापार के सभी रास्ते बंद कर रहा है। जूट आयात पर रोक इसका सबसे कारगर उदाहरण है। भारत ने वर्ष 2023-24 में बांग्लादेश से 144 मिलियन डॉलर (लगभग 1230 करोड़ रुपए) का जूट आयात किया था। बांग्लादेश का जूट भारत में न आने देने का एक कारण यह भी है कि बांग्लादेश जूट को भारत में डंप करने के लिए अपने यहां सब्सिडी देता है और भारत-बांग्लादेश के बीच मुक्त व्यापार समझौते का गलत लाभ उठाता रहा है। बांग्लादेश के व्यापारी भारतीय बाजार को प्रभावित करते हैं, जिससे भारत में जूट का बाजार और उसका उत्पादन असंतुलित होता आया है। ▶10पर

आरक्षण नीति की समीक्षा में मुख्य न्यायाधीश ने कहा

एससी-एसटी आरक्षण में भी क्रीमी लेयर लागू हो

चीफ जस्टिस ने न्यायिक आतंकवाद को धिक्कारा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को मिलने वाले आरक्षण में भी क्रीमी लेयर कैटेगरी लागू करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस का कहना है कि ऐसा होने से आरक्षण दिए जाने की मूल भावना कमजोर होती है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने यह सवाल पूछा कि उच्च पदों पर बैठे एससी/एसटी अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण का लाभ क्यों मिलना चाहिए, जब वे पहले ही सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त हो चुके हैं? सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई का यह विचार सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ के विचार-विमर्श के दौरान आया, जिसमें आरक्षण नीति की समीक्षा की जा रही थी। उल्लेखनीय है कि क्रीमी लेयर पर वे लोग होते हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर दूसरों की तुलना में अधिक सम्पन्न होते हैं। फिर चाहे वह आर्थिक क्षेत्र हो या शिक्षा का क्षेत्र। चीफ जस्टिस का मानना है कि अगर क्रीमीलेयर को आरक्षण की सुविधा से वंचित किया जाता है तो बाकियों को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उदाहरण के तौर पर एक आईएएस या आईपीएस अधिकारी की संतान, जो पहले से ही सक्षम और सुविधा सम्पन्न है, अगर उसे आरक्षण मिलता है तो वो असली जरूरतमंदों को प्रभावित कर सकता है। क्रीमीलेयर पर आजकल बहस इसलिए हो रही है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की पीठ वर्तमान में आरक्षण से संबंधित विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इस दौरान यह सवाल उठा कि क्या एससी-एसटी समुदायों में क्रीमी लेयर की अवधारणा को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जैसा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए पहले से लागू है। सीजेआई ने इस मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श की जरूरत पर बल दिया। ताकि समाज में समानता लाई जा सके।

इसके साथ ही चीफ जस्टिस गवई ने न्यायिक आतंकवाद के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने न्यायिक अतिक्रमण को गंभीर मामला बताते हुए कहा कि न्यायिक सक्रियता बनी रहनी चाहिए, लेकिन इसे न्यायिक आतंकवाद या दुस्साहस नहीं बनना चाहिए। क्योंकि संसद कानून बनाती है, कार्यपालिका उसे लागू करती है ▶10पर

आजादी के बाद हो रही 8वीं जनगणना

जनगणना का पहला चरण अप्रैल 2026 से शुरू होगा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। जनगणना 2026 की तैयारियां शुरू हो गई है। इसके तहत 1 अप्रैल 2026 से मकान सूचीकरण का काम शुरू होगा। जनसंख्या गणना का पहला चरण डिजिटल माध्यम से होगा, इस दौरान जाति की भी जानकारी ली जाएगी। भारत सरकार ने आगामी जनगणना 2026 के पहले चरण की तारीख तय कर दी है। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर बताया कि हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन और हाउसिंग जनगणना 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। दो चरणों में जनगणना होगी। ▶10पर

तेलंगाना में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

सेना के पराक्रम पर सवाल उठाना राष्ट्रद्रोह है

निजामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर करारा हमला बोला। गृह मंत्री ने कहा, जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुश्मनों को करारा जवाब दिया, तब भी राहुल गांधी सवाल उठाते रहे। यह हमारे जवानों के बलिदान का अपमान है। सुरक्षा बलों के पराक्रम पर सवाल उठाना राष्ट्रद्रोह है और यह देश की सुरक्षा नीति को कमजोर करने की मंशा साबित करता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना के निजामाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, सरकार की नीति है कि हथियार वालों से कोई वार्ता नहीं होगी। उन्होंने नक्सलियों से अपील कि वे आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में आएं। इस दौरान उन्होंने

नक्सलियों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील

राहुल गांधी पर हमला बोला जो ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर सेना का मनोबल तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। अमित शाह ने कहा, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया। ▶10पर

गढ़वाल राइफल्स के कर्नल ऑफ द रेजिमेंट बने डीएस राणा

लैंसडाउन, 29 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं और भावना को दर्शाते हुए एक समारोह में, अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा ने गढ़वाल राइफल्स के 23वें कर्नल ऑफ द रेजिमेंट के रूप में पदभार संभाला है। वह उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि का स्थान लेंगे।

उत्तराखंड के लैंसडाउन में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में पूरे सैन्य सम्मान के साथ बैटन ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 24^0

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों से की मन की बात

योग दिवस की खुशी से संविधान हत्या दिवस के दुख तक...

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकाशवाणी पर मन की बात की 123वीं कड़ी में योग दिवस से लेकर संविधान हत्या दिवस तक की चर्चा की और ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबियों से लेकर चेनाब नदी पर बने विश्व के सबसे ऊंचे पुल के निर्माण पर अपनी खुशी नागरिकों के साथ साझा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल पहले शुरू हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गर्व जताया और कहा कि यह सिलसिला पूरी दुनिया में हर साल भव्य बनता जा रहा है। यह इस बात का भी संकेत है कि ज्यादा से ज्यादा लोग अपने दैनिक जीवन में योग अपना रहे हैं। पीएम मोदी ने इस बार योग दिवस पर विशाखा-पत्तनम के समुद्र तट पर तीन लाख लोगों के साथ योग में शामिल होने का जिक्र किया। विशाखापत्तनम में वह दृश्य अद्भुत था जब दो हजार से ज्यादा आदिवासी छात्रों ने 108 मिनट तक 108 सूर्य नमस्कार किया। नौसेना के जहाजों पर भी योग की भव्य झलक दिखी। तेलंगाना में तीन हजार दिव्यांग साथियों ने एक साथ योग शिविर में भाग लिया। उन्होंने दिखाया कि योग किस तरह सशक्तिकरण का माध्यम भी है।

दिल्ली के लोगों ने योग को स्वच्छ यमुना के संकल्प से जोड़ा और यमुना तट पर जाकर योग किया। जम्मू-कश्मीर में चिनाब ब्रिज, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है, वहां भी लोगों ने योग किया। हिमालय की बर्फीली चोटियां और आईटीबीपी के जवान, वहां भी योग दिखा, साहस और साधना साथ-साथ चले। गुजरात के लोगों ने भी एक नया इतिहास रचा। वडनगर में 2121 (इक्कीस सौ इक्कीस) लोगों ने एक साथ भुजंगासन किया और नया रिकॉर्ड बना दिया। न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो, पेरिस, दुनिया के हर बड़े शहर से योग की तस्वीरें आई और हर तस्वीर में एक बात खास रही, शांति, स्थिरता और संतुलन। इस बार की थीम भी बहुत विशेष थी, एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य। यह सिर्फ एक नारा नहीं है, यह एक दिशा है जो हमें वसुधैव कुटुंबकम् का अहसास कराती है। मुझे विश्वास है, इस बार के योग दिवस की भव्यता ज्यादा से ज्यादा लोगों को योग को अपनाने के लिए जरूर प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, लंबे समय के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से शुभारंभ हुआ है। कैलाश मानसरोवर यानी भगवान शिव का धाम। हिंदू, बौद्ध, जैन, हर परंपरा में कैलाश को श्रद्धा और भक्ति का केंद्र माना गया है। 3 जुलाई से पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है और सावन का पवित्र महीना भी कुछ ही दिन दूर है। ▶10पर

प्रधानमंत्री ओली को चुनौती, पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने सक्रिय राजनीति में वापसी का किया ऐलान

काठमांडू, 29 जून (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) यानी नेकपा एमाले के अध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को चुनौती देते हुए रविवार को सक्रिय राजनीति में वापसी की औपचारिक घोषणा कर दी है।

राजधानी काठमांडू में आयोजित घोषणा सभा कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने पार्टी के नेतृत्व पर दावा करते हुए सक्रिय राजनीति में वापसी की घोषणा की है। इस सभा में उन्होंने प्रधानमंत्री ओली को भी आमंत्रित किया। ओली इस कार्यक्रम में आए भी, लेकिन अपना संबोधन करके वापस चले गए। विद्या भंडारी ने कहा कि पार्टी और देश की परिस्थिति ठीक नहीं है। आम लोगों में और पार्टी के कार्यकर्ताओं में व्यापक असंतुष्टि है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अधिकांश नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी का नेतृत्व परिवर्तन होना चाहिए। इसी तरह देश की जनता भी नेतृत्व परिवर्तन के पक्ष में है।

पूर्व राष्ट्रपति का कहना है कि मैंने अंतिम समय तक सक्रिय राजनीति में रह कर पार्टी का काम करने और अवसर मिलने पर देश का नेतृत्व करने की सोच बनाई है। भंडारी ने कहा कि जल्द ही नेकपा एमाले का विधान अधिवेशन होने वाला है और उसमें ही पार्टी का भविष्य तय किया जाएगा।उन्होंने कहा कि नेपाल इस पार्टी में मेरा भी उतना ही योगदान है, जितना किसी और का। मैंने पार्टी के निर्णय के आधार पर ही राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा और दो कार्यकाल तक देश की सेवा की है।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने कहा कि नेपाल के संविधान में यह कहीं नहीं लिखा है कि पूर्व राष्ट्रपति सक्रिय राजनीति में नहीं आ सकते हैं। भंडारी ने कहा कि जब तक सामाजिक जीवन में है और जब तक देश और जनता के लिए आप अपना योगदान दे सकते हैं आपको देना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल ने हमास के टॉप कमांडर इसा अल-इसा को मार गिराने का दावा किया

तेल अवीव। हमास के साथ संघर्ष में इजराइल को अहम कामयाबी मिली है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने हमास की मिलिट्री विंग के संस्थापकों में से एक हखाम मुहम्मद इसा अल-इसा को मार गिराया है। अल-इसा को 7 अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। आईडीएफ ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि उसने हखाम मुहम्मद इसा अल-इसा को मार गिराया है। आईडीएफ के मुताबिक अल-इसा हमास की सैन्य शाखा का संस्थापक था जिसने हमास की ताकत बढ़ाने, ट्रेनिंग कराने और 7 अक्तूबर के नरसंहार की योजना बनाई थी। इजराइल ने अपना इरादा साफ करते हुए कहा है कि वह 7 अक्तूबर के हमले में शामिल सभी आतंकियों को तलाश कर खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

नई चाल से पश्चिम में खलबली: येलोकेक के बदले यूरेनियम देने को राजी ईरान!

तेहरान। भले ही ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर हो गया है लेकिन पश्चिम में अभी भी खलबली महसूस की जा रही है। वजह ये है कि संयुक्त राष्ट्र में ईरान ने कहा है कि तेहरान अब संभावित परमाणु समझौते के लिए तैयार है। जिसमें देश से अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को स्थानांतरित करना शामिल होगा। बदले में ईरान को परमाणु ईंधन उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले केंद्रित यूरेनियम पाउडर येलोकेक की खेप मिलेगी। अल-मॉनीटर के साथ एक लिखित इंटरव्यू में राजदूत आमिर सईद इरावानी ने ये बात कही है। बता दें कि येलोकेक परमाणु ऊर्जा उत्पादन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका उपयोग परमाणु रिएक्टरों के लिए ईंधन की छड़ों में किया जा सकता है, विशेष रूप से उन रिएक्टरों में जो प्राकृतिक या गैर-समृद्ध यूरेनियम पर चलते हैं। येलोकेक अपने कच्चे रूप में हथियार बनाने लायक सामग्री नहीं है। हालांकि, इसे आगे संसाधित करके अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम बनाया जा सकता है, जो परमाणु हथियार बनाने के लिए आवश्यक है। ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के कारण 12 दिनों तक चले संघर्ष के अंत के बाद से उसके परमाणु कार्यक्रम पर ईरान का ये सबसे विस्तृत बयान है। इरावानी ने कहा कि 'हम अपने 60 प्रतिशत और 20 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम के भंडार को किसी अन्य देश को भेजने के लिए तैयार हैं और बदले में येलोकेक हासिल करने के लिए उन्हें ईरानी क्षेत्र से बाहर भेजने के लिए तैयार हैं।बता दें कि येलोकेक एक प्रकार का यूरेनियम सांद्रित पाउडर है। यह यूरेनियम अयस्क के रासायनिक प्रसंस्करण के जरिये बनाया जाता है और इसमें लगभग 80प्रतिशत यूरेनियम ऑक्साइड होता है।

बांग्लादेश में घर में घुसकर हिंदू महिला से दुष्कर्म, पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले में मुरादनगर इलाके में रथ यात्रा के दिन 25 साल की एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना ने देश भर को हिला दिया। इसके साथ ही इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार आने के बाद कट्टरपंथियों का बोलबाला हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों के मुताबिक जब हिंदू परिवार अपने धार्मिक कार्यक्रम में व्यस्त था, उसी वक्त पड़ोस के घर में ये जघन्य अपराध हुआ। इस मामले में आरोपी बांग्लादेश नेशनल पार्टी से जुड़ा बताया जा रहा है। ालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने खुद मुरादनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया और बताया कि वह 15 दिन पहले मायके आई थी।

पूर्व मिनेसोटा हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन को अंतिम विदाई, बाइडेन-हैरिस और गवर्नर वॉल्ज हुए शामिल

मिनियापोलिस, 29 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज शनिवार को मिनेसोटा की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। 1,000 से अधिक शोक संतप्त नागरिकों के बीच यह श्रद्धांजलि सभा उनके राजनैतिक योगदान और मानवीय मूल्यों को याद करते हुए आयोजित की गई।

गवर्नर टिम वॉल्ज ने अपने भाषण में कहा, मेलिसा हॉर्टमैन मिनेसोटा के इतिहास की सबसे प्रभावशाली स्पीकर थीं। मैं उन्हें एक दोस्त, मार्गदर्शक और सबसे प्रतिभाशाली विधायक के रूप में याद करता हूं। उन्होंने कहा कि हॉर्टमैन ने जनसेवा को अपना जीवन बनाया और उनकी नीतियों ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया।

गवर्नर वॉल्ज ने कहा, मेलिसा और मार्क के जीवन से हमें यह सीखना चाहिए कि हम राजनीति और जीवन में कैसे एक-दूसरे से पेश आएं। जोश के साथ लड़ें, लेकिन इंसानियत को न भूलें।

मेलिसा हॉर्टमैन की दो सप्ताह पहले एक हमले में हत्या कर दी गई थी, जिसमें उनका पति मार्क भी मारे गए थे। यह हमला एक ऐसे व्यक्ति ने किया जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उनके घर पहुंचा था। इसे राजनीतिक हत्या करार देते हुए जांच की जा रही है। इस हमले में एक राज्य सीनेटर और उनकी पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। हॉर्टमैन मिनेसोटा के इतिहास की पहली महिला थीं जिन्हें राजकीय सम्मान के साथ राज्य की संसद रोटुंडा में लेट इन स्टेट किया गया। यह पहली बार था जब किसी दंपति और उनके पालतू कुत्ते को भी यह सम्मान दिया गया। उनका गोल्डन रिट्रीवर 'गिल्बर्ट', जो हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ था, बाद में दर्द के चलते दया मृत्यु दी गई।

उल्लेखनीय है कि 2004 में पहली बार चुनी गई हॉर्टमैन ने मिनेसोटा विधानसभा में कई ऐतिहासिक विधेयकों को पारित कराने में अहम भूमिका निभाई। 2023 में उन्होंने लोकलुभावन एजेंडा को पास करवाया जिसमें सरकारी स्कूलों में मुफ्त भोजन, गर्भपात और ट्रांस अधिकारों का विस्तार जैसे प्रगतिशील कानून शामिल थे। 2025 में विधानसभा में बराबरी की संख्या (67-67) होने पर उन्होंने स्पीकर एमेरिटा का पद स्वीकार किया और राज्य सरकार को शटडाउन से बचाने के लिए बजट गतिरोध सुलझाने में अहम भूमिका निभाई।

भ्रूण की हर कोशिका को ट्रैक करेगी खास तकनीक

सिडनी। वैज्ञानिक अब किसी विकसित हो रहे भ्रूण के अंदर एक-एक कोशिका को ट्रैक कर सकते हैं। यह संभव होगा आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए खास उपकरण से। इससे वैज्ञानिक भ्रूण के विकास को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। जन्म से जुड़ी बीमारियों का कारण जानने में मदद मिलेगी। भविष्य में इलाज के नए तरीके खोजे जा सकेंगे। प्राप्त जानकारी ने अनुसार, इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने लॉक्सकोड नाम की एक नई तकनीक पेश की है। यह तकनीक आनुवंशिक रूप से संशोधित चूहों की हर कोशिका को एक खास डीएनए बारकोड देती है। मेलबर्न स्थित वाल्टर और एलिजा हॉल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च (डब्ल्यूईएचआई) के नेतृत्व वाली टीम ने बताया कि जो डीएनए बारकोड हर कोशिका को दिया गया है, उसकी मदद से वैज्ञानिक यह पता कर सकते हैं कि एक कोशिका कितनी बार बंटी, वह शरीर के किस हिस्से में गई, और वह किस खास अंग या काम के लिए बदली। लॉक्सकोड तकनीक लगभग 30 बिलियन अलग-अलग डीएनए बारकोड बना सकती है, जो कि अभी तक की किसी भी तकनीक से कहीं ज्यादा है। वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि लॉक्सकोड तकनीक को अब दुनिया भर में अपनाया जा चुका है।

जेम्स वेब टेलीस्कोप ने पहली बार ली 110 मिलियन प्रकाशवर्ष दूर की सीधी तस्वीर

पेरिस,29 जून (एजेंसियां)।

धरती से 110 मिलियन प्रकाशवर्ष दूर एक नई और ऐतिहासिक खगोलीय खोज ने वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने पहली बार किसी एक्सोप्लैनेट की सीधी तस्वीर खींची है। यह ग्रह टीडब्ल्यूए 7 बी नाम की एक युवा तारकीय प्रणाली का हिस्सा है, जो महज 60 लाख साल पुरानी है। यह पहली बार है जब किसी नवजात एक्सोप्लैनेट को सीधे कैमरे में कैद किया गया है, वह भी ऐसे समय में जब तक खोजे गए करीब 6000 एक्सोप्लैनेट्स को वैज्ञानिकों ने केवल अप्रत्यक्ष तरीकों से खोजा था। जानकारी के मुताबिक ज्यादातर मामलों में किसी तारे के सामने ग्रह के गुजरने से उसकी रोशनी में आने वाली कमी या स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा के जरिए ही ग्रहों की मौजूदगी का अनुमान लगाया जाता था।

ऐसे में यह उपलब्धि एक बहुत बड़ी छलांग के रूप में देखी जा रही है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की अगुवाई पेरिस ऑब्जर्वेटरी की एस्ट्रोफिजिसिस्ट डॉ. ऐनी-मैरी लाग्रांज ने की। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली बहुत ही कम उम्र की है और इसके ग्रहों की संरचना अभी विकास के शुरुआती चरणों में है। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका है जब किसी नवोदित ग्रह को उसके तारकीय डिस्क में से गुजरते हुए देखा गया है। इस सिस्टम में एक युवा तारा टीडब्ल्यूए 7 मौजूद है, जिसके चारों ओर धूल और पत्थरों की तीन स्पष्ट रिंग्स देखी गई हैं। पहले तक यह सिर्फ सैद्धांतिक कल्पना मानी जाती थी कि नवगठित तारकीय प्रणालियों में ऐसी रिंग्स मौजूद हो सकती हैं, लेकिन इस बार इसे हकीकत में दर्ज किया है।

यह उपलब्धि इसलिए और अहम है क्योंकि वैज्ञानिकों ने इसे संभव बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया। टेलीस्कोप में एक खास उपकरण लगाया गया जिसे कोरोनोग्राफ कहा जाता है। यह उपकरण एक सूर्यग्रहण जैसी स्थिति पैदा करता है, जिसमें तारे की तेज रोशनी को छिपा दिया जाता है और उसके पास मौजूद अपेक्षाकृत धुंधले ग्रह को देखने की सुविधा मिलती है। वैज्ञानिकों ने तारे को उसके ध्रुवीय अक्ष से देखा, जिससे पूरा डिस्क ऊपर से साफ दिखाई देने लगा और ग्रह एक चमकते हुए बिंदु के रूप में उसमें उभर कर सामने आया। इस खोज ने संकेत दिया है कि वैज्ञानिक अब आकाशगंगा के और भी अधिक ग्रहों को प्रत्यक्ष रूप से देखने में सक्षम हैं।

सर्बिया में लोकतंत्र की मांग को लेकर सड़कों पर उतरी जनता

बेलग्रेड की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर लोकतंत्र की मांग को लेकर उतरे। ये छात्र-नेतृत्व वाला प्रदर्शन आठ महीने पहले हुए उस दर्दनाक हादसे की गूंज है, जिसमें नोवी साद में एक सरकारी प्रोजेक्ट के तहत बनी रेल स्टेशन की छत गिरने से 16 लोगों की जान गई थी। इस घटना को लेकर नागरिकों में सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा है। अब राष्ट्रपति एलेक्ज़ेंडर वूचिच के 12 साल के लंबे शासन को खत्म करने की मांग बुलंद हो रही है।

सैन्य अफसरों की अंतिम विदाई में लाखों लोगों के हाथों में दिखी खामेनेई की तस्वीर

तेहरान, 29 जून (एजेंसियां)।

राजधानी तेहरान में शनिवार को रिवोल्यूशनरी गार्ड्स प्रमुख जनरल हुसैन सलामी, मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली हाजीजादेह, कई अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के जनाजे को दौरान भी देखने को मिली। इस जनाजे में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। ये सभी 13 जून को इजरायल के साथ शुरू हुए युद्ध के दौरान मारे गए थे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 10 लाख से अधिक शोकाकुल नागरिकों ने राजधानी की अजादी स्ट्रीट पर जुटकर इन राष्ट्रनायकों को विदाई दी। इस दौरान लोग खामेनेई की तस्वीर हाथों में ले रखे थे और एकजुटता का प्रदर्शन कर रहे थे।

जनाजे के दौरान भीड़ ने ईरान के शत्रुओं के खिलाफ नाराजगी जताई। लोग ईरानी ध्वज लहराते हुए और नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। इस दौरान अमेरिका-इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। सरकारी कार्यालयों को बंद कर कर्मचारियों को अंतिम संस्कार में भाग लेने की अनुमति दी गई।

इजरायल ने 13 जून को युद्ध की शुरुआत में ईरान के शीर्ष सैन्य और परमाणु नेतृत्व को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें जनरल सलामी और हाजीजादेह की मौत हो गई। इजरायल ने दावा किया कि उसने इस ऑपरेशन के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने की कोशिश की।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की सार्वजनिक मौजूदगी नजर नहीं आई, हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने बंद कमरे में विशेष नवाज पढ़ी होगी। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची, कुद्स फोर्स प्रमुख जनरल इस्माइल कानी और वरिष्ठ सलाहकार जनरल अली शामखानी जैसे कई शीर्ष अधिकारी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। शामखानी पहले हमले में घायल हुए थे, लाठी के सहारे सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए।

बदबू इतनी शिकायत पर पुलिस पहुंची तो कमरे में मिली 191 लाशें

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के कोलोराडो में एक फ्यूनरल होम यानी अंत्येष्टि गृह के मालिक ने एक ऐसा काम किया है, जिसे सुनकर आपका इंसानियत पर भरोसा डगमगा जाएगा। कोलोराडो की राजधानी डेनवर से करीब 160 किलोमीटर दूर स्थित पेनरोज नाम के छोटे से कस्बे में यह फ्यूनरल होम था। 2023 में पुलिस को एक फोन आया। फोन करने वाला सिर्फ 'भयंकर बदबू' की शिकायत कर रहा था। जब जांचकर्ता वहां पहुंचे, तो सामने जो नजारा था, उसने उनके रोंगटे खड़े कर दिए। कमरों में शव इतने बेतरतीब ढंग से पड़े थे कि कदम रखने की जगह तक नहीं बची थी। फर्श पर जमा शव सड़ चुके शरीर के तरल से बचने के लिए लकड़ी की पट्टियां बिछानी पड़ीं।

दरअसल फ्यूलर होम का मालिक शवों को जलाए बिना मृतक के परिजनों को नकली राख भेज देता था। लेकिन भला हो अमेरिका की अदालतों का जिसने उसे सख्त सजा दी है। जॉन हॉलफर्ड नाम के व्यक्ति को 191 शवों के साथ अमानवीय बर्ताव और परिवारों के साथ धोखा करने के आरोप में अमेरिकी अदालत ने 20 साल की सजा सुनाई है। यह मामला सिर्फ धोखाधड़ी का नहीं, बल्कि इंसानियत और संवेदनाओं को कुचल देने वाली सच्चाई थी।

'रिटर्न टू नेचर फ्यूनरल होम' नाम की इस संस्था को हॉलफर्ड अपनी पत्नी केरी के साथ चलाता था। यहां 2019 से 2023 के बीच सैकड़ों शवों को सड़ने के लिए छोड़ दिया गया। सबसे खौफनाक बात यह रही कि जिन परिवारों ने विश्वास के साथ अपने प्रियजनों का शव फ्यूनरल होम को सौंपा था उन्हें इन लोगों ने सूखी ड्राइ कंक्रीट का पाउडर थमा दिया। जब कोलोराडो की अदालत में यह मामला सामने आया, तो जज नीना वांग भी हैरान रह गईं। उन्होंने कहा, यह एक सामान्य धोखाधड़ी नहीं है। यह भावनाओं, परिवारों और मर्यादा का ऐसा हनन है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।' उन्होंने जॉन को अधिकतम 240 महीनों यानी पूरे 20 साल की सजा सुनाई।

जांच में यह भी सामने आया कि कुछ मामलों में गलत शवों का अंतिम संस्कार किया गया। अदालत में जमा दस्तावेज बताते हैं कि दो परिवारों को उनके रिश्तेदारों की जगह किसी और की राख दी गई। जॉन और उसकी पत्नी कैरी हॉलफर्ड पर केवल शवों के साथ गलत व्यवहार ही नहीं, बल्कि अमेरिकी सरकार के कोविड राहत फंड में धोखाधड़ी का भी आरोप है। इस रकम का इस्तेमाल इन्होंने लक्जरी गाड़ियों, क्रिप्टो करेंसी और ब्रांडेड गहनों में किया। अदालत ने जॉन हॉलफर्ड को 1,070,413 डॉलर की भरपाई करने का भी आदेश दिया है। जेल की सजा सुनने से पहले कोर्ट में खड़ा जॉन अपनी गलती मानता नजर आया। उसने कहा, 'मैंने यह फ्यूनरल होम इसलिए शुरू किया था ताकि लोगों की जिंदगी में कुछ सकारात्मक कर सकूं। लेकिन सब कुछ बेकाबू हो गया।

शीर्ष संरक्षित क्षेत्र बना डाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान

जम्मू, 29 जून (ब्यूरो)।
जम्मू कश्मीर की जनता के लिए यह खुशी का मौका है कि जम्मू कश्मीर का डाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान भारत में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले संरक्षित क्षेत्र के रूप में उभरा है, जिसने भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा आयोजित प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (एमईई) में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हैं।

92.97 प्रतिशत का प्रभावशाली स्कोर प्राप्त करते हुए डाचीगाम ने देश भर में मूल्यांकन किए गए 438 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में पहला स्थान प्राप्त किया, जो इस क्षेत्र के संरक्षण प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जम्मू कश्मीर के वन्यजीव संरक्षण विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया

कि यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है और पार्क के उत्कृष्ट संरक्षण मानकों, अनुकूली प्रबंधन और पारिस्थितिक संरक्षण प्रोटोकॉल का प्रमाण है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत विकसित एक उपकरण एमईई यह आकलन करता है कि संरक्षित क्षेत्रों का प्रबंधन कितनी प्रभावी ढंग से किया जाता है। यह जैव विविधता संरक्षण, आवास प्रबंधन, सुरक्षा उपायों, सामुदायिक भागीदारी और अनुसंधान पहल जैसे कारकों का मूल्यांकन करता है। डाचीगाम विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय हंगुल

का अंतिम निवास स्थान है जिसे कश्मीरी हिरण के नाम से भी जाना जाता है जो दुनिया में कहीं और नहीं पाया जाता है। हाल ही में जनसंख्या अनुमानों ने हंगुल की संख्या में सकारात्मक रुझान दिखाया है, जो इस प्रजाति के दीर्घकालिक अस्तित्व की उम्मीद जगाता है।

अधिकारियों ने पार्क की सफलता का श्रेय समर्पित शिकार विरोधी सतर्कता, आवास सुधार, वैज्ञानिक निगरानी और पारिस्थितिकी विकास पहलों को दिया है। यह मान्यता कश्मीर हिमालय में संरक्षण रणनीतियों को बढ़ावा देने के रूप में आती है, जो नाजुक पारिस्थितिकी प्रणालियों के बीच अद्वितीय जैव विविधता की मेजबानी करता है।

विभाग के प्रवक्ता ने कहा, यह मान्यता वन्यजीव संरक्षण विभाग के अधिकारियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिए एक श्रद्धांजलि है, जिन्होंने दूरदर्शी नेतृत्व में असाधारण व्यावसायिकता दिखाई है। जम्मू और कश्मीर के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री जावेद अहमद राणा ने भी विभाग को बधाई दी है और इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश के अन्य संरक्षित क्षेत्रों के लिए एक बेंचमार्क बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जम्मू और कश्मीर के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के लिए अनुकरणीय आदर्श है।

उत्तराखंड: चार-धाम यात्रा एक दिन के लिए स्थगित

देहरादून, 29 जून (एजेंसियां)।
उत्तराखंड में हो रही लगातार भारी वर्षा और भूस्खलन की आशंकाओं को देखते हुए तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए चारधाम यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित किया गया है।

गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने रविवार को बताया कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा के मद्देनज़र यह एहतियाती कदम उठाया गया है ताकि मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया

कि संबंधित जिलों के प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है और राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय किया गया है।

श्री पांडेय ने बताया कि आगे की यात्रा को लेकर निर्णय कल मौसम की स्थिति और मार्गों की समीक्षा के पश्चात लिया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और मौसम सामान्य होने तक यात्रा स्थलों की ओर प्रस्थान न करें।

'बिहार में मतदाता सूचियों की समीक्षा में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी'

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)।
बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूचियों की विशेष सघन समीक्षा के लिए चुनाव आयोग की ओर से घर-घर चलाए जा रहे अभियान में सहयोग के लिए विभिन्न दलों ने कुल मिलाकर अपने डेढ़ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को बूथ स्तरीय एजेंट बनाया है।

चुनाव आयोग के सूत्रों ने रविवार यह जानकारी दी।

आयोग के एक सूत्र ने कहा,बिहार में बूथ स्तर पर सभी राजनीतिक दल मतदाता सूचियों की सघन समीक्षा में भाग ले रहे हैं।

इन दलों ने मतदान केंद्र स्तर पर कुल मिलाकर अब तक अपने डेढ़ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को एजेंट नियुक्त किया है। एजेंट बूथ स्तरीय चुनाव अधिकारियों को समीक्षा कार्य में सहयोग करते हैं।

सूत्रों ने कहा कि राज्य में कार्यरत सभी राजनीतिक दल बूथ स्तर के अपने एजेंट बढ़ाने में लगे हुए हैं ताकि मतदाता सूचियों की समीक्षा संतोषजनक ढंग से हो सके।

उल्लेखनीय है कि आयोग ने इस विशेष साधन समीक्षा के संबंध में बिहार में सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील कर चुका है। आयोग ने उन्हें सलाह दी है कि वे सभी मतदान केन्द्रों के लिए अपने एजेंट नियुक्त करें। सूत्रों ने कहा कि आयोग राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को इस प्रक्रिया में शामिल करके यह सुनिश्चित करना चाहता है कि बाद में इसको लेकर कोई राजनीति और आरोप प्रत्यारोप ना किया जाए।

सूत्रों के अनुसार राज्य में बहुजन समाज पार्टी ने अब तक 26 बूथ स्तरीय एजेंट, भारतीय जनता पार्टी ने 51964, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने 76 , कांग्रेस पार्टी ने 8586, राष्ट्रीय जनता दल ने 47143, जनता दल (यू) ने 27931, लोक जनशक्ति पार्टी ने 2457, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी ने 264, और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी- लेनिनवादी) लिबरेशन ने अपने 233 एजेंट नियुक्त किए हैं।

कश्मीर की ओर पर्यटकों का रुख, पर लद्दाख को इंतजार

जम्मू, 29 जून (ब्यूरो)।
पहलगाम नरसंहार और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के कारण कश्मीर से लापता हुए पर्यटक फिर से लौटने तो लगे हैं पर बर्फीले रेगिस्तान लद्दाख को अभी भी उस भीड़ का इंतजार है जो कभी हुआ करती थी। हालांकि लद्दाखियों को टूरिज्म सेक्टर से जुड़े उन लोगों से नाराजगी तो जरूर है जिन्होंने चलो कश्मीर की तो मुहिम छेड़ी पर लद्दाख को याद नहीं किया।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, लद्दाख में अप्रैल में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जबकि मई में यह संख्या स्थिर रही और जून में पर्यटकों के आगमन में लगभग 60 फीसदी की नाटकीय गिरावट देखी गई। इस पूरी तस्वीर से पता चलता है कि सुरक्षा चिंताओं,

अंतरराष्ट्रीय विकास और अपर्याप्त प्रचार सहित कई कारकों ने क्षेत्र की पर्यटन-निर्भर अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। पिछले साल के मुकाबले इस साल लेह में पर्यटकों की संख्या में मिला-जुला रुझान देखने को मिला है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 में पर्यटकों की संख्या अप्रैल 2024 के 14,235 से बढ़कर 25,686 हो गई। यह 80 फीसदी की बढ़ोतरी है। हालांकि, मई में यह संख्या लगभग वैसी ही रही, पिछले साल के 29,497 से मामूली गिरावट के साथ इस साल 29,353 हो गई।

सबसे उल्लेखनीय गिरावट जून में देखी गई, जहां पर्यटकों की संख्या 2024 में 1,53,711 से घटकर 2025 (25 जून तक) में सिर्फ 61,927 रह गई। यह लगभग 60 फीसदी की कमी को दर्शाता है।

इसके अलावा, पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से दिसंबर 2024 तक कुल 376,386 पर्यटक लद्दाख आए, जबकि जनवरी से 25 जून 2025 के बीच 127,437 पर्यटक आए। हालांकि, अधिकतर अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने अप्रैल और मई की अपनी यात्राएं रद्द कर दी थीं। दूसरी ओर, घरेलू पर्यटक आमतौर पर पहले से बुकिंग नहीं कराते हैं। कई लोग गर्मी से बचने के लिए लद्दाख आ रहे हैं। हालांकि कुछ को यहां का मौसम अभी भी गर्म लग रहा है।

टूर ऑपरेटर त्सेरिंग दादुल कहते हैं कि पर्यटन विभाग को अपने प्रचार प्रयासों में सुधार करने की जरूरत है। चूंकि कई पर्यटक अपना खुद का वाहन चलाकर आ रहे हैं, इसलिए इससे स्थानीय परिवहन क्षेत्र को कोई फायदा नहीं हो रहा है। फिर भी, पिछले दो महीनों की तुलना में अब स्थिति बेहतर है। उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है। वे कहते हैं कि इजराइल से कई अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने चल रहे युद्ध के कारण अपनी योजनाएं रद्द कर दी हैं। कुछ का कहना है कि उनका दूतावास जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है क्योंकि लद्दाख एक सीमावर्ती क्षेत्र है। लेकिन यहां पहुंचने के बाद, उन्हें स्थिति पूरी तरह से सुरक्षित और शांतिपूर्ण जरूर लगी थी।

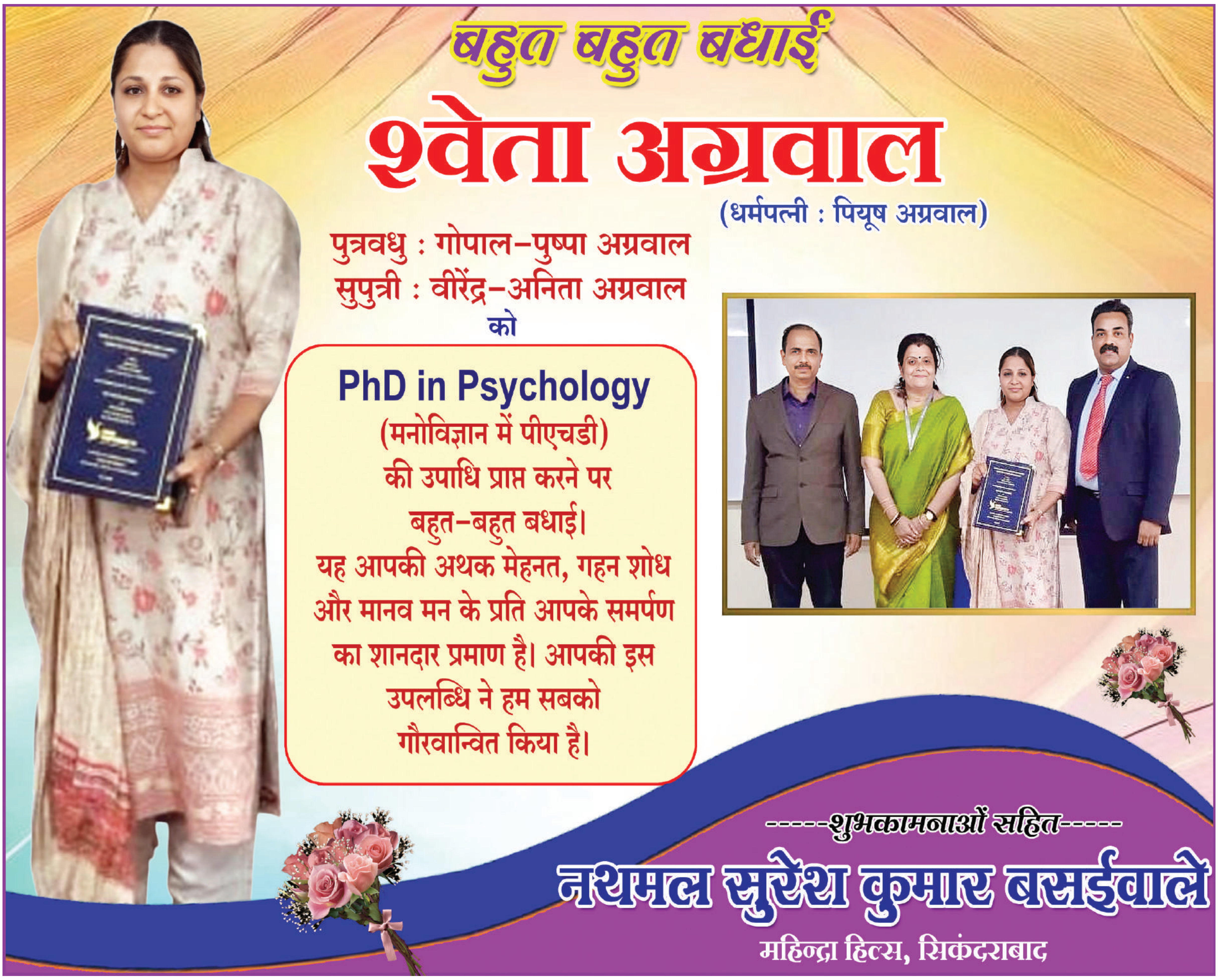

कृष्णा कॉटेज, डॉन से लेकर एक विवाह... ऐसा भी...

ईशा कोप्पिकर की पांच फिल्में जिसे सबसे ज्यादा पसंद किया गया

नए ऐज की क्वीन ईशा कोप्पिकर ने भारतीय सिनेमा में एक आकर्षक और विविधतापूर्ण यात्रा तय की है। उन्होंने अपने दमदार किरदारों से न केवल अलग पहचान बनाई, बल्कि पारंपरिक महिला किरदारों की सीमाओं को भी तोड़ा। हल्की-फुल्की कॉमेडी से लेकर गंभीर क्राइम ड्रामा तक, ईशा के किरदारों ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी।

क्या कूल हैं हम: इस कल्ट एडल्ट कॉमेडी फिल्म में ईशा ने सब-इंस्पेक्टर उर्मिला मार्तोड़कर का किरदार निभाया - जी हाँ, आपने सही पढ़ा। स्मार्ट, स्टाइलिश और बेबाक अंदाज़ में ईशा ने जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग दिखाई। एक महिला पुलिस अफसर को उन्होंने जिस अंदाज़ में पेश किया, वह बॉलीवुड के लिए नया और ताज़गी भरा था। यह उनके करियर की सबसे हिट और पुरस्कार-नामांकित भूमिकाओं में से एक है।

डॉन: इस क्राइम थ्रिलर में ईशा ने 'अनिता' का किरदार निभाया और शाहरुख़ ख़ान जैसे सुपरस्टार के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए भी अपने अभिनय की चमक बनाए रखी। उन्होंने ग्लैमर और गंभीरता का बेहतरीन संतुलन दिखाया, और अपने आत्मविश्वास व मौजूदगी से दर्शकों का ध्यान खींचा।

एक विवाह... ऐसा भी: राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस क्लासिक फिल्म में ईशा ने 'चांदनी' नाम की छोटे शहर की लड़की का किरदार निभाया, जो अपने सपनों को त्यागकर परिवार की ज़िम्मेदारियां उठाती है। ईशा का यह भावनात्मक और पारंपरिक किरदार बेहद असरदार रहा। उनके गरिमामय अभिनय ने फिल्म के संस्कारी और भावनात्मक पक्ष को और मज़बूत किया। फ़िल्म के मूल्यों से प्रेरित विषय और उनके अभिनय ने उन्हें आलोचकों और दर्शकों से समान रूप से प्रशंसात्मक समीक्षा दिलाई।

शबरी: राम गोपाल वर्मा की इस कम सराही गई फ़िल्म में ईशा ने मुंबई के अपराध जगत की एक कठोर महिला गैंगस्टर की भूमिका में अपनी अब तक की सबसे परिवर्तनकारी भूमिका निभाई। ग्लैमर से दूर, ईशा का मेकअप इतना सटीक था और वह इतनी पहचान में नहीं आ रही थीं कि उन्हें वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने फ़िल्म के सेट पर घुसने से भी मना कर दिया था। यह उनका सबसे साहसी और सशक्त अभिनय था, जिसे समीक्षकों ने उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ बताया।

कृष्णा कॉटेज: इस सुपरनैचुरल थ्रिलर में ईशा ने 'दिशा' का रहस्यमयी किरदार निभाया - एक ऐसी आत्मा जो प्रेम में पागल है और बदले की आग में जल रही है। रोमांस और हॉरर के मेल से बनी इस कहानी को ईशा की गंभीर और डरावनी स्क्रीन प्रेज़ेंस ने और भी प्रभावशाली बना दिया। 'कृष्णा कॉटेज' आज भी 2000 के दशक की हॉरर फिल्मों में कल्ट क्लासिक मानी जाती है, और इसका बहुत बड़ा श्रेय ईशा के दमदार अभिनय को जाता है।

चाहे वह सख्त पुलिस अफसर हो, बदले की प्यास में भटकती आत्मा हो या एक जटिल एंटी-हीरो, ईशा कोप्पिकर ने हर किरदार में कुछ नया और अनोखा जोड़ा। उनके फिल्मी चयन में जोखिम उठाने की भावना साफ झलकती है जो कि कई प्रमुख अभिनेत्रियाँ करने की हिम्मत नहीं करतीं। ये पाँच फ़िल्में हमें याद दिलाती हैं कि भले ही ईशा की स्क्रीन उपस्थितियाँ चुनिंदा हो गई हों, लेकिन उनका प्रभाव अविस्मरणीय बना हुआ है।

हिमाचल के हरिपुर पहुंची दीप्ति नवल ने अपनी दुनिया से मिलाया

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री दीप्ति नवल इन दिनों हिमाचल की वादियों में घूम रही हैं। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को प्राकृतिक सुंदरता की झलक भी दिखाई। दरअसल, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एप्रीकॉट (खुबानी) से लदे बगीचे की झलक दिखाते हुए वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही है, यह रहे पहाड़, यह मेरा बगीचा, ये देखिए एप्रीकॉट से लदे पेड़, और यह वह जगह है जहां मैं रोजाना वर्कआउट करती हूं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, नग्गर के पास हरिपुर में आर्ट स्टूडियो में, हां, मैं हिमाचल में हूं।

चश्मे बद्दूर की अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं; वह अक्सर अपनी पिछली फिल्मी जिंदगी को संजोते हुए वर्तमान की झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। कुछ दिनों पहले, अभिनेत्री ने अपनी मां की एक मोनोक्रोम तस्वीर पोस्ट की थी और इसे कैप्शन दिया, मां, तुम्हें याद करते हुए....यहां इस शांत पहाड़ी पर बैठी हूं-मुझे याद है जब मैं अपना छोटा-सा स्टूडियो बना रही थी, तब आप मेरे साथ आराम से बैठकर मेरा काम शुरू होने का इंतजार कर रही थीं। उस समय मैंने अपनी मनपसंद काली किन्नौरी शॉल में आपकी यह तस्वीर खींची थी। यह तस्वीर अभी भी मेरे पास, मेरे साथ है।

दीप्ति नवल ने 1978 में 'श्याम बेनेगल' की फिल्म 'जुनून' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। जिसके ठीक एक साल बाद, उन्होंने सुरेश ओबेरॉय के साथ फिल्म 'एक बार फिर' में मुख्य भूमिका निभाई। फारूक शेख के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री आज भी प्रतिष्ठित है; इस जोड़ी ने 'चश्मे बद्दूर', 'साथ साथ', 'किसी से ना कहना', 'कथा', 'रंग बिरंगी', और 'फासले' जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय किया था।

अभिनेत्री दीप्ति नवल को स्क्रीन पर आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'गोल्डफिश' में देखा गया था। इसमें उन्होंने मां का किरदार निभाया था, जो डिमेंशिया से जूझ रही थी। वहीं, कल्कि कोचलिन ने उनकी बेटी का किरदार निभाया था।

बता दें, लंदन में शूट हुई फिल्म 'गोल्डफिश' मेमोरी, म्यूजिक, मेंटल हेल्थ और आइडेंटिटी से संबंधित है। पूषन कृपलानी द्वारा निर्देशित फिल्म भारतीय-ब्रिटिश-अमेरिकी प्रोडक्शन पावरहाउस दीप्ति नवल, कल्कि कोचलिन और रजित कपूर को एक साथ लाती है, जिसमें यूके के कुछ कलाकार भारती पटेल, गॉर्डन वार्नेके, रविन गनात्रा और शनाया रफत शामिल हैं।

स्प्लेंडिड फिल्म्स प्रोडक्शन, अमित सक्सेना द्वारा निर्मित, यह फिल्म 25 अगस्त 2023 को भारत और अमेरिका के कई शहरों में सिनेमाघरों में रिलीज की गई थी।

फिल्म मस्ती-4 के लिए तुरंत हामी भरी, कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत जारी : रूही सिंह

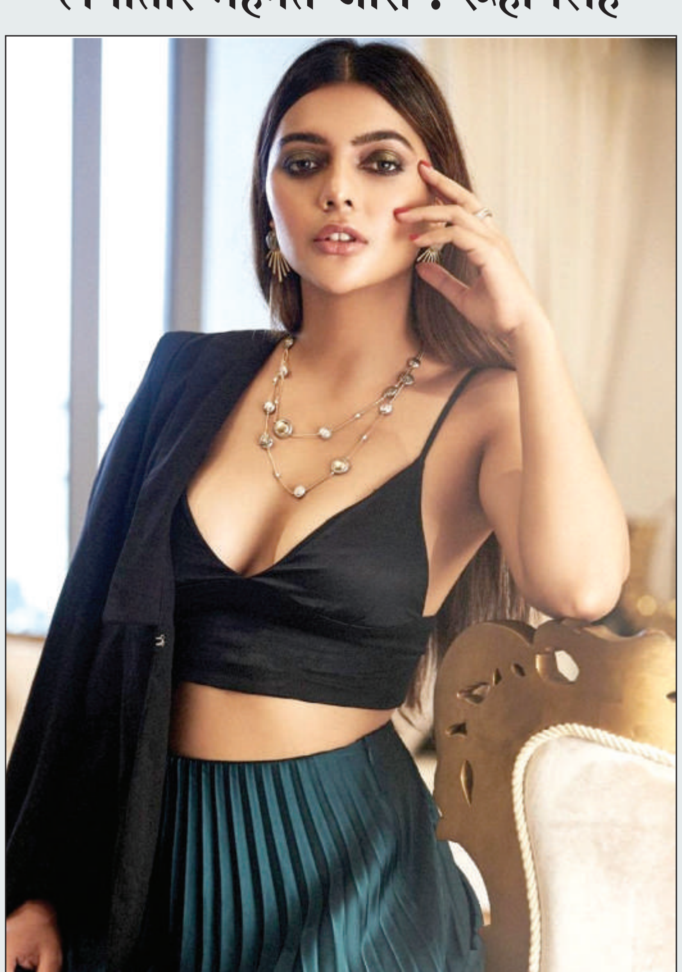

अभिनेत्री रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं।

फिल्म ऑफर हुई तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे 'मस्ती 4' का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ 'ग्रैंड मस्ती' देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे।

कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

इरफान खान से मिली तारीफ मेरे लिए किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी : सुभाष घई

दिग्गज फिल्म निर्माता सुभाष घई ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को याद किया और उन्हें फिल्म इंडस्ट्री का अनमोल रत्न बताया। उन्होंने कहा कि वह फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक थे। उनकी तारीफ किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम पर इरफान खान के साथ एक फोटो शेयर की, जो किसी अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान खींची गई थी। तस्वीर में दोनों ब्लैक कलर के सूट और वाइट शर्ट में नजर आ रहे हैं। साथ ही एक-दूसरे से मुस्कुराते हुए मिल रहे हैं। सुभाष घई के हाथ में एक अवॉर्ड है, वहीं इरफान उन्हें प्यार से गले लगाते हुए दिख रहे हैं। '

कर्ज', 'राम लखन', और 'ताल' जैसी मशहूर फिल्मों के लिए मशहूर सुभाष घई ने कहा कि फिल्मों में चमक-दमक से ज्यादा कहानी मायने रखती है। वह इरफान के काम और उनकी काबिलियत को बहुत अहमियत देते थे। उनकी तारीफ उनके लिए किसी भी पुरस्कार से ज्यादा खास थी।

उन्होंने लिखा, मैं हमेशा से दिखावटी सितारों की तुलना में अच्छे और महान अभिनेताओं की तारीफ करता रहा हूं। अच्छे अभिनेता कहानी को और बेहतर बनाते हैं, जबकि सितारे सिर्फ फिल्म को चमकाते हैं। मुझे इरफान खान से तारीफ मिलना किसी अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार मिलने से ज्यादा खुशी देता था। इसलिए मैं इस तस्वीर को हमेशा संजोकर रखता हूं। हमें इरफान की बहुत याद आती है।

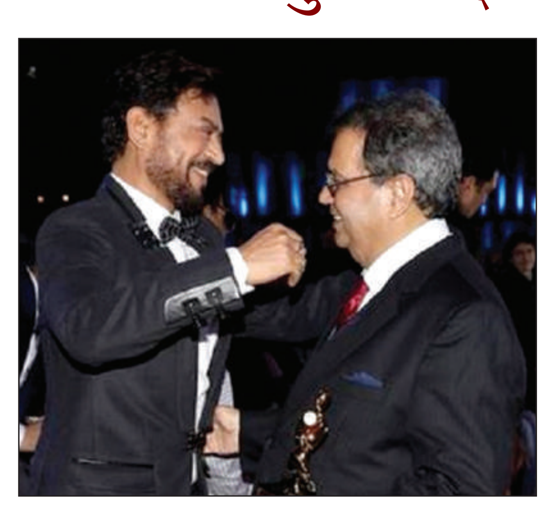

सुभाष घई और इरफान खान ने साथ कई फिल्मों में काम किया है। फिल्म 'राइट या रॉन्ग' में इरफान ने लीड रोल निभाया था। इस फिल्म के निर्देशक सुभाष घई थे। इसके अलावा, सुभाष घई की फिल्म 'इकबाल' में इरफान ने सहायक भूमिका निभाई थी। इरफान खान का निधन 29 अप्रैल 2020 को हुआ था। वह एक गंभीर बीमारी, जिसे न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर कहते हैं, से लंबे समय तक जूझ रहे थे। उन्हें इस बीमारी का पता साल 2018 में चला था। इरफान खान ने खुद अपने ट्विटर पोस्ट के जरिए बीमारी की जानकारी फैंस को दी थी।

कल्याणजी बर्थडे स्पेशल: उधारी के बदले मिले सुर, फ़न के बूते पाया मुकाम

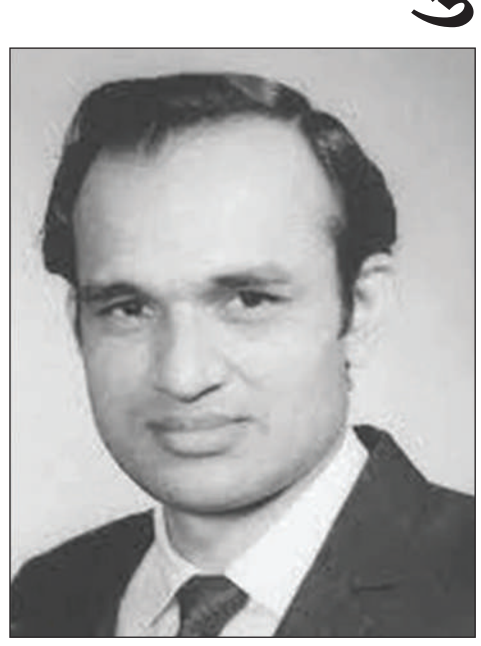

कभी-कभी जिंदगी में जो चीजें इत्तेफाक से होती हैं, वही किस्मत की दिशा बदल देती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ था कल्याणजी के साथ, जो आगे चलकर हिंदी फिल्मों के मशहूर संगीतकार बने। कल्याणजी का पूरा नाम कल्याणजी वीरजी शाह था। उनका जन्म 30 जून 1928 को गुजरात के कच्छ के कुंदरोडी में हुआ था। कुछ साल बाद उनका परिवार गुजरात से मुंबई आया और यहां उनके पिताजी वीरजी शाह ने किराने की एक छोटी सी दुकान शुरू की।

रोज की तरह दुकान चल रही थी, ग्राहक आते-जाते रहते थे, लेकिन एक ग्राहक ऐसा भी था जो हर बार उधार पर सामान ले जाता और पैसे देने का नाम नहीं लेता। जब उधारी बढ़ गई और पैसे देने का सवाल उठा, तो उस शख्स ने कुछ और ही पेशकश की। उसने कहा, 'उधारी के बदले मैं तुम्हारे बेटों को संगीत सिखा दूंगा।' कौन जानता था कि यही सौदा दो मासूम बच्चों के भविष्य को सुरों से भर देगा। उधारी चुकाने का यह तरीका एक गुरु-शिष्य के रिश्ते में बदल गया। उसी पल से कल्याणजी और उनके भाई आनंदजी की जिंदगी में संगीत ने पहली बार दस्तक दी थी। वो सुर, जो किसी उधारी की भरपाई थे, कल्याणजी और आनंदजी के दिल को छूने लगे और धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी बढ़ती गई, रियाज का समय बढ़ने लगा और संगीत जैसे उनके खून में उतरने लगा।

ये वो दौर था जब लोग बड़े-बड़े उस्तादों से पैसे देकर सीखते थे, और कल्याणजी को ये ज्ञान एक 'उधारी' की वजह से मिल गया था। समय के साथ हुनर निखरता गया और दोनों भाई आगे चलकर अपनी मेहनत और लगन से हिंदी सिनेमा की पहचान बन गए। ये किस्सा कल्याणजी आनंदजी के आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद है।

संगीतकार जोड़ी कल्याणजी-आनंदजी ने मिलकर एक से बढ़कर फिल्मों के गानों में संगीत दिया, जिसमें 'डॉन', 'सफर', 'कोरा कागज' जैसी फिल्में शामिल हैं।

कल्याणजी ने अपने भाई आनंदजी के साथ मिलकर 'कल्याणजी वीरजी एंड पार्टी' के नाम से एक आर्केस्ट्रा कंपनी बनाई थी, जो अलग-अलग शहरों में जाकर परफॉर्मेंस दिया करती थी।

कल्याणजी का पहला फिल्मी काम 1959 में रिलीज हुई फिल्म 'सम्राट चंद्रगुप्त' थी। उस समय आनंदजी आधिकारिक रूप से उनके साथ नहीं जुड़े थे, लेकिन उन्होंने भरपूर साथ दिया था। बाद में आनंदजी ने आधिकारिक तौर पर कल्याणजी के साथ काम करना शुरू किया और उसी साल 1959 में रिलीज हुई फिल्मों 'सट्टा बाजार' और 'मदारी' के लिए संगीत बनाया। उनकी पहली बड़ी हिट 1960 में आई 'छलिया' थी। 1965 में आई 'हिमालय की गोद में' और 'जब जब फूल खिले' जैसी फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड के सफल संगीतकारों की फेहरिस्त में ला खड़ा किया।

कल्याणजी-आनंदजी ने 250 से ज्यादा फिल्मों में संगीत दिया, जिनमें से 17 फिल्में गोल्डन जुबली और 39 सिल्वर जुबली रहीं। उन्होंने अपने समय के महान गायकों जैसे मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, आशा भोसले, मन्ना डे, मुकेश और महेंद्र कपूर के साथ काम किया। फिल्म 'कोरा कागज' के गाने 'मेरा जीवन कोरा कागज' के लिए उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक' के लिए पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

1992 में भारत सरकार ने संगीत क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से सम्मानित किया। उनकी जोड़ी ने लता मंगेशकर के लिए 326 गीत तैयार किए, जिनमें से 24 गीत उन्होंने अपने पहले नाम 'कल्याणजी वीरजी शाह' के तहत और बाकी 302 गीत 'कल्याणजी-आनंदजी' के नाम से दिए।

मन्ना डे की आवाज से सजी मशहूर कव्वाली 'यारी है ईमान मेरा, यार मेरी जिंदगी...' आज भी लोगों के दिलों में बसा है। कल्याणजी वीरजी शाह ने 24 अगस्त 2000 को दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनके संगीत का खजाना आज भी भरा हुआ है। जिससे उनके अमर तराने गाहे बगाहे दिलों के तार छेड़ जाते हैं।

मकर सहित अन्य राशियों को होगा धन लाभ, महादेव मिटाएंगे सभी दुख-दर्द

आज यानी 30 जून सोमवार है और आज चंद्रमा का संचार सिंह राशि में होगा। आज सोमवार होने के कारण चंद्रमा का प्रभाव पूरे दिन रहेगा। और चंद्रमा मंगल के साथ सिंह राशि में धन लक्ष्मी योग का निर्माण करेंगे। इसके साथ ही आज शुक्र अपनी राशि वृषभ में विराजमान होंगे और राजयोग बनाएंगे। इस पर आज जून महीने का अंतिम दिन है और मंगल का पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में संचार होगा। इसके साथ ही मघा और पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के संयोग में आज सिद्धि योग भी बनने जा रहा है। इस पर सोमवार होने की वजह से आज का दिन शिवजी को समर्पित होगा। जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। ऐसे में आज सोमवार का दिन सिद्धि योग और शिवजी की कृपा से मकर सहित 5 राशियों के लिए शुभ और लाभदायक रहने वाला है। आज इन राशियों को धन लाभ के आर्ज मौके मिलेंगे और ये इन्हें भुनाने में सफल होंगे। इसके साथ ही आपके परिवार में सुख शांति रहेगी।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको क्रिएटिविटी, बुद्धिमत्ता और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष सफलता मिल सकती है। इसके साथ ही आज आपके विचारों में स्पष्टता रहेगी और आप उन्हें अच्छे से व्यक्त करने में भी सफल होंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत होगी। आज आपकी नेतृत्व क्षमता की तारीफ होगी। आप मानसिक कार्यों में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। आज आप जोखिम लेने से भी नहीं घबराएंगे। आज शेयर बाजार, मनोरंजन, शिक्षा, डिजिटल मीडिया, लेखन, विज्ञापन, डिजाइनिंग आदि से जुड़े जातकों को अपने-अपने क्षेत्र में रचनात्मकता का विशेष फायदा मिल सकता है। कारोबार में आपको प्रभावशाली लोगों का समर्थन मिल सकता है जिससे आपको भविष्य में फायदा हो सकता है। परिवार में सुख शांति रहेगी। खासकर आज आपको संतान सुख प्राप्त हो सकता है। बच्चों की तरफ से कोई खुशखबरी मिलने से गर्व का अहसास होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा।

उपाय : आज महादेव के सम्मुख घी का दीया जलाएं और उन्हें सूखा नारियल चढ़ाएं। इसके साथ ही शिव चालीसा और हनुमान चालीसा का पाठ करें। इससे शिवजी की कृपा प्राप्त होगी।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको मानसिक शांति का अहसास होगा। घर में सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा। इसके साथ ही आज आपको स्थायी संपत्ति से भी भरपूर लाभ मिलने के आसार हैं। परिवार में आज आपको माता का पूरा सहयोग और स्नेह प्राप्त होगा। इसके अलावा आपको वाहन सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। परिवार में भावनात्मक संतुलन बना रहेगा। यही नहीं आज रियल एस्टेट, इंटीरियर डिजाइनिंग, डेयरी प्रोडक्ट्स, होम डेकोर, फैशन, संगीत, आजा और वाहनों की खरीद फरोख्त से जुड़ा काम करने वालों को जबरदस्त लाभ हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए आज का दिन उम्मीद से बेहतर परिणाम लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदार मिल सकती है। आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा जिससे आप अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगे। आपके जीवन में स्थायित्व होगा। परिवार में सुख समृद्धि रहेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

उपाय : आज शिवलिंग पर कम से कम 21 बेल पत्र चढ़ाएं। इसके साथ ही मां पार्वती को लाल चुनरी चढ़ाएं। इससे आपके घर में सुख समृद्धि बनी रहेगी।

कर्क राशि – आज सोमवार का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आप अपनी मधुर वाणी से करियर से लेकर कारोबार और परिवार में अच्छे संबंध बनाकर चलेंगे। आपके पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगा। आज कारोबार में आपके अटके हुए काम पूरे होंगे। खान-पान, रसोई, डेयरी, जल उत्पाद, घरेलू वस्तुएं, सिल्वर, व्यापार, शिक्षा आदि से जुड़े काम करने वालों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आज कार्यक्षेत्र में आप भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे जिससे विश्वसनीयता और सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे। आज आप न सिर्फ धन कमाएंगे बल्कि उसका संचय भी कर पाएंगे। वाणी की मिठास से लोगों को प्रभावित करेंगे। जिससे आपके व्यावसायिक रिश्ते मजबूत बनेंगे। आपको पारिवारिक सहयोग भी अच्छी तरह मिलेगा। परिवार में आपके सुख चैन बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी। बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं।

उपाय : आज भोलेनाथ को गेहूं के आटे, शक्कर और घी से बने पकवान का भोग लगाएं। पूजा के बाद प्रसाद को बांट दें। इसके साथ ही जरूरतमंदों को सफेद वस्त्रों का दान कर सकते हैं।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों को आज सोमवार को भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। आज आपको न सिर्फ आर्थिक लाभ मिलने के आसार हैं बल्कि करीबी दोस्तों व सामाजिक सहयोग के दम पर आप अपनी महत्वाकांक्षाओं को भी पूरा कर पाएंगे। आज कारोबार में आपके अटके हुए काम तेजी से पूरे होंगे। अगर कहीं आपका धन फंसा हुआ है तो आज वह वापस मिल सकता है जिससे आप प्रसन्न होंगे। इसके साथ ही सौंदर्य, संतुलन, आजा, न्याय और व्यापार के क्षेत्र से जुड़े जातकों को आज विशेष लाभ मिल सता है। इसके साथ ही आज आपको प्रभावशाली लोगों से भी संपर्क का मौका मिलेगा। व्यापार में नेटवर्किंग से लाभ मिलता है। मित्रों, उच्च पदस्थ लोगों और संगठनों से सहयोग मिलने से आपको लाभ ही होगा। आपकी आय में बी आज बढ़ोतरी होने के आसार हैं। आर्ज स्रोतों से धन प्राप्त हो सकता है। आपके सामाजिक दायरे में विस्तार होगा और आप अपने आकर्षण व व्यवहारकुशलता से लोगों को प्रभावित करने में सफल होंगे। आपको व्यापार में स्थिरता और विस्तार दोनों मिल सकता है। आपके परिवार में आज खुशियां रहेंगी। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

उपाय : आज शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। इसके बाद सफेद चंदन से शिवलिंग पर ऊं की आकृति बनाएं। साथ ही आज जरूरतमंदों को चावल का दान करें। आपके कार्य पूरे होंगे।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों को आज सोमवार को उम्मीद से बढ़कर लाभ मिल सकता है। आज आपको कारोबार में जबरदस्त लाभ मिल सकता है। खासकर आज रहस्यमयी विषयों, शोध, चिकित्सा और बीमा जैसे क्षेत्रों से जुड़े जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। आज आपमें अनुशासन का प्रभाव दिखेगा। कामकाज में आप मेहनत और गंभीरता बरतेंगे जिससे आपको लाभ जरूर मिलेगा। आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आपमें धैर्य कूट कूटकर भरा होगा जिससे आप कठिन परिस्थितियों का भी साहस से सामना कर लेंगे। इसके अलावा आज आपको धन का गुप्त लाभ भी हो सता है। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। तंत्र-मंत्र, मनोविज्ञान, खुफिया एजेंसी जैसे क्षेत्रों से जुडे. जातकों को आज अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। आज आपके परिवार में मौज मस्ती का माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ अगर अनबन चल रही थी तो आज आपके संबंध सुधर सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिहाज से भी आज का दिन अनुकूल रहने वाला है।

उपाय : आज शिवलिंग पर दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल और धतूरा आदि चढ़ाएं। इस दौरान सच्चे मन से 108 बार ऊं नमः शिवाय मंत्र का जप करें। इससे आप पर शिवजी की कृपा बनी रहेगी।

आषाढ़ पूर्णिमा पर इंद्र योग समेत बन रहे हैं कई अद्भुत संयोग मिलेगा दोगुना फल

वैदिक पंचांग के अनुसार, 10 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा है। आषाढ़ पूर्णिमा के दिन गुरु पूर्णिमा भी मनाई जाती है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि आषाढ़ पूर्णिमा के दिन वेदव्यास जी का जन्म हुआ था। इसके लिए इस शुभ तिथि पर गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है।

ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ पूर्णिमा तिथि पर इंद्र योग समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। साथ ही साधक पर भगवान विष्णु की कृपा बरसेगी।

आषाढ़ पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 10 जुलाई को देर रात 01 बजकर 36 मिनट पर आषाढ़ पूर्णिमा की शुरुआत होगी। वहीं, 11 जुलाई को देर रात 02 बजकर 06 मिनट पर आषाढ़ पूर्णिमा का समापन होगा। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना होती है। अतः 10 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा मनाई जाएगी। आषाढ़ पूर्णिमा पर चंद्रोदय समय शाम 07 बजकर 20 मिनट पर है।

इंद्र योग

ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ पूर्णिमा पर इंद्र योग का संयोग बन रहा है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को आरोग्य जीवन का वरदान मिलेगा। साथ ही सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलेगी। इंद्र योग का संयोग रात 09 बजकर 38 मिनट तक है।

भद्रावास योग

आषाढ़ पूर्णिमा पर भद्रावास योग का भी निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग दोपहर 01 बजकर 55 मिनट तक है। इस दौरान भद्रा पाताल में रहेंगी। इन योग में गंगा स्नान कर भगवान विष्णु और वेदव्यास जी की पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होगी।

नक्षत्र एवं चरण

ज्योतिषियों की मानें तो वैशाख पूर्णिमा पर पूर्वाषाढ़ा योग का भी संयोग है। पूर्वाषाढ़ा योग पूर्ण रात्रि तक है। इसके साथ ही बव करण के भी संयोग है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाएंगे।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 31 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 07 बजकर 22 मिनट पर

चन्द्रोदय– शाम 07 बजकर 20 मिनट पर

चन्द्रास्त– नहीं

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 10 मिनट से 04 बजकर 50 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 45 मिनट से 03 बजकर 40 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 07 बजकर 21 मिनट से 07 बजकर 41 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 12 बजकर 06 मिनट से 12 बजकर 47 मिनट तक

ध्यान फाउंडेशन: करुणा और सतत परिवर्तन का एक वैश्विक प्रतीक

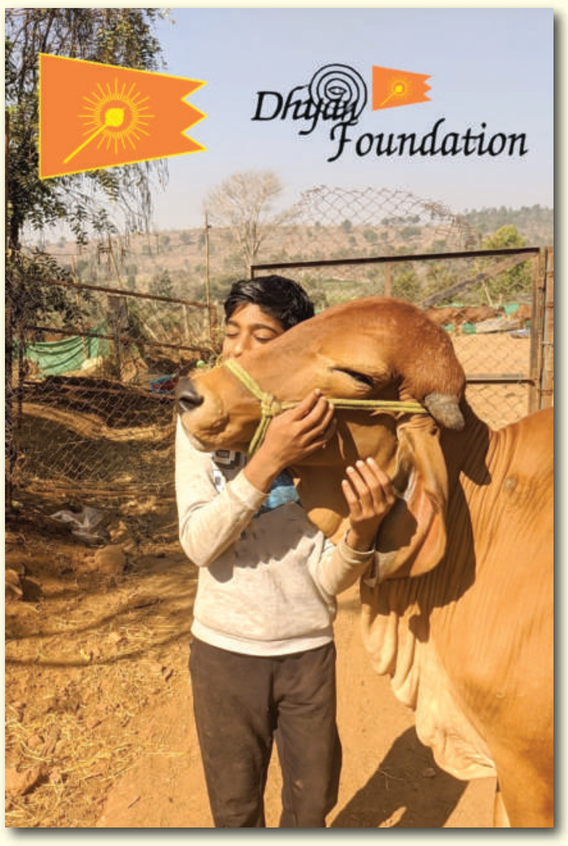

ध्यान फाउंडेशन एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) है जो घायल, परित्यक्त और तस्करी किए गए जानवरों के बचाव, पुनर्वास और आजीवन देखभाल के लिए समर्पित है। फाउंडेशन धर्म के गहरे मूल्यों और प्राचीन वैदिक ज्ञान को आधार बनाकर, बड़े पैमाने पर मानवीय हस्तक्षेप के माध्यम से मूक प्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। आदरणीय अश्विनी गुरुजी द्वारा निर्देशित, ध्यान फाउंडेशन एक नॉट-फॉर-प्रॉफिट एनजीओ है जो ट्रस्ट डीड (2235, एडिशनल बुक नंबर 4 27/5/2002) के तहत नई दिल्ली में पंजीकृत है। यह एक स्वयंसेवी आधारित आध्यात्मिक और धर्मार्थ एनजीओ है, जिसके स्वयंसेवक भारत भर में बीमार, घायल और परित्यक्त जानवरों की रक्षा और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अश्विनी गुरुजी का समर्पण और फाउंडेशन का मिशन

ध्यान फाउंडेशन के इस मिशन के मूल में अश्विनी गुरुजी का समर्पण है, जो इसकी विभिन्न पहलों को ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते हैं। गुरुजी ने अपना जीवन, समय और संपत्ति सभी प्राणियों के उत्थान और संरक्षण के लिए समर्पित कर दी है। उनके मार्गदर्शन में, हजारों स्वयंसेवक विश्व स्तर पर करुणा, सेवा और जिम्मेदारी के पथ पर अग्रसर हैं, और वे कमजोरों के अभिभावक तथा बेज़ुबान जीवों के रक्षक के रूप में अथक प्रयास करते हैं।

पशु कल्याण में मील के पत्थर

ध्यान फाउंडेशन भारत में एकमात्र संगठन है जो सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर बांग्लादेश में सीमा पार अवैध पशु तस्करी को रोकने के लिए काम कर रहा है। बीएसएफ के अनुसार, ध्यान फाउंडेशन के कारण भारत-बांग्लादेश सीमा पर पशु तस्करी में भारी कमी आई है और बीएसएफ जवानों पर हमले भी बहुत कम हुए हैं। यह तस्करों और अवैध बूचड़खानों से बचाए गए 70,000 से अधिक गोवंश की देखभाल कर रहा है, जिन्हें 47 से अधिक गौशालाओं में पुनर्वासित किया गया है। यह दुनिया का एकमात्र संगठन है जो बचाए गए गोवंश की देखभाल कर रहा है, जिनमें से 90% नंदी और वृद्ध, अनुत्पादक गायें हैं – प्रत्येक को पुलिस और बीएसएफ के साथ समन्वित प्रयासों से बचाया गया है। झारखंड के चाकुलिया में उनकी गौशाला, जो 22,000 से अधिक गोवंश का घर है, पूर्वी भारत की सबसे बड़ी नंदीशाला है।

फाउंडेशन कुत्ते, बिल्ली, बैल, ऊंट, घोड़े, बकरी, भेड़, गधे, खरगोश, मोर और अन्य जानवरों की देखभाल करता है और किसी भी जानवर को कभी मना नहीं किया जाता है।

व्यापक सेवाएँ और सामुदायिक सशक्तिकरण

ध्यान फाउंडेशन मवेशियों के लिए प्लास्टिक हटाने की सर्जरी, कृत्रिम अंग प्रतिस्थापन और विशेष देखभाल के ज़रिए सभी जानवरों की तत्काल चिकित्सा ज़रूरतों को पूरा करता है। यह युवाओं में करुणा को बढ़ावा देने के लिए आरडब्ल्यूए, स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाता है। फाउंडेशन ने लातूर, दौसा, कोल्लेगल और अन्य जगहों पर प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित मवेशियों के लिए आपातकालीन राहत कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है – संसाधनों, परिवहन और आश्रय को तेज़ी से जुटाया है।

इसकी गौशालाएँ, जिनमें से कई ग्रामीण इलाकों में हैं, रोज़गार पैदा करके और जैविक खेती और मिट्टी के कायाकल्प को बढ़ावा देने के लिए गोबर (गाय का गोबर) वितरित करके 500 से अधिक गाँवों को सशक्त बनाती हैं। झारखंड के चाकुलिया क्षेत्र में, संतोली आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाया जाता है और उनके बच्चों को शिक्षा और पोषण कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है।

ध्यान फाउंडेशन हैदराबाद द्वारा अश्विनी गुरुजी की प्रेरणा से ध्यान फाउंडेशन गौशाला शमशाबाद तथा ध्यान फाउंडेशन श्याम बाबा नंदीशाला यादाद्रि के सहायतार्थ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन आगामी मंगलवार, दि. 01 से 7 जुलाई, 2025 तक अत्तापुर पिलर नं. 268 स्थित एसएनसी कन्वेंशन सेंटर में दोपहर 3:30 से शाम 7.00 बजे तक किया जा रहा है। गोवत्स परम पूज्य राधाकृष्णजी महाराज अपनी ओजस्वी वाणी में भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे। इसमें ज्यादा से ज्यादा सहभागी बनकर श्रीमद् भागवत कथा को सफल बनाने का आग्रह किया गया।

मान्यता और उपलब्धियाँ

ध्यान फाउंडेशन एक मान्यता प्राप्त पशु कल्याण संगठन है, जो भारत के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशु कल्याण बोर्ड के साथ पंजीकृत है। ध्यान फाउंडेशन गोवा पशु कल्याण बोर्ड, दिल्ली राज्य पशु कल्याण सलाहकार बोर्ड और दिल्ली के क्षेत्रों में गौशालाओं के निरीक्षण और पर्यवेक्षण के लिए गठित समिति के सदस्य भी हैं। जीवों के प्रति अपनी अटूट सेवा और समर्पण के लिए, ध्यान फाउंडेशन को एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया (एडब्ल्यूबीआई) द्वारा जीव दया पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एनिमल्स प्रोटेक्शन ऑर्गनाइजेशन द्वारा 2018 में सर्वश्रेष्ठ गोवंश आश्रय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2019 में ध्यान फाउंडेशन को आईसीएआर सेंट्रल कोस्टल एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट, इला, ओल्ड गोवा द्वारा स्थानीय मवेशियों के संरक्षण में योगदान के लिए नेतृत्व सम्मान से सम्मानित किया गया। नवंबर 2023 में शाकाहार और अहिंसा की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ एनजीओ के लिए 26वें महावीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

वैश्विक विस्तार और निरंतर प्रयास

ध्यान फाउंडेशन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहुँच बना रहा है। इनकी गौशालाएँ अब ऑस्ट्रेलिया और यूके में भी चालू हो गई हैं, और कई अन्य देशों में भी नई गौशालाएँ खोलने की योजना है, जिससे इनके मिशन का वैश्विक स्तर पर विस्तार हो रहा है।

ध्यान फाउंडेशन संपूर्ण भारत में काम करता है। ध्यान फाउंडेशन कुछ उपलब्धियों में अन्य पशु कल्याण संगठनों द्वारा अवैध वध से बचाए गए 70,000 से अधिक गौवंश के पुनर्वास में सहायता शामिल है। देश भर में 500 से अधिक फीडिंग पॉइंट, प्रतिदिन 10,000 से अधिक अन्य पशुओं का पोषण करना हमारी परियोजनाओं का एक अभिन्न अंग है। बचाए गए गौवंश को 40 स्थायी गौशालाओं और 5 पशु आश्रयों और अन्य संबद्ध गौशालाओं में सफलतापूर्वक पुनर्वासित किया गया है। उन्हें ध्यान फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित/रखरखाव दिया जा रहा है। ध्यान फाउंडेशन उत्तर प्रदेश सरकार की 4 और पंजाब सरकार की 3 गौशाला चला रही है।

ध्यान फाउंडेशन की हैदराबाद गौशाला (पेद्दाशापुर, गोलुर रोड, स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप) और श्याम बाबा नंदीशाला (चेलूर विलेज, यादगिरीगुट्टा मंदिर के पास) वर्तमान में अवैध कत्लखानों से बचाए गए 3500 से अधिक गौवंश की सेवा कर रही हैं। प्रति एकादशी गौशाला में सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्थि यज्ञ का आयोजन किया जाता है।

फाउंडेशन सभी जीवित प्राणियों के लिए एक दयालु और अधिक जागरूक दुनिया बनाने की दिशा में लगातार एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में आगे बढ़ रहा है।

सहयोग और दान

गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।

सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं:

Account Name: DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No.: 00812020002930
HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code: HDFC0000081
Call: 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.

CSR Regn. No. CSR00003498
FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code: SBIN0000691
SWIFT: SBININBB104

संपादकीय

अंतरिक्ष में भारत का 'लाल'

अंतरिक्ष में छलांग लगा कर एक और इतिहास रचा गया है। भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचे हैं। अलबत्ता तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टटोलने की एक अद्भुत और दुर्लभ यात्रा पर हैं। करीब 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा पाया है। भारत माता के ऐसे 'लाल' को बधाई और ढेरों शुभकामनाएं...। शुभांशु भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन हैं और लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह पायलट की भूमिका में हैं। आसमान में विचरण करना उनका पेशा है, लेकिन इस बार उन्होंने आईएसएस में 14 दिन बिताने का बीड़ा उठाया है। यह प्रथम अवसर है, जब भारत सरकार की कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर, तालियां बजा कर, शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा का स्वागत किया है, शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 140 करोड़ (असल आबादी 146 करोड़ से अधिक) भारतीयों की 'उम्मीद' करार दिया है। जब राकेश शर्मा अप्रैल, 1984 में अंतरिक्ष में गए थे, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा था-ऊपर से भारत कैसा दिखता है? राकेश का जवाब था-'सारे जहां से अच्छा...।' इस बार शुभांशु ने भारतीयों के नाम पहला ऑडियो संदेश भेजा-'क्या अद्भुत सफर है! हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत है। आप सभी इस सफर का हिस्सा बनें। आपका सीना भी गर्व से चौड़ा होना चाहिए।...जय हिन्द, जय भारत।' बेशक यह अभियान आईएसएस तक जाने की यात्रा भर नहीं है, बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाभ्यास है। भारत का 'गगनयान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेशन' बनाने की योजना पर कार्यरत है। 2040 तक चंद्रमा पर इनसान भेजने का लक्ष्य है। मानव अंतरिक्ष मिशन में शुभांशु की इस यात्रा का अनुभव महत्वपूर्ण रहेगा। चूंकि 2030 तक आईएसएस सेवानिवृत्त होना लगभग तय है, लिहाजा निजी कंपनियां अपने अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने में जुटी हैं। जिस 'एक्सिओम-4' के तहत शुभांशु का चार सदस्यीय मिशन भेजा गया है, वह भी निजी कंपनी का प्रयास है। हालांकि इसरो, नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकार दिया है। शुभांशु ने रूस में, इसरो और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में 'गगनयान' के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभांशु भारतीय हैं, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमरीका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमरीका की पैगी व्हिटसन अंतरिक्ष में 665 दिन गुजार चुकी हैं, लिहाजा उन्हें मिशन कमांडर बनाया गया है। यह मिशन आईएसएस में कुल 60 वैज्ञानिक प्रयोग करेगा। उनमें से 7 प्रयोग भारत के लिए किए जाएंगे। उन प्रयोगों में प्रमुख हैं-मांसपेशियों की हानि का अध्ययन, मूंग और मेथी जैसे भारतीय सुपर फूड को माइक्रोग्रैविटी में उगाने का प्रयोग, माइक्रोएल्गी (सूक्ष्म शैवाल) की तीन प्रजातियों की वृद्धि, चपाचय और आनुवंशिक गतिविधियों का अध्ययन, अंतरिक्ष में सूक्ष्मजीवी के व्यवहार और वृद्धि का अध्ययन, अंतरिक्ष में कम्प्यूटर स्क्रीन के उपयोग के शारीरिक और संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन और मानव कोशिकाओं की उम्र बढने की प्रक्रिया का अध्ययन। अंतरिक्ष यात्रा के मानव शरीर पर कई असर पड़ते हैं, क्योंकि वहां ग्रैविटी नहीं है। हृदय, पीठ के लिगामेंट्स, खड़े रहने या चलने में असमर्थता, हड्डियों और मांसपेशियों आदि पर प्रभाव पड़ते हैं, लिहाजा अंतरिक्ष में योग और व्यायाम अनिवार्य हैं। आईएसएस में ग्लूकोज और इंसुलिन पर भी विशेष अध्ययन किया जाएगा, जो भविष्य में मधुमेह के इलाज की दिशा बदल सकता है। बेशक शुभांशु मानवता के कल्याण की यात्रा पर हैं। वह और उनके साथियों का यह सफर सुखद रहे, ऐसी कामना है।

भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचे हैं। अलबत्ता तत्कालीन विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टटोलने की एक अद्भुत और दुर्लभ यात्रा पर हैं। करीब 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जा पाया है। भारत माता के ऐसे 'लाल' को बधाई और ढेरों शुभकामनाएं...। शुभांशु भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन हैं और लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह पायलट की भूमिका में हैं। आसमान में विचरण करना उनका पेशा है, लेकिन इस बार उन्होंने आईएसएस में 14 दिन बिताने का बीड़ा उठाया है।

कुछ अलग

नए जिक्र, पुरानी मिट्टी

बारिश अब घाव की तरह, तेरे आंगन तक एब की तरह। अभी बारिश खुद नहाई नहीं, फिर भी इस नुकसान की भरपाई नहीं। कुल्लू का दर्द समेटें या धर्मशाला की खड्ड से शव समेटें, इस कोहराम में कातिल हम ही हैं। हमारे सन्नाटे पुनः मानसून ने तोड़े, अब हमें मालूम हुआ कि गलतियां वही पुरानी रही हैं। विनाश के तहखाने में हमारे विकास की योजनाएं और हम इतरा रहे हैं कि चांद सितारे तोड़ लाएंगे। जिन्होंने कुल्लू में बहती हुई गाडियां देखीं, धर्मशाला में बहते हुए शव देखे, उनकी आंखों ने गवाही दी है कि कहीं पहाड़ का पहाड़ पर कत्ल हो रहा है। असंतुलित मौसम के किरदार को भले ही हम बादलों के फटने का कसूरवार ठहराएं, लेकिन जहां प्राकृतिक जल रिसाव के मार्ग पर बाधाएं उत्पन्न हो रहीं, वहां कुछ तो सोचना होगा। पिछले कुछ दशकों की प्रगति ने हमारे सोच को निर्माण सामग्री और हमारी प्रगति को प्रतिस्पर्धा बना दिया। कसूरवार हिमाचली विकास को बची जमीन है या तमाम बाधाओं के साथ सीना तानकर खड़े जंगल है। हमने जंगल में सिर्फ पर्यावरण के प्रतीक देखे हैं, लेकिन यह नहीं देखा कि इसने भूमि के अभाव में प्रदेश की मानसिकता बदल दी। लोगों ने अपनी मिलकीयत में फंसे खड्डों के मुहाने, सीधे पहाड़ के कारनामे और जल रिसाव के रास्ते बदल दिए। अपनी जमीन को जंगल में खो चुका हिमाचल किस तरफ पांव बढ़ाए। घर बनाना ही महंगा है इस कद्र कि अब बचाने की क्षमता नहीं रही। त्वरित निर्माण की विधियों ने इससे कहीं आगे निकलकर पहाड़ी वास्तुशैली के बजाय सिर्फ फटाफट निर्माण का कौशल सीख लिया।

विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इस नए तूफान से भी जूझने की तैयारी करनी चाहिए

इसराइल के प्रधानमंत्री के ओजस्वी भाषण के प्रेरक अंश

राकेश कुमार आर्य

इसराइल को 1948 में संयुक्त राष्ट्र ने जो भूभाग रहने के लिए दिया था, उसका 65% भाग रेगिस्तान था। उसे अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से इसराइलवासियों ने रेगिस्तान के बीच उसे हराभरा बनाने का कार्य करके दिखाया। मात्र 95 लाख की आबादी का यह देश संसार के लोगों को बता रहा है कि यदि जीने की इच्छा प्रबल है और संघर्ष करने की भावना आपके भीतर है तो आपके अस्तित्व को कोई मिटा नहीं सकता। बेंजामिन नेतन्याहू इस देश के प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अभी ईरान के साथ हुए इजरायल के संघर्ष में देश का बहुत ही साहस के साथ नेतृत्व किया है। इस समय बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देशवासियों को जिन ओजपूर्ण शब्दों में संबोधित किया है, वह किसी भी देश के लोगों के लिए बहुत प्रेरक हो सकते हैं।

इसराइल अपनी जिजीविषा के लिए जाना जाता है। इसने अपनी जीवंतता का एक इतिहास बनाया है। 1948 से पहले यहूदियों का कोई देश नहीं था। ये दर-दर की ठोकरें खा रहे थे और अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे थे। जब इस्लाम और ईसाइयत संसार के एकमात्र यहूदी देश को मिटाने पर सदियों से संघर्ष करती रही हो, तब अपने लिए एक स्थान निश्चित करवा लेना और उसे अपना देश बनाकर संसार के शक्तिशाली देश में उसकी गिनती करवाना इसराइल के द्वारा ही संभव है। इसराइल को 1948 में संयुक्त राष्ट्र ने जो भूभाग रहने के लिए दिया था, उसका 65% भाग रेगिस्तान था। उसे अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से इसराइलवासियों ने रेगिस्तान के बीच उसे हराभरा बनाने का कार्य करके दिखाया। मात्र 95 लाख की आबादी का यह देश संसार के लोगों को बता रहा है कि यदि जीने की इच्छा प्रबल है और संघर्ष करने की भावना आपके भीतर है तो आपके अस्तित्व को कोई मिटा नहीं सकता। बेंजामिन नेतन्याहू इस देश के प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अभी ईरान के साथ हुए इजरायल के संघर्ष में देश का बहुत ही साहस के साथ नेतृत्व किया है। इस समय बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देशवासियों को जिन ओजपूर्ण शब्दों में संबोधित किया है, वह किसी भी देश के लोगों के लिए बहुत प्रेरक हो सकते हैं। उन्होंने देश के लोगों को जिस प्रकार वीरता के भावों से भरने का प्रयास किया वह उनके देश के प्रेरक इतिहास का एक प्रेरक उद्बोधन भी कहा जा सकता है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि :- " 75 साल पहले हमें मरने के लिए यहां लाया गया था। हमारे पास न कोई देश था, न कोई सेना थी। सात देशों ने हमारे विरुद्ध जंग छेड़ दी। हम सिर्फ 65000 थें। हमें बचाने के लिए कोई नहीं था। हम पर हमलें होते रहे, होते रहे। लेबनान, सीरिया, इराक़, जॉर्डन, मिश्र, लीबिया, सऊदी, अरब जैसे कई देशों ने हमारे उपर कोई दया नहीं दिखाई। सभी लोग हमें मारना चाहते थे, किंतु हम बच गए।" इसराइल के प्रधानमंत्री ने अपने देश के लोगों को समझाया कि प्रत्येक पड़ोसी देश ने हमारे देश को समाप्त करने का हरसंभव प्रयास किया, परंतु हमने संघर्ष से मुंह नहीं फेरा और हम निरंतर अपने अस्तित्व के लिए लड़ते रहे। उन्होंने आगे कहा कि :- "संयुक्त राष्ट्र संघ ने हमें धरती दी, वह धरती जो 65 प्रतिशत रेगिस्तान थी। हमने उसको भी अपने खून से सींचा। हमने उसे ही अपना देश माना, क्योंकि हमारे लिए वही सब कुछ था। हम कुछ नहीं भूलें। हम फिर उन से बच गए। हम स्पेन से बच गए। हम हिटलर से बच गए। हम अरब से बच गए। हम सद्दाम हुसैन से बच गए। हम गद्दाफी से बच गए। हम हमास से भी बचेंगे, हम हिज्बुल्लाह से भी बचेंगे और हम ईरान से भी बचेंगे।"

प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देशवासियों को आशावादी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब पहले बड़े से बड़ा तूफान हमारे मनोबल को नहीं तोड़ सका तो इस बार का तूफान भी हमें मिटा नहीं पाएगा। हमें अपने इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और अपने पूर्वजों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इस नए तूफान से भी जूझने की तैयारी करनी चाहिए। अपनी मातृभूमि और धर्मस्थल जेरूसलम के प्रति अपने देश के लोगों को उत्प्रेरित करते हुए इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि :-

"हमारे जेरुसलम पर अब तक 52 बार आक्रमण किया गया, 23 बार घेरा गया, 39 बार तोड़ा गया, तीन बार बर्बाद किया गया, 44 बार कब्जा किया गया लेकिन हम अपने जेरुसलम को कभी नहीं भूले वह हमारे हृदय में है, वह हमारे मस्तिष्क में हैं और जब तक हम रहेंगे जेरुसलम हमारी आत्मा में रहेगा। संसार यें याद रखें कि जिन्होंने हमें बर्बाद करना चाहा वह आज स्वयं नहीं है। मिश्र, लेबनान, वेबीलोन, यूनान, सिकंदर, रोमन सब खत्म हो गयें है। हम फिर भी बचे रहे।" "हमें वे (इस्लाम) खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने हमारे रस्म रिवाज को कब्जाया। उन्होंने हमारे उपदेशों को कब्जाया। उन्होंने हमारी परंपरा को कब्जाया। उन्होंने हमारे पैगंबर को कब्जाया। कुछ समय पश्चात अब्राहम इब्राहिम कर दिया गया, सोलोमन, सुलेमान हो गया, डेविड, दाऊद बना दिया गया। मोजेज मूसा कर दिया गया। फिर एक दिन उन्होंने कहा – तुम्हारा पैगंबर (मुहम्मद) आ गया है। हमने इसे नहीं स्वीकार किया। करते भी कैसे? उनके आने का समय नहीं आया था। उन्होंने कहा स्वीकार करो, कबूल लो। हमने नहीं कबूला। फिर हमें मारा गया। हमारे शहर को कब्जाया गया। हमारे शहर यसरब को मदीना बना दिया गया। हम क़'त्ल हुए, भगा दिए गए।" इतिहास की दीर्घकालीन परंपरा को इसराइल के प्रधानमंत्री ने अपने देशवासियों के समक्ष इस प्रकार से खोल कर रख दिया कि उनके भीतर क्रांति के भाव मचलने लगे। वास्तव में इसी प्रकार के संबोधन देशवासियों को आपत्ति काल में एक सक्षम नेतृत्व प्रदान करने में सफल होते हैं। बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने आप को सिद्ध किया कि वह आपातकाल में देश का नेतृत्व करने में पूर्णतया सक्षम हैं। " मक्का के काबा में हम दो लाख थे, मार दिए गए। हमें दुश्मन बता कर क़'त्ल किया गया। फिर सीरिया में, ओमान में यही हुआ। हम तीन लाख थे मा'र दिए गए इराक़ में हम दो लाख थे, तुर्की में चार लाख हमें मा'रा जाता रहा, मारा जाता रहा। वे हमें मार रहे हैं, मारते जा रहें हैं। हमारे शहर, धन, दौलत, घर, पशु, मान सम्मान सब कुछ कब्जाये.जाते रहे, फिर भी हम बचे रहे। 1300 सालों में करोड़ों यहूदियों को मारा गया, फिर भी हम बचे रहे। 75 साल पहले वे हम पर थूकते थे, ज़लील करतें थे, मारते थे। हमारी नियति यही थी किंतु हम स्वयं पर, अपने नेतृत्व पर, अपने विश्वास पर टिके रहे हैं।" इसराइल के प्रधानमंत्री ने यहां न केवल अपने देशवासियों के निरंतर होने वाले उत्पीड़न और उनकी हत्याओं के न रुकने वाले क्रम की ओर संकेत किया है बल्कि देश से बाहर भी संसार के अन्य देशों में जहां-जहां यहूदी रहते हैं, उन पर होने वाले अत्याचारों को भी स्पष्ट किया है। जब संसार की बड़ी आबादी यहूदियों की मुट्ठी भर आबादी को समाप्त करने पर तुली हो, तब मरने और मारने का ही एकमात्र रास्ता रह जाता है। इसी ओर इसराइल के प्रधानमंत्री अपने मजहबी भाइयों को प्रेरित कर रहे हैं। "आज हमारे पास एक अपना देश है। एक स्वयं की सेना है, एक छोटी अर्थ व्यवस्था है। इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, फेसबुक जैसी कई संस्थाएं हमने इस दौर में बनाई। आज हमारे चिकित्सक दवा बना रहे हैं, लेखक किताबें लिख रहें हैं। ये सबके लिए है, यह मानवता के कल्याण के लिए है। हमने रेगिस्तान को हरियाली में बदला, हमारे फल, दवाएं, उपकरण, उपग्रह सभी के लिए है। हम किसी के दु'श्मन नहीं है, हमने किसी को खत्म करने की क़सम नहीं खाई है। हमें किसी को बर्बाद नहीं करना, हम साजिश भी नहीं करते, हम जीना चाहते हैं सिर्फ सम्मान से, अपने देश में, अपनी जमीन पर, अपने घर में।" अपने उज्जवल भविष्य की ओर संकेत करते हुए उन्होंने अपने देशवासियों का आवाहन किया कि " पिछले हजार सालों से हमें मिटाया गया, खदेड़ा गया, कब्जाया जाता रहा, हम मिटे नहीं, हारे नहीं और न आगे कभी हारेंगे। हम जीतेंगे, हम जीत कर रहेंगे। हम 3000 सालों से यरुसलम में ही थे। आज़ हम अपने पहले देश इजरायल में है। यह हमारा ही था, हमारा ही है और हमारा ही रहेगा। यरुसलम हमसे है और हम यरुसलम से है।" पता नहीं हम हिंदुओं को अपने अस्तित्व को बचाए रखने की बुद्धि कब आएगी।

देश दुनिया से

उर्वरक नीति में बदलाव अब समय की मांग

हरित क्रांति दौर में अपनाए गए कृषि सुधारों से देश में विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में कई गुणा बढ़ोतरी हुई। जिसकी बदौलत पिछले 5 दशकों से, लगातार बढ़ती आबादी के बावजूद, देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना हुआ है। चावल का पचास हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वार्षिक निर्यात भी कर रहा है। भारत में वर्ष 2022 में उर्वरक की औसत खपत 193 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि थी और लगभग 30 करोड़ मीट्रिक टन उर्वरक की खपत हुई। भारत में यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उर्वरक है। देश में उर्वरक की खपत प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। उर्वरकों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार भारी मात्रा मे वार्षिक आयात करती है। हरियाणा-पंजाब-पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों में गेहूं-धान फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन वार्षिक से ज्यादा है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल आदि प्रदेशों में भी वार्षिक धान की 2-3 फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन से ज्यादा है। इसलिए इन प्रदेशों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से दुगने से भी ज्यादा प्रति हेक्टेयर 250 किलो नाइट्रोजन, 120 किलो फास्फोरस और 200 किलो पोटेशियम के आसपास है। जबकि वर्षा आधारित बारानी फसलों बाजरा, ज्वार, दलहन, तिलहन आदि के उत्पादक राज्यों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहती है। उच्च उत्पादकता वाली कन्दमूल और गन्ने जैसी फसलों को अच्छी पैदावार देने के लिए ज्यादा पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिससे इन फसलों की रासायनिक उर्वरक की खपत बहुत ज्यादा होती है। हरित क्रांति दौर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, नीतिकारों ने कृषि क्षेत्र के लिए रासायनिक उर्वरक की सस्ती

दर पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक सब्सिडी नीति को अपनाया। किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर सरकार का व्यय पिछले वित्त वर्ष में 6 प्रतिशत घटकर रुपये 1,77,129.5 करोड़ रह गया, जो 2023-24 के दौरान रुपये 1,88,291.62 करोड़ था। यह गिरावट मुख्य रूप से यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के आयात में गिरावट तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी के कारण हुई है। गिरावट के बावजूद, वास्तविक सब्सिडी बजट में प्रदान की गई रुपये 1,71,310 करोड़ से 3.4 प्रतिशत अधिक है। यूरिया, जो एक पूर्णतः नियंत्रित उर्वरक है, का विक्रय मूल्य पिछले कई वर्षों से 267 रुपये प्रति (45 किग्रा) बैग पर बना हुआ है। उद्योग के अनुमानों से पता चलता है कि सब्सिडी के बिना यह लगभग 1,750 रुपये प्रति बैग हो सकता है। इसी प्रकार, डीएपी का खुदरा मूल्य 1,350 रुपये प्रति बैग तय किया गया है, जो बिना सब्सिडी के लगभग 3,500 रुपये प्रति बैग हो जाएगा। सरकारी विभागों के कदाचार की वजह से लगभग आधे से ज्यादा सब्सिडी वाले कृषि ग्रेड उर्वरक की खपत उद्योगपतियों की फैक्टरियों में गैर-कानूनी तौर पर हो रही है यानी कृषि के लिए दी जा रही केन्द्रीय उर्वरक सब्सिडी का लाभ किसानों को नहीं मिलकर, उद्योगपतियों को मिल रहा है। हर वर्ष फसल बुआई के समय किसानों को उर्वरक पूरी मात्रा में नहीं मिल पा रहा है। उन्हें उर्वरक खुले बाजार से महंगे दाम पर ब्लैक में लेना पड़ रहा है। किसानों को समय पर पूरी मात्रा में उर्वरक नहीं मिल पाने से, फसल की उत्पादकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। कृषि ग्रेड उर्वरक किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरक नहीं मिलने के चलते सरकार द्वारा नियंत्रित सहकारी उर्वरक कम्पनी इफ्को किसानों को वर्ष 2021 से नैनो यूरिया बेच रही है। इफ्को कम्पनी के दावों के अनुसार नैनो यूरिया तरल स्वरूप में, पारंपरिक दानेदार यूरिया की 50 किलो की एक बोरी का विकल्प है। हरित क्रांति दौर से अग्रणी रहे पंजाब कृषि विश्वविद्यालय आदि अनेक संस्थानों के अनुसंधान में नैनो यूरिया को कृषि क्षेत्र के लिए अनुपयोगी पाया गया है। कृषि ग्रेड उर्वरक के उद्योग में गैर-कानूनी दुरुपयोग को रोकने और उर्वरक सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाकर किसानों तक पहुंचाने के लिए सरकार पिछले कई वर्षों से प्रयासरत है। कृषि सुधारों में सबसे ज्यादा तर्कसंगत उपाय उर्वरक सब्सिडी का किसानों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण रहेगा। उर्वरक सब्सिडी के मौजूदा सरकारी आंकड़ों के हिसाब से प्रति एकड़ सिंचित भूमि के लिए 7,000 रुपये और वर्षा आधारित बारानी भूमि के लिए 4,000 रुपये दिये जाने चाहिए। कृषि मंत्रालय ने पहले ही पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं के आंकड़े तथा प्रत्येक किसान को नवीनतम विशिष्ट आईडी, जिसमें भूमि जोत, बोई गई फसल और उपज जैसे विवरण शामिल हैं, उर्वरक मंत्रालय के साथ साझा कर दिया है। उर्वरक सब्सिडी का प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के रूप में किये जाने का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे, जिससे योजनाओं की प्रभावशीलता में सुधार होता है। इसका मुख्य लक्ष्य पारदर्शिता बढ़ाना है।

आप का नजरिया

महिला अत्याचार और सरकारी रवैया

महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचारों को लेकर सरकार अत्यंत चिंतित थी। मुझे देखा नहीं गया। मैंने सरकार के पास जाकर पूछा- 'क्यों, क्या बात है सरकार। यह उखड़े-उखड़े से हालात क्यों हैं?' सरकार बोली-'शर्मा, महिला अत्याचार दिनों-दिन बढ़ रहे हैं। 'ज्यों-ज्यों मर्ज की दवा की, दर्द बढ़ता ही गया' वाली बात चरितार्थ हो रही है। तुम्हीं बताओ न, क्या करें। तुम तो बुद्धिजीवी हो।' मैंने कहा- 'वह सब तो ठीक है, लेकिन आप आश्वासन तो देते हो, लेकिन व्यावहारिक कदम उठाने से हिचकिचाते हैं। दीजिये न, अपराधियों को कड़े से कड़ा दंड। महिला अत्याचार घट जाएंगे। इधर लोग दुष्कर्म पर फांसी की मांग कर रहे हैं, तो आप डरते क्यों हैं?' सरकार बोली-'वह क्या था शर्मा, सरकार और राजनीति में अपराधियों की भरमार है। वस्तुस्थिति यह है कि हम गुंडे, लुच्चे और लफंगों के बूते पर ही चुनाव जीतकर आते हैं। यदि हमने उन्हें फांसी का फंदा दिखा दिया तो हमारे लिए काम कौन करेगा? भलामानुस तो हमारे साथ लगता नहीं। वे ही साम, दाम, दंड और भेद से हमें वोट और सपोर्ट जुटाते हैं। ऐसे में फांसी से तो बात बनने वाली है नहीं। हम राजनेताओं को तो सरकारी योजनाओं से माल सूंतने से ही फुर्सत नहीं है।' मैंने कहा-'तो फिर आपके ललाट पर चिंता की रेखाएं क्यों हैं? जो भौंक रहे हैं, उन्हें भौंकने दो। दोनों हाथों में लड्डू नहीं रखे जा सकते।' सरकार बोली-'जनमत बिगड़ रहा है। रहा-सहा विश्वास भी हमारे ऊपर से मिट रहा है। ऐसे में हम जनभावनाओं को भी सिरे से नहीं नकार सकते। अगले चुनाव में इस तरह तो हम हार जाएंगे। कोई ऐसा उपाय बताओ जिससे लाठी भी नहीं टूटे और सांप भी मर जाए।' मैं बोला -'सांप मारने में तो लाठी टूटेगी ही टूटेगी। कोरा दिखावा महिला अत्याचारों को लेकर अब चल नहीं सकेगा। जनचेतना के इस माहौल में कोई तो ठोस कदम उठाना ही होगा। मसलन आजीवन कारावास की व्यवस्था कर दो। इससे भी आमजन बहल सकता है।' 'वह तो ठीक है, लेकिन सहयोगी घटक दल इस पर भी सहमत नहीं हैं। विरोधी अलग टांग खींचने में लगे हैं। इस तरह महिला उत्पीडऩ के बढ़ते मामलों पर हम असहाय सा महसूस कर रहे हैं।' सरकार ने कहा तो मैं बोला-'आप अपनी घटिया हरकतों से बाज नहीं आएंगे। अपराधियों से साठ-गांठ रखेंगे। योजनाओं को लूटेंगे तो सरकार तो गिरेगी ही गिरेगी। आपका दल इस हालत में तो पुनः सत्तासीन नहीं हो सकता। इसलिए हिम्मत जुटाकर कोई हैरतअंगेज कारनामा कर ही दो।' इस बार सरकार ने कहा -'बात तो सही है। जनता तो काम चाहती है। हम राजनेताओं ने राजनीति को मिशन की एवज धंधा बना दिया है। अकेले अन्ना ने ईमानदारी के बल पर सरकार को एक बार तो हिलाकर जनमत को अपने पक्ष में कर ही लिया था, तो क्या हम ऐसा नहीं कर सकते?' मैंने कहा-'यही तो मैं कह रहा हूं, एक बार कठोर कदम उठाकर चमत्कार दिखा दो, भले बाद में करने के नाम पर मनचाहा करना। कड़ी से कड़ी सजा ही महिला अत्याचारों के खिलाफ भडक़े आंदोलन की आग को ठंडा कर सकती है। इसलिए दिखावे को ही सही, कोई व्यवस्था तो करो।' सरकार ने कहा-'यह ठीक कहा तुमने शर्मा। हम कानून की प्रक्रिया तो शुरू करते हैं, तब तक चुनाव आ जाएंगे। जनता को लगेगा, हम कुछ कर रहे हैं और उधर असामाजिक तत्व भी हमारे साथ रहेंगे और चुनाव की वैतरणी इस तरह पार कर लेंगे। फिर पांच वर्ष तक यह मुद्दा पहले की भांति लटका देंगे।' 'तो फिर हाथ मिलाओ, इतना बढिया रास्ता सुझाने का। मैं तो ठहरा आपका दलाल। मेरी मु_ी भी गर्म कर दो। इस तरह हम सब मिलकर 'लोकतंत्र-लोकतंत्र' भी खेलते रहेंगे तथा तानाशाही भी करते रहेंगे।'

मैंने सरकार के पास जाकर पूछा- 'क्यों, क्या बात है सरकार। यह उखड़े-उखड़े से हालात क्यों हैं?' सरकार बोली-'शर्मा, महिला अत्याचार दिनों-दिन बढ़ रहे हैं। 'ज्यों-ज्यों मर्ज की दवा की, दर्द बढ़ता ही गया' वाली बात चरितार्थ हो रही है। तुम्हीं बताओ न, क्या करें। तुम तो बुद्धिजीवी हो।'

दृष्टि कोण

आपातकाल में कांग्रेस का तानाशाही चेहरा

पंडित जवाहर लाल नेहरु अंग्रेजों के जाने के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। यह पद उन्हें बहुत ही समझौतों के बाद मिला था। पहला समझौता तो लार्ड माऊंटबेटन की शर्तों को स्वीकार करना था। लार्ड माऊंटबेटन उन दिनों दिल्ली में ब्रिटेन के प्रतिनिधि थे। उनके एजेंडे में हिंदुस्तान को तोडऩा था और उसके लिए कांग्रेस को सहमत करना था। नेहरु के नेतृत्व में कांग्रेस ने जून 1947 में पाकिस्तान बनाने की मांग बाकायदा प्रस्ताव पारित करके स्वीकार कर ली। लेकिन उसके बाद भी नेहरु के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ नहीं हुआ था। कांग्रेस की विभिन्न प्रदेश समितियों को प्रधानमंत्री का निर्णय करना था। निर्णय गुजरात के सरदार पटेल के पक्ष में चला गया। तब नेहरु ने महात्मा गांधी को अपनी सहायता के लिए मैदान में उतारा। पंडित नेहरु, महात्मा गान्धी की न जाने क्यों कमजोरी बने हुए थे। महात्मा गान्धी ने इसके लिए जयप्रकाश नारायण की सहायता ली। उन्होंने जयप्रकाश नारायण को अपना सन्देशवाहक बना कर सरदार पटेल के पास यह सन्देश देकर भेजा कि वे स्वयं ही प्रधानमंत्री बनने की दौड़ से बाहर हो जाएं। पटेल गान्धी के निष्ठावान शिष्य थे। वे पीछे हटे तो नेहरु प्रधानमंत्री बने। उसके बाद उन्होंने कुछ साल बाद ही अपनी बेटी इन्दिरा गान्धी को ही कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बना कर सारी सत्ता घर में ही सीमित कर ली। इसने मनोवैज्ञानिक रूप से कांग्रेस के लोगों में नेहरु परिवार के प्रति मानसिक गुलामी का भाव पैदा किया और पार्टी आज तक उसी का शिकार है। यही कारण है कि नेहरु की मौत के बाद (यदि लाल बहादुर शास्त्री के लघु काल को निकाल दिया जाए), उनकी बेटी इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बन गईं। 1975 तक आते-आते इन्दिरा गान्धी को प्रधानमंत्री बने हुए लगभग दस साल हो गए

थे। लेकिन इसी बीच इन्दिरा गान्धी के परिवार में उनके बेटे संजय गान्धी भी भारतीय राजनीति में धूमकेतु की तरह प्रकट होने लगे थे। भ्रष्टाचार को कांग्रेस ने शायद अपने नीति पत्र में दाखिल कर लिया था। देश में एक नई बेचैनी सर्वत्र देखी जा रही थी। लेकिन विश्वसनीय नेतृत्व नहीं मिल रहा था। इसे संयोग ही कहना चाहिए कि नेहरु को प्रधानमंत्री बनाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले जय प्रकाश नारायण जीवित थे और पटना में गुमनाम जिंदगी जी रहे थे। इतिहास का एक चक्र पूरा हो गया था। इतिहास के इसी मोड़ पर शायद जय प्रकाश नारायण ने प्रायश्चित करने का निर्णय कर लिया था। नेहरु को प्रधानमंत्री बनाने में अपनी भूमिका का प्रायश्चित करने का निर्णय, सरदार पटेल को प्रधानमंत्री न बनने देने के षड्यन्त्र में अपनी भूमिका का प्रायश्चित करने का निर्णय। वे देश में इंदिरा की ओर से थोपी गई तानाशाही के खिलाफ चल रहे आन्दोलन का नेतृत्व करने के लिए अपने निवास से बाहर निकल आए। तब धर्मवीर भारती ने लिखा था, 'एक बूढ़ा सच बोलता हुआ सडक़ों पर निकल आया है।' इस बूढ़े के निकल आने से मानो पूरे देश में एक चिंगारी फैल गई हो। इस बूढ़े के पीछे सारा देश निकल पड़ा। अंग्रेजों के चले जाने के बाद यह तानाशाही के खिलाफ पहली लड़ाई थी। इसकी बहुत जरूरत थी। यदि अभी से तानाशाही की जड़ों को नष्ट नहीं किया जाता तो ये जडें. सहस्राब्दियों पुराने भारतीय लोकतन्त्र के रस को सोख सकती थीं। इन्हीं दिनों एक ऐसी घटना हुई जिसने इंदिरा गान्धी को अपने असली रूप में प्रकट होने के लिए विवश कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गान्धी की संसद सदस्यता को ही समाप्त कर दिया। कोर्ट का कहना था कि उन्होंने चुनाव जीतने के लिए भ्रष्ट साधनों का सहारा लिया था। अब इंदिरा गान्धी के पास प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के अतिरिक्त कोई रास्ता नहीं था। लेकिन उसने इस रास्ते पर चलने की बजाय तानाशाही का रास्ता चुना। अब इंदिरा गान्धी और उनका बेटा संजय गान्धी अपने असली रूप में प्रकट हुए। इंदिरा गान्धी ने देश में आपात स्थिति लागू कर दी। संविधान को स्थगित कर दिया। सभी विपक्षी नेताओं को बन्दी बना लिया गया। जय प्रकाश नारायण को तो किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह भी चर्चा थी कि उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आपको प्यार में गम का सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेंगी। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें और परेशानियों का सामना होठों पर मुस्कुराहट के साथ करें। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़-सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग टैक्स चोरी करते हैं आज वो बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं। घर का कुछ समय से टलता आ रहा काम-काज आपका थोड़ा वक़्त ले सकता है। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। घर में हवन का आयोजन नयी लेकर आएगा।

कर्क – ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। प्रेम के नज़रिए से आज का दिन आपके लिए ख़ुशियों से भरा रहेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। वक़्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी सेहत का ख़याल करें। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जीवन-साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। ज़मीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीज़ों में निवेश करने से बचें। किसी बुजुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में ख़राबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

किसी भी तरह के द्वन्द्व या विरोध से बचें, क्योंकि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर होगा। आज आपको भूमि, रियल-एस्टेट परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। किसी बात पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी ख़ास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रिय आपसे वादे की मांग करेगा, लेकिन ऐसा वादा न करें जिसे आप पूरा न कर सकें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने हमदम के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। घर में पड़ी कोई पुरानी वस्तु आज आपको मिल सकती है जिससे आपको अपने बचपन के दिनों की याद सता सकती है और आप उदासी के साथ अपने दिन का काफी समय अकेले बिता सकते हैं। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज़्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भागीदार हों– और अगर ज़रूरत पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी हैं। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ूबसूरतियों को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच करने में मदद करें। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। बोलते समय और वित्तीय लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज़्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज़ से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 09:26 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 07:21 तक
योग : सिद्धि सायं 05:20 तक
करण : बालव प्रातः 09:26 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- स्कन्द षष्ठी , सांई टेंऊ राम जयंती ,
गण्डमूल प्रातः 07:21 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण वैद्य अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय दिलाकर

अधिवक्ता राष्ट्र निर्माण में देते हैं अहम योगदान : भजनलाल

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता हमारी न्याय प्रणाली का अभिन्न अंग है। उनकी सेवा और समर्पण ने भारतीय न्याय व्यवस्था को नये आयाम प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि समाज के पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय दिलाकर अधिवक्ता राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं।

शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान बार काउंसिल कार्यकारिणी के सदस्यों ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री का राज्य बजट 2024-25 में राजस्थान बार काउंसिल के लिए एक बारीय सहायता के रूप में 7.50 करोड़ रूपये का प्रावधान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान प्रदेश में न्यायपालिका के और अधिक सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न विधिक मुद्दों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ राजस्थान कानूनी सुधारों को क्रियान्वित करने, विधि शिक्षा और विधिक सहायता जैसे अन्य महत्वपूर्ण सराहनीय कार्य कर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में बड़ा योगदान दे रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अदालतों में चरणबद्ध रूप से सुविधाओं का विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों के माध्यम से देश और समाज को एक नई दिशा दी है। इन अभियानों के व्यापक और सकारात्मक परिणाम हम सब देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अधिवक्ता भी समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं को अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकालकर सामाजिक सरोकारों से जुड़ना चाहिए।

सतत् विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए होगी कोर्डिनेशन एंड एक्सीलरेशन सेंटर की स्थापना : भजनलाल

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सांख्यिकी वो क्षेत्र है जिसके माध्यम से सरकार जनता की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं की पूर्ति कर सकती है। जब आंकड़े सटीक होते हैं, तभी हम निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में प्रगति का निष्पक्ष मूल्यांकन कर सकते हैं और सुधार के लिए समय रहते कदम उठा सकते हैं। उन्होंने आंकड़ों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं उपयोगिता को और अधिक सशक्त बनाते हुए विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के संकल्प की सिद्धि का आह्वान किया।

शर्मा रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जंयती के अवसर पर आयोजित 19वें राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महालनोबिस का स्मरण करते हुए कहा कि वे भारतीय सांख्यिकी प्रणाली के मुख्य शिल्पी और सांख्यिकी विज्ञान के जनक थे। देश में सांख्यिकी प्रणाली को सुदृढ़ करने और नीति निर्माण को वैज्ञानिक तथ्यों एवं आंकड़ों पर आधारित बनाने का उनका योगदान हमेशा याद रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 19वां सांख्यिकी दिवस 'नेशनल सैंपल सर्वे के 75 साल' थीम पर मनाया जा रहा है जिसके निष्कर्षों एवं तथ्यों ने देश में नीतियों एवं कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

प्रधानमंत्री हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए करते हैं प्रेरित

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 123वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में हाल ही में भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर पहुंचने की उपलब्धि की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने एक नया इतिहास रचा है। मोदी ने शुभांशु शुक्ला के साथ अपनी बातचीत का भी जिक्र किया। मोदी ने गत 21 जून को 'एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य' थीम पर आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर तीन लाख लोगों द्वारा एक साथ योग किया गया। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के बड़े शहरों में आयोजित शिविरों में योग के माध्यम से शांति, स्थिरता और संतुलन की झलक दिखाई दी। प्रधानमंत्री ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा और उड़ीसा में आयोजित भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा के बारे में बात करते हुए कहा कि ये यात्राएं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव का प्रतिबिंब है।

जेएमए 1 जुलाई को मनाएगी डॉक्टर्स डे

सीएम भजनलाल करेंगे उत्कृष्ट चिकित्सकों का सम्मान

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मेडिकल एसोसिएशन (जेएमए) द्वारा 1 जुलाई, 2025 को डॉक्टर डे (चिकित्सक दिवस समारोह) का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पीड़ित मानवता की सेवा करने वाले पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं महान चिकित्सक डॉ. बी. सी. राय के जन्म और निर्वाण दिवस पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना है। साथ ही, उनके पदचिन्हों पर चलते हुए चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित करना भी इस समारोह का प्रमुख लक्ष्य है। जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश मोदी ने बताया कि 'डॉक्टर डे (चिकित्सक दिवस समारोह)' कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर विशिष्ट अतिथि होंगे, जबकि सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. दीपक माहेश्वरी विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जेएमए के सचिव डॉ. अनुराग तोमर ने जानकारी दी कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रमुख चिकित्सा शिक्षाविदों सहित सैकड़ों गणमान्य चिकित्सक शिरकत करेंगे, जो चिकित्सा समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण जुटान होगा।

जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि चिकित्सक दिवस समारोह का आयोजन सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित एकेडमिक सभागार में सायं 7 बजे से किया जाएगा। जेएमए के अध्यक्ष डॉ. जगदीश मोदी ने यह भी बताया कि 'डॉक्टर डे' के अवसर पर चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट और उल्लेखनीय सेवा करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया जाएगा।

भारत-पाक सीमा के पास मिला युवक और नाबालिग का शव

पाकिस्तानी आईडी और सिम कार्ड बरामद

जैसलमेर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक युवक और नाबालिग लड़की का शव मिला है। जिले के एसपी ने इसकी पुष्टि की है। मौके से एक पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड भी बरामद किया गया है। दरअसल, ये दोनों शव जैसलमेर जिले के साधेवाला क्षेत्र में स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मिले हैं। मृतकों में एक 18 वर्षीय युवक और एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की शामिल हैं। शवों की हालत से अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों की मौत करीब सात दिन पहले हुई होगी। शव भारत-पाक तारबंदी से 10-12 किलोमीटर भीतर भारतीय क्षेत्र में पाए गए हैं। घटनास्थल पर एक पाकिस्तानी सिम कार्ड और एक आईडी कार्ड मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। आईडी कार्ड के अनुसार, युवक का नाम रवि कुमार (उम्र 18 वर्ष) है।भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो शव मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गईं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बीएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रख दिया।

बैरवा निर्विरोध चुने गए मंत्रालयिक अधिकारी कर्मचारी संघ दौसा के जिलाध्यक्ष

दौसा, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान मंत्रालयिक अधिकारी कर्मचारी संघ की मीटिंग सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय में हुई, जिसमें समस्त मंत्रालयिक अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सर्वसम्मति से दीपक कुमार बैरवा वरिष्ठ सहायक को जिलाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

इस दौरान संघ के जयपुर अध्यक्ष नवल किशोर सैनी, गिरिराज प्रसाद शर्मा, अंबालाल मीणा, योगेश गोस्वामी द्वारा नव निर्वाचित अध्यक्ष को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष दीपक कुमार बैरवा ने उपाध्यक्ष विष्णु कुमार शर्मा, महामंत्री अजय पहाड़िया, कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा, संरक्षक भरत लाल सैनी, मीडिया प्रभारी चंद्र प्रकाश मीणा एवं सलाहकार समुद्र सिंह गुर्जर को नियुक्त किया।

हरियाणा में बारिश का कहर, एक की मौत, कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। एक तरफ खेत बारिश की उम्मीद कर रहे थे, वहीं जब बादल बरसे तो कई इलाकों में राहत की जगह मातम छा गया। हरियाणा में मौसम के साथ जिंदगी की रफ्तार भी बदली। कहीं तबाही का कहर बरपा तो कहीं राहत भरी ठंड की फुहारें बरसीं। हरियाणा के कई इलाकों के लिए शनिवार की रात और रविवार की सुबह यादगार बीती। लेकिन सबसे बुरी बात यह रही कि कुछ जगहों पर बारिश ने राहत ही नहीं बल्कि तकलीफ भी दी।

रविवार सुबह कुरुक्षेत्र के शाहाबाद कस्बे से बेहद दुखद खबर आई। लगातार हो रही बारिश से एक मकान की छत गिर गई। पति मिया राम बुरी तरह घायल हो गए, वहीं छत के नीचे सो रही महिला की अपने ही घर में मौत हो गई। एक ऐसी तबाही जो सोचने पर मजबूर करती है: क्या यह सिर्फ बारिश थी या इसमें सिस्टम की लापरवाही भी शामिल थी? रविवार को राज्य के ग्यारह क्षेत्रों गुरुग्राम, हिसार, पानीपत, सोनीपत, नूंह, करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, झज्जर, रेवाड़ी और यमुनानगर में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने अन्य क्षेत्रों में भी अलर्ट जारी किया है। इसलिए फिलहाल रेनकोट और छाता साथ रखना समझदारी होगी। सोमवार (30 जून) हल्की बारिश (25-50%) रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, पलवल, नूंह, सिरसा मध्यम बारिश (50-75%)- हिसार, भिवानी, रोहतक, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद 75-100% भारी बारिश: कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकूला, अंबाला मंगलवार 1 जुलाई सिरसा, फतेहाबाद, महेंद्रगढ़ में हल्की बारिश मध्यम बारिश अंबाला, रोहतक, फरीदाबाद, पलवल सोनीपत, पानीपत, झज्जर: भारी बारिश मतलब साफ है: हरियाणा में अभी सूरज छिपा रहेगा और बादलों का बोलबाला रहेगा। बारिश की वजह से पूरे प्रदेश में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को औसत 1.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान अभी सामान्य से तीन डिग्री कम है। लेकिन सिरसा अभी भी गर्मी में सबसे आगे है, सूरज अभी भी बादलों के साथ लुका-छिपी खेल रहा है।कुरुक्षेत्र की घटना पहली नहीं है। हर साल बारिश के साथ कुछ घर गिरते हैं, कुछ सपने टूटते हैं, कुछ जानें जाती हैं। मुख्य सवाल यह है कि क्या हम अब भी इंतज़ार करेंगे। क्या हम बारिश से पहले कमज़ोर घरों, पुरानी छतों और जीर्ण-शीर्ण समुदायों की जाँच करके तैयारी करेंगे? बारिश सिर्फ़ मौसम की नहीं बल्कि हमारी योजना, व्यवस्था और सोच की परीक्षा है।

भाजपा सरकार में किसानों के साथ बड़ा धोखा : सैलजा

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी, सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में किसानों को खाद की किल्लत से जूझने पर भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। सांसद ने कहा कि नायब सैनी के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार और केंद्र में बैठी भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानों को केवल धोखा दिया है। ना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर पूरी खरीदी हो रही है और ना ही खरीफ फसल की बुवाई के लिए आवश्यक खाद का इंतजाम किया गया है। भाजपा ने सदैव किसानों को आश्वासन देकर गुमराह किया है।

मीडिया को जारी एक बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की लापरवाही और नीति विफलता के कारण प्रदेश के किसानों को डीएपी और यूरिया जैसे आवश्यक खाद की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। कई जिलों में हालात ऐसे हैं कि किसान खाद पाने के लिए लाइन में खड़े हैं, लेकिन स्टॉक उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर, जो खाद उपलब्ध है, उसमें भी कालाबाजारी और बिचौलियों की मनमानी देखी जा रही है। उन्होंने कहा, केंद्र से हरियाणा को खरीफ फसलों के लिए जितना खाद मिलना चाहिए था, उसका आधा स्टॉक भी राज्य को नहीं मिल पाया है। किसानों को खाद के नाम पर गैरजरूरी सामान जबरन खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो अत्यंत शर्मनाक है।

प्रधानमंत्री द्वारा देशहित में नागरिकों के अनुभवों को साझा करने से अन्य लोगों को मिलती है प्रेरणा : सैनी

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आज गुरुग्राम में सामूहिक श्रवण आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक, उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने बादशाहपुर विधानसभा के बूथ संख्या 4 में स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर में स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना और उस पर संवाद किया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में अपनी स्वयं की मेहनत से देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को सांझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम से एक बड़ा लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी व आमजन को मिलता है।

कार्यक्रम के उपरांत भाजपा नेताओं द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभान्वित पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड लाभ पत्र भी वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करना है। गुरुग्राम में आयोजित यह कार्यक्रम जनसंपर्क और जनविश्वास को और अधिक सुदृढ़ करने वाला रहा, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ वाटिका चौक के नजदीक वन विभाग द्वारा बादशाहपुर ड्रेन के ऊपर विकसित किए गए फॉरेस्ट कॉरिडोर पर पौधारोपण कर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें।

आपातकाल लोकतंत्र पर धब्बा था, महिलाओं ने निभाई प्रहरी की भूमिका: सैनी

गुरुग्राम, 29 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को गुरुग्राम में आयोजित महिला मॉक संसद में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन आपातकाल के 50 साल पूरे होने के अवसर पर किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल देश के लिए काला दिन था। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आपातकाल के दौरान महिलाओं ने लोकतंत्र प्रहरी की भूमिका निभाई और अत्याचारों का डटकर सामना किया। महिलाओं ने राष्ट्रहित में जो योगदान दिया वह कभी भुलाया नहीं जा सकता।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया और लोकतंत्र की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा भी विकसित भारत के सपने को साकार करने में अपना अतुलनीय योगदान निभा रहा है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, आपातकाल का दौर हमारे इतिहास का एक काला अध्याय है। भीमराव अंबेडकर और संविधान समिति की ओर से देश को संविधान दिया गया। आजादी के बाद से देश संविधान के अनुरूप चल रहा था। 25 जून 1975 के दिन देश में भूचाल नहीं आया था और युद्ध जैसी कोई स्थिति भी नहीं थी, लेकिन अपनी राजनीतिक इच्छा पूरी करने और सत्ता की लालच में संविधान को तार-तार कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने कभी भी माननीय न्यायालय के फैसलों का सम्मान नहीं किया। कांग्रेस ने कभी भी माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति जैसे हमारे संवैधानिक पदों का सम्मान नहीं किया और न ही उन्होंने लोकतंत्र का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की घोषणा

हर पौधे की होगी जियो टैगिंग, यूपी होगा हरा-भरा

एक्सप्रेस-वे के किनारे-किनारे विकसित होगी हरित-भूमि

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन विभाग को हर पौधे की जियो-टैगिंग करने का निर्देश दिया। उत्तर प्रदेश को हरियाली से आच्छादित करने के उद्देश्य से प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग कराने को कहा गया है। सीएम योगी ने यह भी कहा कि एक्सप्रेस-वे के किनारे-किनारे भी हरित भूमि (ग्रीन लैंड) विकसित की जाएगी।

सीएम योगी ने कहा है कि प्रदेश आने वाले समय में हरा-भरा बनेगा। हम एक दिन में प्रदेश की जनसंख्या से ज्यादा पेड़ लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में जुलाई में आयोजित होने जा रहे वन महोत्सव को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। सीएम ने निर्देश दिया कि इस अभियान को प्रदेशव्यापी जनांदोलन का रूप दिया जाए। वृक्षारोपण महाभियान-2025 का लोगो जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा

कि इस बार हम एक दिन में प्रदेश की कुल जनसंख्या से भी अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम थीम पर आधारित यह वृक्षारोपण महाअभियान प्रदेश को हीटवेव से ग्रीनवेव की ओर ले जा रहा है।

योगी ने कहा कि 2017 से 2024 के बीच प्रदेश में 204.92 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं और भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून की रिपोर्ट के अनुसार 2017 से 2023 के बीच उत्तर प्रदेश के हरित आवरण में ऐतिहासिक रूप से तीन लाख एकड़ की वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव की अवधि में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट प्रदान किया जाए। शिशु के अभिभावकों को एक पौधा भी भेंट किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बार वन महोत्सव में कुल 35 करोड़ पौधे रोपे जाने हैं, जो प्रदेश की कुल आबादी से भी अधिक होगी। पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाए। सीएम ने कहा कि प्रत्येक रोपे गए पौधे की जियो टैगिंग कराई जाए और उनकी फेंसिंग की समुचित व्यवस्था हो। इस बार वन विभाग 12 करोड़ 60 लाख पौधे और अन्य विभाग 22 करोड़ 40 लाख पौधे लगाएंगे। समन्वय के लिए सभी विभागों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है। पौधों की आपूर्ति के लिए 1901 वन विभागीय पौधशाल-ाओं, 146 उद्यान विभाग की पौधशालाओं, 55 रेशम विभाग की पौधशालाओं और 484 निजी पौधशालाओं में कुल 52 करोड़ 43 लाख पौधों की नर्सरी तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत लाभान्वित सभी विद्यालयों में बड़े स्तर पर पौधरोपण कराया जाए। सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में सहजन सहित छायादार पौधों का रोपण आवश्यक रूप से किया जाए। सभी औद्योगिक इकाइयों और परिसरों में सघन पौधरोपण कराया जाए। सभी निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में नीम, पाकड़, पीपल जैसे पौधों का रोपण प्राथमिकता से किया जाए।

सीएम ने कहा कि सभी एक्सप्रेस-वे के किनारे बड़े स्तर पर पौधरोपण कराया जाए, जिससे सर्विस लेन और मुख्य मार्गों के बीच आकर्षक हरित पट्टी तैयार हो सके। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों से कम से कम एक पौधा अवश्य लगवाने के लिए समन्वय की आवश्यकता जताई। सीएम ने कहा कि इस अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाया जाए। नुक्कड़ नाटकों, चित्रकला, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, प्रभात फेरियों, फोटोग्राफी प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने नदियों के पुनर्जीवन को भी केंद्र में रखने के निर्देश दिए। कहा कि नदियों के दोनों तटों पर पौधरोपण कराया जाए। नदियों का चैनला-इजेशन भी किया जाए। सभी तालाबों के किनारों पर भी पौधर-ोपण सुनिश्चित हो और इन जलस्रोतों के संरक्षण व पुनर्जीवन का कार्य भी किया जाए।

स्कूल खुलने के पहले आरटीओ ने जारी की चेतावनी

183 स्कूली वाहन कंडम, 258 का फिटनेस-परमिट खत्म

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। पहली जुलाई से स्कूल खुल रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही परिवहन विभाग की ओर से ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ ने शुक्रवार को स्कूली वाहनों से जुड़ी रिपोर्ट जारी की है। राजधानी में स्कूल व शैक्षणिक संस्थानों के नाम पर पंजीकृत 1915 वाहनों में 183 अपनी उम्र पूरी करके कंडम हो चुके हैं। 258 वाहन ऐसे भी हैं जिनका फिटनेस व परमिट खत्म हो चुका है। इसमें 122 वाहनों का फिटनेस तो 208 का परमिट नहीं है। संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने शुक्रवार को ऐसे वाहनों की रिपोर्ट जारी की है। ये भी कहा है कि ऐसे वाहनों में यदि बच्चे सवार मिले तो संबंधित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

पहली जुलाई से स्कूल खुल रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही परिवहन विभाग की ओर से ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ ने शुक्रवार को स्कूली वाहनों से जुड़ी ये रिपोर्ट जारी की है। इसके साथ ही वाहन मालिकों को नोटिस भेजा गया है ताकी वो स्कूल खुलने से पहले ही फिटनेस व परमिट का काम पूरा करवा लें। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि कोई भी वाहन 15 वर्ष तक ही संचालित किया जा सकता है। रिकॉर्ड की जांच में 183 ऐसे वाहन मिले हैं जिनकी उम्र पूरी हो चुकी है। 122 वाहनों का फिटनेस नहीं है और 208 के परमिट खत्म हो गए हैं। 72 वाहन ऐसे हैं, जिनकी फिटनेस व परमिट दोनों नहीं है। 58 वाहनों का परमिट हैं, लेकिन फिटनेस नहीं है।

राजधानी में सिर्फ 1474 स्कूली वाहन ही मानकों के आधार पर चलने योग्य हैं।

कंडम और अनफिट स्कूली वाहनों के खिलाफ पहली जुलाई से अभियान चलाया जाएगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान 15 दिन चलेगा। इस दौरान अनफिट, बिना परमिट व नियमों को दरकिनार कर चल रहे स्कूली वाहनों पर कार्रवाई होगी। उम्र पूरी कर चुके वाहन चलते मिले तो स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर होगी। राजधानी के नामचीन स्कूलों, शैक्षणिक संस्थानों के वाहन भी कंडम हैं। इसमें बस, ओमनी वैन, मैक्सी कैब आदि शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजधानी में चिह्नित कंडम स्कूली वाहनों में सीएमएस के 32, जयपुरिया के चार, पीजीआई के चार, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के तीन, डीपीएस के पांच व केजीएमयू जैसे प्रमुख संस्थान का एक वाहन शामिल है। इसके अतिरिक्त कई स्कूल, इंजीनियरिंग कॉलेज भी इस सूची में सम्मिलित हैं।

राजधानी लखनऊ में स्कूली और शैक्षणिक संस्थानों के 1915 वाहन हैं। इनमें 1474 वाहन ही चलने लायक हैं, यानि उनका फिटनेस-परमिट दुरुस्त है। 122 वाहनों की फिटनेस नहीं है, जबकि 208 वाहनों का परमिट भी खत्म हो चुका है। 183 वाहनों की उम्र पूरी हो चुकी है और जो कंडम हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन ऐसे वाहनों का इस्तेमाल कर रहे हैं और बच्चों की जान खतरे में डाल रहे हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि चेकिंग अभियान के दौरान पकड़े जाने पर वाहन मालिकों के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

काशी के 461 खिलाड़ियों को मिली सरकारी नौकरी

नौकरी पाने वालों में चार ओलंपियन भी शामिल

वाराणसी, 29 जून (एजेंसियां)। वाराणसी जिले से चार ओलंपियन के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकार ने नौकरी देकर प्रतिभा का सम्मान किया है।

वाराणसी से 461 खिलाड़ी सरकारी नौकरी पा चुके हैं। सर्वाधिक नौकरी रेलवे और पुलिस सेवा मिली है। यहां खेल सिर्फ खेलों को खेलते ही नहीं इसे सपनों के उड़ान का मंच है। हर खिलाड़ी का सपना अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत की जर्सी में भारतीय झंडे के तले खेलने और पदक पाने का सपना होता है। यहां से हॉकी में मोहम्मद शाहिद, विवेक सिंह, राहुल सिंह और ललित उपाध्याय ओलंपिक पदक जीत चुके हैं।

वाराणसी के खिलाड़ियों ने हॉकी, कुश्ती से लेकर बास्केटबॉल में काशी का नाम रौशन किया है। हॉकी में ओलंपियन स्वर्गीय मोहम्मद शाहिद, विवेक सिंह के अलावा राहुल सिंह और ललित उपाध्याय, महिला वर्ग में पूजा यादव को नौकरी मिल चुकी है। जबकि बास्केटबॉल में सिंह सिस्टर्स के नाम से मशहूर प्रशांति सिंह नाडा में और दिव्या सिंह दूरसंचार विभाग में कोच हैं। बरेका में एथलेटिक्स में प्रियंका सिंह पटेल, संजय राय, रमेश यादव, रानी यादव को सरकारी नौकरी मिली। इसी तरह क्रिकेट में सुरेंद्र सिंह, अविनाश यादव, अभिनव वर्मा, आशीष यादव, विकास यादव, मृत्युंजय त्रिपाठी को भी सरकारी नौकरी मिली है। कबड्डी में खुशी सिंह, फुटबॉल में मुश्ताक अली, नूर आलम, शम्सी रजा, नसीम अख्तर, विनोद कन्नोजिया, भैरव दत्त, अमरेंद्र आर्या, कमालुद्दीन, प्रवीण सिंह, नागेंद्र सिंह, सुनील सेठ, मोहम्मद रफी, फहीम अहमद, नईम अहमद भी सरकारी नौकरी प्राप्त कर चुके हैं। कुश्ती में रविंद्र मिश्र, जूडो में जर्मन यादव, रामाश्रय यादव, विजय कुमार, वेट लिफ्टिंग में स्वाति सिंह, पूनम यादव, कविता अग्रहरी को भी सरकारी नौकरी मिली है। काशी प्रदेश का पहला जिला है जहां खेल विभाग के दो स्टेडियम हैं। इसके अलावा बीएचयू के एंफीथियेटर, बरेका खेल मैदान, शिवपुर मिनी स्टेडियम से हजारों की संख्या में खिलाड़ी प्रतिदिन खेलों का अभ्यास करते हैं।

सपा नेता आजम खान की पत्नी का बेबाक बयान

समाजवादी पार्टी से कोई उम्मीद नहीं : तंजीन फातिमा

हम क्या कर सकते हैं भगवान देखेगा : अखिलेश यादव

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सपा सरकार के कार्यकाल के दौरान आजम खान की तूती बोलती थी। आजम खान ने तब नहीं सोचा कि अपनी गतिविधियों और बयानबाजियों को इतना असंतुलित न करें कि राज जाए तो गाज गिर जाए। वक्त बदला तो वाकई आजम खान पर गाज गिर पड़ा। आजम खान और उनका पूरा परिवार इस वक्त गर्दिश के दौर से गुजर रहा है। यूपी में योगी सरकार बनने के बाद आजम खान पर एक के बाद एक कई मुकदमे दर्ज होते चले गए। जिस आजम खान की चोरी गई भैंस खोजने के लिए पुलिस की टीमें बनती थीं उसी आजम खान पर बकरी चोरी का मामला दर्ज करने में पुलिस ने देरी नहीं की।

बहरहाल, आजम खान अभी भी जेल में हैं। आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा सीतापुर जेल में अपने पति से मिलने गईं। साथ में आम ले गई थीं। आजम खान से मिलने के बाद जेल से बाहर आईं दुखी तंजीन फातिमा ने बड़ी बेबाकी से कहा कि समाजवादी पार्टी का कोई मतलब नहीं है, उस पार्टी से कोई उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। तंजीन फातिमा ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भी समाजवादी पार्टी से कोई उम्मीद नहीं रह गई है। आजम खान के समर्थक सपाई कहते भी हैं कि जेल जाने के बाद अखिलेश यादव ने आजम खान से मुंह फेर लिया। समाजवादी पार्टी ने आजम खान के समर्थन में कोई अभियान नहीं चलाया और सरकार पर दबाव नहीं बनाया। तंजीन फातिमा के बयान ने आजम समर्थकों के आर-ोप पर मुहर लगा दी। इमरान मसूद ने तो खुलेआम कहा है कि समाजवादी पार्टी में मुसलमानों की औकात सभा-सम्मेलनों में केवल दरी बिछाने की रह गई है।

तंजीन फातिमा के बयान पर अखिलेश यादव ने अपनी बेबसी स्वीकार कर ली। लेकिन इसमें भी राजनीति करने से नहीं चूके। अखिलेश यादव ने कहा, हम क्या कर सकते हैं। यूपी की भाजपा सरकार उन पर अन्याय कर रही है। उन पर मकदमे पर मुकदमे लगाए जा रहे हैं। ऐसे में सरकार बदलने पर ही आजम खान को राहत मिल सकती है। तो आप सब मिलकर सरकार बदलें। अखिलेश यादव ने कहा, दूसरा रास्ता अदालत का है और तीसरा विकल्प भगवान है, मतलब ऊपर वाला है।

कुछ समय पहले तक तंजीन फातिमा भी जेल में थीं। सीतापुर जाकर उन्होंने जेल में बंद अपने पति आजम खान से मिली। राज्य सभा सांसद रहीं तंजीन ने जेल से बाहर निकलते ही समाजवादी पार्टी पर बम फोड़ दिया। उन्होंने कहा कि मुझे किसी से कोई उम्मीद नहीं। मुझे बस अल्लाह से उम्मीद है।

तंजीन अपने पति आजम की पसंद के आम लेकर भी गई थीं। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान लंबे समय से जेल में हैं। कोर्ट से सजा होने के बाद विधानसभा की उनकी सदस्यता भी चली गई। आजम खान और उनकी पत्नी और उनके दोनों बेटों पर कई मुकदमे चल रहे हैं। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन आजम खान के विरोध में और अखिलेश यादव के पक्ष में ताल ठोकते हैं। कहते हैं कि तंजीन फातिमा के आरोप बिल्कुल गलत हैं। एसटी हसन वही नेता हैं, जिनका टिकट आजम खान ने पिछले लोकसभा चुनाव में कटवा दिया था। अखिलेश यादव ने कुटिल चाल चलते हुए आजम के दूसरे कट्टर विरोधी मोहिबुल्लाह नदवी को रामपुर से टिकट दे दिया। नदवी सांसद भी बन गए। आजम खान को इसका दर्द सालता है। उनका दर्द यह भी है कि अखिलेश उन्हें छोड़कर दूसरे मुस्लिम नेताओं को आगे बढ़ा रहे हैं। जैसे संभल के सांसद जिया उर रहमान बर्क और कैराना की सांसद इकरा हसन। कांग्रेस के इमरान मसूद आजम के हमदर्द हैं। वे चाहते हैं कि आजम खान उनके साथ जुड़ें। इमरान मसूद ने कहा कि अखिलेश यादव चाहते तो आजम खान को इतनी तकलीफ नहीं झेलनी पड़ती।

कपास छोड़ कर अपनाइए भांग से बना स्वास्थ्यप्रद वस्त्र

यूपी में भांग के डंठल से बन रहा बायो फाइबर

सोखते हैं चार गुना अधिक कार्बन डाईऑक्साइड

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पहली बार हेम्प वेस्ट यानी भांग के डंठलों से प्राकृतिक फाइबर तैयार किया जा रहा है। इस पहल के जरिए न केवल जलवायु परिवर्तन से मुकाबला किया जा रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आमदनी के नए अवसर भी पैदा किए जा रहे हैं।

भांग के पौधे अन्य पौधों की तुलना में चार गुना कार्बन डाईऑक्साइड अधिक सोखते हैं, जिससे यह पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इसकी विशेषता यह है कि इससे रेशा बनाने में कपास की तुलना में 10 गुना कम पानी खर्च होता है। साथ ही, यह कपास से 2.5 गुना अधिक फाइबर देता है। आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के जरिए यह अभिनव प्रयोग धरातल पर उतर रहा है।

किसी समय बेकार माने जाने

वाले भांग के डंठलों को अब उच्च गुणवत्ता वाले प्राकृतिक रेशा और उससे बने उत्पादों जैसे कपड़ा, कागज और बायो-प्लास्टिक में बदला जा रहा है। इससे न सिर्फ कपड़ा या कागज बनता है, बल्कि इसका उपयोग बायो-प्लास्टिक व निर्माण सामग्री जैसी तकनीकी चीजों में भी हो रहा है। भारत हेम्प एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक आयुष सिंह ने बताया कि 200 से ज्यादा ग्रामीण इस इनोवेशन से जुड़ चुके हैं, जिनकी आमदनी पहले के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई है। संभल में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट के प्रारंभिक चरण में ही लगभग पांच लाख रुपए अर्जित कर इसकी व्यावहारिकता और संभावनाएं साबित हो रही हैं।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हुई यह अनोखी पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सहारा दे रही है। जिले में पहली बार हेम्प वेस्ट, यानी भांग के बेकार समझे जाने वाले डंठलों से उच्च गुणवत्ता वाला प्राकृतिक फाइबर तैयार किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश सरकार की पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद कर रही है। एक समय था जब भांग के इन डंठलों को कचड़ा मानकर जला दिया जाता था, जिससे केवल प्रदूषण फैलता था। लेकिन अब, एक अभिनव प्रयोग के तहत इन्हीं डंठलों को कीमती प्राकृतिक रेशे में बदला जा रहा है। इस रेशे से कपड़ा, कागज, बायो-प्लास्टिक और यहां तक कि निर्माण सामग्री जैसी तकनीकी चीजें भी बनाई जा रही हैं। इस नवाचार को आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड जैसी योजनाओं का सहयोग प्राप्त है।

यह पहल पर्यावरण के लिहाज से भी बेहद खास है। विशेषज्ञ बताते हैं कि हेम्प के पौधे दूसरे पौधों की तुलना में चार गुना तक अधिक कार्बन डाईऑक्साइड सोखने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा, हेम्प से रेशा बनाने की प्रक्रिया में कपास की तुलना में 10 गुना कम पानी की खपत होती है, जबकि यह पैदावार में कपास से 2.5 गुना अधिक फाइबर देता है। इस तरह यह पहल जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में भी एक प्रमुख हथियार बन रही है। इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा फायदा ग्रामीण समुदाय को मिल रहा है। भारत हेम्प एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक आयुष सिंह बताते हैं कि वर्तमान में 200 से अधिक ग्रामीण इस इनोवेशन से सीधे तौर पर जुड़ चुके हैं। इससे उनकी आमदनी पहले के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई है। प्रोजेक्ट के शुरुआती चरण में ही लगभग 5 लाख रुपये की कमाई ने इसकी सफलता और भविष्य की संभावनाओं को साबित कर दिया है। हेम्प की खेती और प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिससे शहरों की ओर होने वाले पलायन पर भी रोक लगने की उम्मीद है। यह पहल कपास, प्लास्टिक और लकड़ी के आयात पर देश की निर्भरता को भी कम करेगी।

उल्लेखनीय है कि भांग का कपड़ा कैनबिस सैटिवा पौधे के लंबे बास्ट रेशों से बना एक टिकाऊ कपड़ा होता है। यह अपनी उच्च तन्य शक्ति, स्थायित्व और पर्यावरणीय क्षरण के प्रतिरोध के लिए मूल्यवान है। भांग का इस्तेमाल 8,000 से अधिक वर्षों से कपड़ों, रस्सियों, पाल और कागज समेत कई तरह के कामों में किया जाता रहा है। 20वीं सदी में मारिजुआना के साथ इसके जुड़ाव और सिंथेटिक फाइबर के उदय के कारण इसका उत्पादन कम हो गया।

सभी जोन की एक ट्रेन में 24 घंटे पहले बनेगा रिजर्वेशन चार्ट

लंबी दूरी की 10 नई ट्रेनें चलाएगा पूर्वोत्तर रेलवे

प्रयागराज, 29 जून (एजेंसियां)। रेलवे की नई व्यवस्था के तहत प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को एक दिन पहले ही पता चल जाएगा कि उनकी टिकट कंफर्म हुई या नहीं। रेलवे के पायलट प्रोजेक्ट के तहत उत्तर मध्य रेलवे समेत देश के सभी जोनल रेलवे की एक-एक ट्रेन में अब रिजर्वेशन चार्ट एक दिन पहले बनेगा। उत्तर मध्य रेलवे ने हमसफर एक्सप्रेस तो उत्तर रेलवे ने लखनऊ-नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस में प्रयोग के तौर पर अब एक दिन पहले ही रिजर्वेशन चार्ट बनाना शुरू कर दिया है। हमसफर में अभी 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी। अभी तक चार्ट ट्रेन के चलने से तकरीबन चार घंटे पहले तैयार किया जाता है। इस वजह से वेटिंग टिकट वाले असमंजस में रहते हैं कि उनका टिकट कंफर्म हो पाएगा या नहीं। ट्रेन रवाना होने के चार घंटे पहले उन्हें पता चल पाता है कि उनका रिजर्वेशन कंफर्म हुआ है या नहीं।

अब रेलवे के नए सिस्टम में चार्ट 24 घंटे पहले तैयार होगा। इससे यात्रियों को अगर टिकट निरस्त कराना हो तो समय भी मिल जाएगा। इस प्रयोग की शुरुआत देश में पहली बार उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल ने छह जून को अवध-आसाम एक्सप्रेस से की थी। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे से प्रयोग के तौर पर एक-एक ट्रेन में 24 घंटे पहले चार्ट बनाने के लिए कहा। एनसीआर की बात करें तो यहां नई दिल्ली-आनंद विहार जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस में प्रयोग के तौर पर 24 घंटे पहले चार्टिंग शुरू हो गई है। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि सभी जोनल रेलवे अपनी एक-एक ट्रेन में 24 घंटे पहले चार्टिंग करने जा रहे हैं। कुछ ने शुरू भी कर दी है। अगर प्रयोग सफल रहा तो रेलवे बोर्ड के निर्देश पर अन्य सभी ट्रेनों की भी 24 घंटे पहले चार्टिंग की व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। हमसफर में 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी, उसके बाद आगे क्या करना है उस पर निर्णय होगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने बताया कि देश में पहली बार बीकानेर मंडल से नई व्यवस्था शुरू की गई। पिछले दिनों रेलवे के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव बीकानेर गए थे। तभी उन्होंने यह सुझाव दिया था। इसके बाद अवध-आसाम एक्सप्रेस में 24 घंटे पहले चार्ट तैयार किया जाने लगा। कहा कि शुरुआती दस दिन की रेलवे बोर्ड को रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है।

दूसरी तरफ पूर्वोत्तर रेलवे ने लंबी दूरी की 10 नई ट्रेनें चलाने की भी घोषणा की है। महाप्रबंधक परिचालन और मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक ने इस संबंध में इज्जतनगर, लखनऊ और वार-ाणसी मंडल को पत्र लिखा है। पूर्वोत्तर रेलवे के इन तीनों मंडलों ने ट्रेनों के संचालन के संबंध में प्रस्ताव भेजे थे। गोरखपुर मुख्यालय ने पत्र में लिखा है कि रेलवे बोर्ड की स्वीकृति मिलने के बाद ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

लंबी दूरी की इन ट्रेनों में श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और जम्मू की दो ट्रेनें शामिल हैं। इनमें एक इज्जतनगर और दूसरी बलिया से वाया बरेली होते हुए चलाई जाएगी। कासगंज-वाराणसी के बीच भी ट्रेन प्रस्तावित है। यह ट्रेन वाया बदायूं, बरेली, पीलीभीत, मैलानी, बाराबंकी, अयोध्या होते हुए चलाई जाएगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की शर्तों पर सहमति पर कुछ मुद्दों पर फंसा पेंच

फंसे पेच सुलझाने के लिए मोदी-ट्रंप को ही संभालना होगा मोर्चा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) ।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अधिकतर शर्तों पर लगभग सहमति तो बन चुकी है लेकिन कुछ मुद्दो पर अभी गतिरोध बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि इन अड़चनों को दूर करने के लिए दोनों ही देशों के शीर्ष नेतृत्व को हस्तक्षेप करना होगा। एक और भारत चाहता है कि सभी टैरिफ को पूरी तरह से हटाने की स्पष्ट गारंटी दे और अमेरिकी अपनी भारत के संवेदनशील कृषि क्षेत्र को अधिक मुक्त करने की मांग पर पुनर्विचार करे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वाशिंगटन में शुरू हुई दो दिवसीय वार्ता अगले सप्ताह तक खिंच सकती है। विशेष सचिव (वाणिज्य) राजेश अग्रवाल की अगुवाई में भारतीय वार्ताकारों की टीम अभी भी अमेरिका में मौजूद है। इससे संकेत मिलता है कि बातचीत अगले सप्ताह तक जारी रह सकती है। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देश अगर एक-दूसरे की व्यावहारिक और राजनीतिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख फैसला ले तो अंतरिम व्यापार समझौता जल्द हो सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दे। भारत में डेयरी क्षेत्र छोटे किसानों पर आधारित है, जिनकी आजीविका एक या दो पशुओं पर निर्भर होती है। ऐसे में वे अमेरिका के बड़े स्तर के डेयरी फार्म्स से मुकाबला नहीं कर सकते। अमेरिका के पशु चारे में मांसाहारी सामग्री होने के कारण धार्मिक भावना का मुद्दा जुड़ा है। भारत अमेरिका की मक्का और सोयाबीन जैसे उत्पादों को भी बिना शर्त प्रवेश देने को तैयार नहीं है, क्योंकि ये जेनेटिकली मॉडिफाइड होते हैं और भारतीय कानून जीएम फसलों की अनुमति नहीं देता। भारत चाहता है कि अमेरिका कोई ऐसी व्यवस्था बनाए जिससे यह प्रमाणित हो सके कि भेजे जा रहे उत्पाद जीएम नहीं हैं. लेकिन अमेरिका इसे व्यावहारिक रूप से संभव नहीं मानता।

न्यूज ब्रीफ

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा, केंद्रीय बैंक 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसीलिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है। इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के स्वर्ण ईंट के रूप में रखा गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे। अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रहेगा।

एनएलएसी को मिला हाइब्रिड बिजली परियोजना का आवंटन पत्र

चेन्नई। एनएलसी को राजस्थान में 450 मेगावाट की अंतर-राज्य पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) कनेक्टेड पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने एनटीपीसी लिमिटेड से आवंटन पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी है। एनटीपीसी से प्राप्त ऑर्डर के अनुसार एनएलसी इंडिया 450 मेगावाट आईएसटीएस कनेक्टेड पवन-सौर बिजली परियोजना की स्थापना करेगी। इस परियोजना से उत्पन्न हाइब्रिड बिजली की आपूर्ति एनटीपीसी लिमिटेड को बिजली खरीद करार (पीपीए) के तहत 25 साल की अवधि के लिए की जाएगी। एनएलसी इंडिया ने बयान कहा कि यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट और गुजरात के भुज में 150 मेगावाट के लिए विकसित की जाएगी। इसमें कहा गया है कि पूर्ण परियोजना से बिजली की आपूर्ति बिजली खरीद करार की तारीख से 24 माह की अवधि में होगी। उन्होंने कहा कि इस साल हम 20 होटल खोलेंगे। पिछले पांच साल हमने 51 होटल के लिए समझौते किए हैं।

रैडिसन समूह भारत में अपने होटल पोर्टफोलियो को दोगुना करेगी

नई दिल्ली। बेल्जियम मुख्यालय वाले रैडिसन होटल समूह का कहना है कि वह अगले कुछ साल में भारत में अपने पोर्टफोलियो को दोगुना करने के बारे में विचार कर रही है। वर्तमान में इस समूह की भारत में 200 से अधिक होटलें हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि भारत में हम अपना ध्यान एक स्थायी और समावेशी विकास मॉडल पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में समूह के होटल में कमरों की बुकिंग पिछले साल की तुलना में मात्र 20-30 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हाल में आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद वहां पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित हुई है। रैडिसन जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी लक्जरी होटल श्रृंखला है। वहां समूह के सात होटल परिचालन में हैं। इनमें से पांच घाटी में हैं। दो-तीन होटल पाइपलाइन में हैं।

देश के कई नामी बैंक एफडी पर दे रहे 8.30 फीसदी तक ब्याज दरें

एसबीआई सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.10, सीनियर सिटीजन 3.50 से 7.60 फीसदी तक दे रहा ब्याज

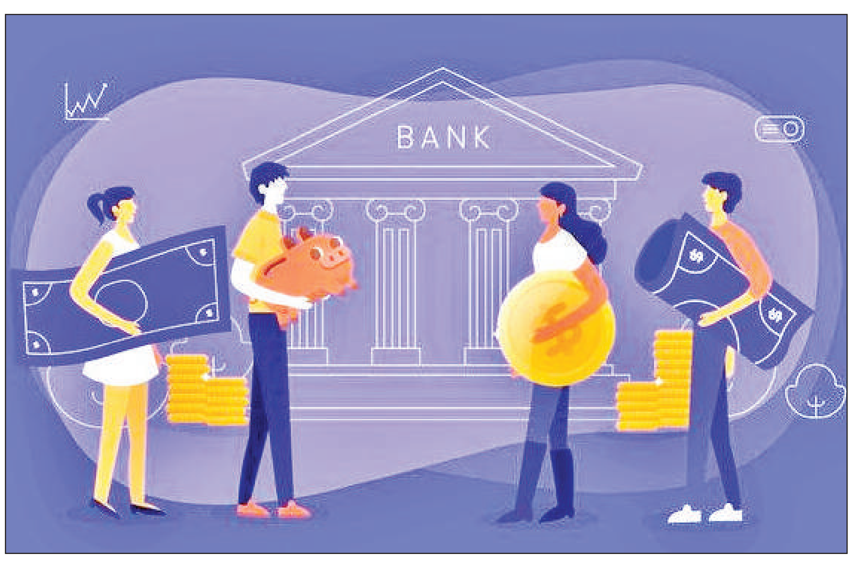

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां) ।

एफडी एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है, जो तय समय के बाद गारंटीड रिटर्न के अच्छा ब्याज भी देता है। इस समय देश के कई नामी बैंक एफडी पर 8.30 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा सामान्य ग्राहकों को एफडी पर 3 फीसदी से 7.10 फीसदी तक और सीनियर सिटीजन को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। वहीं, एचडीएफसी बैंक सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.75 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। आईसीआईसीआई बैंक की दरें भी समान हैं, जहां सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक का रिटर्न दे रहा है। आरबीएल बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहा है। यह बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.80 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 से 8.30 फीसदी तक का अच्छा ब्याज दे रहा है, जो फिलहाल बाजार में सबसे अधिक है। कोटक महिंद्रा बैंक अपने एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 2.75 से 7.20 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.25 फीसदी से 7.70 फीसदी ब्याज दे रहा है। वही आईडीबीआई बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 3 फीसदी से 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.50 से 7.25 फीसदी तक हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा भी एफडी निवेशकों के लिए एक बेहतर विकल्प है।

यहां सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.05 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 से 7.55 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। पंजाब नेशनल बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 फीसदी से 7.75 फीसदी ब्याज दे रहा है। वहीं, एक्सिस बैंक में सामान्य निवेशकों को 3.50 से 7.10 और सीनियर सिटीजन को 3.50 से 7.85 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। जबकि केनरा बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 4 से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 4 से 7.75 फीसदी हैं। एफडी चुनते समय सिर्फ ब्याज दर ही नहीं, बल्कि निवेश अवधि, ब्याज भुगतान का तरीका, कर से जुड़ी बातें और बैंक की विश्वसनीयता को भी आपके लिए जानना बहुत जरूरी है। सीनियर सिटीजन को आम तौर पर अधिक ब्याज दर का लाभ मिलता है, जिससे उनकी बचत और भी फायदेमंद हो सकती है।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के महानिदेशक को मिली एक्स-कैटेगरी सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक जीवीजी युगंधर को एक्स-श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। वे 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने एक खतरे की आशंका संबंधी रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे युगंधर को सुरक्षा मुहैया उपलब्ध कराएं। इस व्यवस्था के मुताबिक उनकी देशभर की यात्रा के दौरान तीन से चार सशस्त्र सीआरपीएफ जवान उनके साथ रहेंगे। गौरतलब है कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171, जो अहमदाबाद से लंदन जा रही थी, दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई थी। युगंधर इस गंभीर मामले की उच्च स्तरीय जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। 13 जून को भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने औपचारिक रूप से इस दुर्घटना की जांच शुरू की। इसके लिए एक बहु-विषयक टीम बनाई गई है, जिसमें अमेरिका के नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विशेषज्ञ, एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और एक एविएशन मेडिसिन विशेषज्ञ को शामिल किया गया है। यह टीम हादसे के कारणों और जिम्मेदार पक्षों की गहराई से जांच कर रही है।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और फाइबर उत्पादों के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) ।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और संबंधित फाइबर उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। बताया जा रहा है यह फैसला दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि नए प्रतिबंध महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह को छोड़कर अन्य सभी जमीनी मार्ग और बंदरगाहों के माध्यम से बांग्लादेश के जूट और संबद्ध फाइबर उत्पादों के भारत में आयात पर लागू होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर प्रतिबंध लगा दिए। साफ्टा (दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र) के प्रावधानों के तहत, बांग्लादेश से जूट को भारत में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त है।

हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय जूट उद्योग को बांग्लादेश से जूट उत्पादों, विशेष रूप से धागा, फाइबर और बैग के डंप किए गए और सब्सिडी वाले आयात के प्रतिकूल प्रभाव के कारण लंबे समय से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

स्माल कैप बोनस शेयर के साथ देगा 80 फीसदी का डिविडेंड

नई दिल्ली। कंप्रेसर, पंप और डीजल इंजन के कारोबार से जुड़ी स्मॉल कैप कंपनी रोटो पंप्स लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने और 0.80 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने का ऐलान किया है। इन दोनों के लिए तारीख 11 जुलाई 2025 तय की गई है। 28 जून 2025 तक कंपनी का मार्केट कैप 1,795.26 करोड़ रुपये है। रोटो पंप्स ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उसने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1 रुपये की फेस वैल्यू वाले हर शेयर पर 0.80 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का प्रस्ताव रखा है। यह डिविडेंड तब लागू होगा, जब शेयरधारक इसे कंपनी की सालाना जनरल मीटिंग में मंजूरी देंगे। इसके साथ ही कंपनी ने 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का भी फैसला किया है। यानी, हर एक शेयर के बदले दो अतिरिक्त शेयर फ्री में मिलेंगे। ये बोनस शेयर भी 1 रुपये की फेस वैल्यू वाले होंगे और मौजूदा शेयरों जैसे ही अधिकार रखेंगे। हालांकि, ये बोनस शेयर वित्त वर्ष 2024-25 के फाइनल डिविडेंड के हकदार नहीं होंगे।

चुंबक की आपूर्ति बढ़ाने चीन नहीं जा पाया वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल

दुर्लभ खनिज (चुंबक) के आयात में तेजी लाने के लिए भारतीय वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल अभी तक चीन रवाना नहीं हो पाया है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल को अब भी चीन के वाणिज्य मंत्रालय से बैठक के लिए औपचारिक मंजूरी का इंतजार है। पिछले महीने लगभग 40-50 उद्योग अधिकारियों को वीजा मिल गया है, लेकिन वे अब भी इस मामले पर बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। इघरेलू वाहन उद्योग ने दुर्लभ खनिज की कमी को देखते हुए चीन से इसका आयात बढ़ाने के लिए सरकार से भी समर्थन मांगा है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष में अपने 540 टन चुंबक आयात का 80 प्रतिशत से अधिक चीन से मंगाया था। अब चीन द्वारा इसके निर्यात पर अंकुश का असर दिखने लगा है।मई 2025 तक, भारतीय कंपनियों के लगभग 30 आयात अनुरोधों को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है, लेकिन इन्हें चीनी अधिकारियों की मंजूरी नहीं मिली है। इस वजह से कोई खेप नहीं आ पाई है।

सीमेंट की बिक्री मई में नौ प्रतिशत कीमतें आठ फीसदी बढ़ी

मई, 2025 में कीमतें बढ़कर 360 रुपये प्रति 50 किलोग्राम बोरी हुई

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) ।

इस साल मई में सीमेंट उद्योग की बिक्री मात्रा के लिहाज से नौ प्रतिशत बढ़कर 3.96 करोड़ टन रही, जबकि सीमेंट की कीमतों में औसत आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक रेटिंग एजेंसी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, सीमेंट उद्योग ने मई, 2025 में अच्छा प्रदर्शन किया और इस दौरान कीमतें आठ प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की बोरी हो गईं। रिपोर्ट के अनुसार कच्चे माल की स्थिर लागत के कारण परिचालन मार्जिन में भी सुधार हुआ, क्योंकि कोयले और पेटकोक की कीमतें कम हैं और डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में कीमतें सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये प्रति बोरी (50 किलोग्राम) हो गईं। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की समान अवधि में कीमतें सालाना आधार पर सात प्रतिशत घटकर 340 रुपये प्रति बोरी रह गईं थीं। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल और मई के दौरान बिक्री मात्रा सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 7.87 करोड़ टन हो गई। इक्रा ने संभावना जताई कि आवास और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से निरंतर मांग के कारण चालू वित्त वर्ष में सीमेंट की बिक्री मात्रा सालाना आधार पर छह से सात प्रतिशत बढ़कर 48-48.5 करोड़ टन हो जाएगी।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर ढूंढना एक बड़ी चुनौती

बेंगलुरु में 19 लाख का सिक्योरिटी डिपॉजिट देख हैरान रह गया कनाडियाई नागरिक

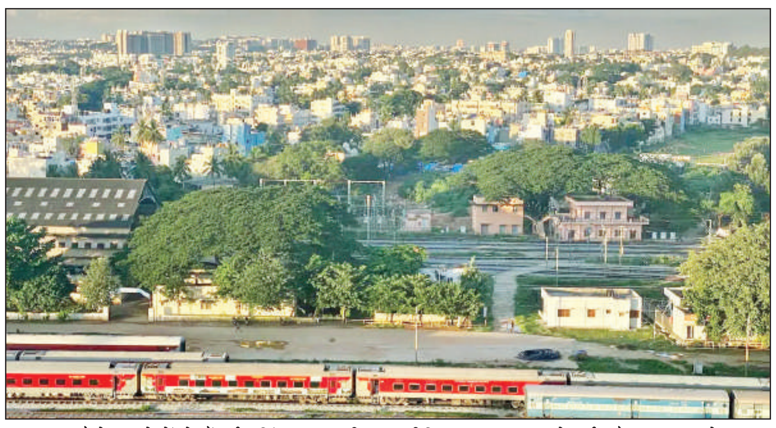

बेंगलूरू, 29 जून (एजेंसियां) ।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर रेंट पर लेना या खरीदना एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में बेंगलुरु में किराये के मकान को लेकर एक कनाडाई नागरिक ने सोशल मीडिया पर अपनी हैरानी जताई। दरअसल, कनाडा से आए कैलेब फ्रीसन ने जब बेंगलुरु के पॉश एरिया डोमलूर में एक 3बीएचके अपार्टमेंट का ऑनलाइन विज्ञापन देखा, तो उसमें लिखा था कि महीने का किराया 1.75 लाख रुपये है, लेकिन सिक्योरिटी डिपॉजिट 19.25 लाख रुपये1 उन्होंने इस लिस्टिंग की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए लिखा, 19 लाख सिर्फ सिक्योरिटी के लिए पागलपन है ये ! इतने में तो मैं नई महिंद्रा थार खरीद लूं1 उन्होंने ये भी पूछा कि क्या इंदिरानगर के आसपास कोई ऐसा घर है जहां सिर्फ 2-3 महीने का डिपॉजिट देना पड़े और किराया 80 हजार से 1 लाख रुपये के बीच हो उनकी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और 43,000 से ज्यादा बार देखी गई1 इसके बाद बेंगलुरु के रियल एस्टेट और रेंटल सिस्टम को लेकर बहस शुरू हो गई। एक यूजर ने लिखा, आपको अपनी उम्मीदें छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। यहां रेंटल सिस्टम माफिया जैसा है।

दूसरे ने तंज कसा, इसलिए लोग कहते हैं कि घर खरीदना फिजूल है, बिना ब्याज के इतना पैसा डिपॉजिट देने से अच्छा है ईएमआई दो। एक और यूजर ने लिखा - मैं चेन्नई से बेंगलुरु शिफ्ट होना चाहता था, लेकिन जब मैंने किराया देखा तो लगा सैलरी से भी ज्यादा डिपॉजिट है, इसलिए जाने का प्लान छोड़ दिया।

सीबीडीटी के चेयरमैन का कार्यकाल बढ़ा, अब जून 2026 तक रहेंगे पद पर

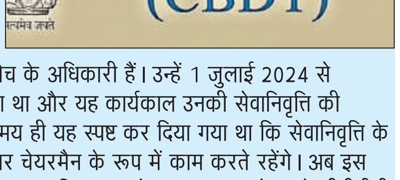

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल का कार्यकाल एक साल और बढ़ा दिया है। अब वह 1 जुलाई 2025 से 30 जून 2026 तक अनुबंध के आधार पर इस पद पर बने रहेंगे। यह फैसला मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने लिया। रवि अग्रवाल भारतीय राजस्व के 1988 बैच के अधिकारी हैं। उन्हें 1 जुलाई 2024 से सीबीडीटी चेयरमैन के तौर पर नियुक्त किया गया था और यह कार्यकाल उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख यानी 30 सितंबर 2024 तक था। उस समय ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि सेवानिवृत्ति के बाद वह 30 जून 2025 तक अनुबंध के आधार पर चेयरमैन के रूप में काम करते रहेंगे। अब इस अनुबंध को एक साल और बढ़ाकर जून 2026 तक कर दिया गया है। अग्रवाल इससे पहले सीबीडीटी में एडमिनिस्ट्रेशन सदस्य जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं। जून 2024 में उन्होंने नितिन गुप्ता की जगह सीबीडीटी चेयरमैन का कार्यभार संभाला था।

तामुलपुर में मैराथन दौड़ का सफल समापन

तामुलपुर (असम) ,29 जून (एजेंसियां) ।

भारत-भूटान सीमा पर स्थित दरंगा में तामुलपुर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन रन फॉर हैप्पीनेस का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उपायुक्त पंकज चक्रवर्ती ने अपने संक्षिप्त भाषण में कहा, मुझे आशा है कि यह पहल राज्य भर में नशाखोरी, बाल विवाह और सड़क सुरक्षा जैसे मुद्दों पर एक सकारात्मक संदेश देगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिगंत कुमार चौधुरी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में फैली बुराइयों जैसे नशा और बाल विवाह को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

स्थानीय विधायक जोलेन दैमारी ने रन फॉर हैप्पीनेस के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और आम जनता को धन्यवाद् देते हुए विशेष रूप से उपायुक्त पंकज चक्रवर्ती का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा आयोजित सर्वेक्षण में देश के 500 विकास खंडों में तामुलपुर विकास खंड ने पहला स्थान प्राप्त किया है, जो गर्व की बात है। के कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुल 10 विजेताओं—5 पुरुष और 5 महिलाएं—को पुरस्कार प्रदान किए गए।

महिला विजेताओं में सोंगमीर टेरोंपी (कार्बी आंगलोंग), सेनलीबोन टेरोंपी (कार्बी आंगलोंग), प्रिया बासुमतारी (उदलगुरी), फूलमनी हसदा (तमुलपुर) तथा अनीता हसदा (तमुलपुर) शामिल हैं।

वहीं पुरुष विजेताओं मेंटिकेश्वर कुर्मी (गोलाघाट),हितेश बोड़ो (बाक्सा), सूर्या दास (मोरीगांव), बंजार टेरों (पश्चिम कार्बी आंगलोंग) तथा संदीप सिंह (जम्मू) शामिल हैं।

कुल पुरस्कार राशि एक लाख रुपये रही।

आयोजन में विधायक जोलेन दैमारी, पूर्व विधायक इमैनुएल मुशाहारी, मनोनीत एमसीएलए हेमंत कुमार राभा, जिला प्रशासन व विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, छात्र और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

एसेक्स की ओर से खेलेगे खलील

मुम्बई। तेज गेंदबाज खलील अहमद को भारत ए की ओर अच्छा प्रदर्शन करने का लाभ हुआ है। खलील को काउंटी क्रिकेट खेलने का अवसर मिला है। खलील अब काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलेगे। खलील ने इस साल आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। खलीन ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 11 एकदिवसीय और 18 टी20 मैच खेले हैं। बाएं हाथ के अच्छे तेज गेंदबाजों की काउंटी टीमों में हमेशा ही मांग बनी रहती है। इसी कारण खलील ने 2025 सत्र के अंत तक के लिए काउंटी चैंपियनशिप और एकदिवसीय कप मैच खेलने के लिए एसेक्स के साथ करार किया है। खलील मई के अंत से ही इंग्लैंड में हैं और उन्होंने वहां भारत ए की ओर से खेला है।. उन्होंने नॉर्थम्प्टन में पहले मैच में जेम्स रेव, जॉर्ज हिल, क्रिस वोक्स और एसेक्स में अपने साथी जॉर्डन कॉक्स को आउट किया था। खलील ने अपने एक बयान में कहा, मैंने एसेक्स क्लब के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं और अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करुंगा।मैं चेम्सफोर्ड में खेलने, एसेक्स सदस्यों और प्रशंसकों से मिलने और ऐसा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूं, जिस पर वे गर्व का अनुभव कर सकें।

शास्त्री बोले, शुभमन को अगले तीन साल तक कप्तान बने रहने दें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि युवा कप्तान शुभमन गिल की

कप्तान का अंदाज काफी अच्छी है। इसलिए अगले तीन साल तक उन्हें अवसर दिया जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि इस दौरान टीम का प्रदर्शन चाहे कैसा भी रहे शुभमन को नहीं बदला जाना चाहिये। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन को इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बनाया गया था। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले ही टेस्ट में पांच शतक लगाये पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे मैच के दौरान अच्छा था हालांकि कुछ गलतियों के कारण उसे हार झेलनी पड़ी पूर्व कोच के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली व आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद शुभमन अब एक बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि गिल में क्लास और शांति का एक अनोखा संगम है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। इसलिए अगर वह कप्तानी में आगे नहीं बढ़ते हैं तो मुझे निराशा होगी। उनमें एक सहज, नजाकत है और जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो उनमें एक शाही अंदाज दिखता है। अगर वह अनुभव से सीख सकते हैं और हालातों के अनुकूल ढल सकते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उन्हीं का नाम ले सकता हूं। इस पूर्व कोच का मानना है कि मैदान के बाहर भी इस क्रिकेटर का विकास उतना ही प्रभावशाली रहा है। शास्त्री ने कहा, वह बहुत परिपक्व हो गए हैं। जिस तरह से वह मीडिया को संभालते हैं, जिस तरह से वह प्रेस कॉन्फ्रेंस में और टॉस के समय बात करते हैं, वह बहुत परिपक्व हो गए हैं। उन्होंने चयनकर्ताओं और बीसीसीआई से युवा खिलाड़ी के साथ धैर्य रखने का आग्रह किया।

रोड्स ने डब्ल्यूडब्लयूई नाइट ऑफ चैंपियंस जीती, ऑर्टन हुए घायल

सेन डियागो। रेसलर रैंडी ऑर्टन डब्ल्यू डब्ल्यू ई नाइट ऑफ चैंपियंस 2025 मुकाबले में कोडी रोड्स से मिली

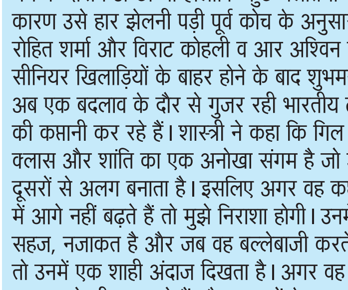

हार के दौरान ही घायल हो गये। रोड्स इस मैच में जीत के साथ ही किंग ऑफ द रिंग बन गये। वहीं मैच के दौरान ऑर्टन की पीठ में चोट लग गई। इससे प्रशंसक और आयोजक भी परेशान हो गये। वहीं कुछ लोगों ने ऑर्टन की चोट को नकली बताया है। वहीं कुछ का मानना है कि अब ये रेललर लंबे समय के लिए बाहर हो गया है। ऑर्टन को पहले भी पीठ की समस्या रही है। इसी कारण वह एक साल से ज्यादा समय तक रिंग से बाहर रहे थे। मैच के दौरान ऑर्टन सुपरप्लेक्स के दौरान घायल हो गये। उन्होंने तुरंत अपनी पीठ पकड़ ली। मैच के बाकी समय में उन्हें दर्द में देखा गया। लोगों ने देखा कि उन्हें चलने तक में परेशानी हो रही थी। ऑर्टन ने मैच के दौरान कुछ अवसरों पर रेफरी से भी बात की। डब्ल्यू डब्ल्यू ई ने हालांकि अभी तक इसको लेकर कुछ नहीं कहा है पर कहा जा रहा है कि ऑर्टन की चोट का आंकलन हो रहा है। किया जा रहा है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि इस रेसलर का घायल होना सहानुभूति पाने या उन्हें कुछ सप्ताह के लिए टीवी से दूर रखने का एक तरीका है हालांकि ऑर्टन को पहले भी गर्दन में चोट लग चुकी है। इसलिए कई प्रशसंकों का ये भी मानना है कि यह केवल एक नाटक नहीं है। ऑर्टन की चोट ने समर स्लैम में उनके भाग लेने पर भी सवाल उठा दिये हैं।

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

पंत के 5 टेस्ट में 6 शतक के बावजूद 4 हार और 1 ड्रॉ

नई दिल्ली,29 जून (एजेंसियां) ।

टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया। 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाज़ी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई।

फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि ऋषभ पंत का यह दुर्भाग्यपूर्ण आंकड़ा जल्द ही बदल जाएगा और उनकी शतकीय पारियां भविष्य में भारत की जीत की गारंटी बनेंगी।

प्रिटोरियस सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका खिलाड़ी बने

बुलावायो । दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने अपने डेब्यू मैच में ही 153 रनों की शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही 19 साल के प्रिटोरियस डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गये हैं। अपनी इस शतक से हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 61 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लुआन के शतक से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टेस्ट मैच के पहले ही अच्छा खासा स्कोर बना लिया। 61 साल पुराना पोलक का रिकार्ड तोड़ा प्रिटोरियस ने 160 गेंदों पर 112 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 153 रन बनाए। लुआन ने 19 साल 93 दिन की उम्र में ये टेस्ट शतक लगााया। इससे पहले सबसे कम उमे में शतक का रिकार्ड ग्रीम पोलॉक के नाम था जिन्होंने 1964 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में 19 साल 317 दिन की उम्र में शतक लगाया था। प्रिटोरियस ने अपना शत 112 गेंदों पर पूरा किया। प्रिटोरियस की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने पर पहली पारी में 9 विकेट पर 418 रन बना लिए थे। कॉर्बिन बॉश 100 रन जबकि क्वेन मफाका 9 रनों पर खेल रहे थे। अपने डेब्यू टेस्ट में डेवाल्ड ब्रेविस ने 51 रन जबकि कोडी यूसुफन` 27 रन बनायचे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने शीर्ष के 4 विकेट केवल 55 रनों पर ही खो दिये। इसके बाद प्रिटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस ने मिलका पारी को संभालाकर आगे बढ़ाया।

स्मृति मंधाना के शतक से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया

नॉटिंघम,29 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की इस शानदार जीत की नायक रहीं कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने दमदार शतक जड़कर टीम की नींव मजबूत की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन असली कमाल कप्तान स्मृति मंधाना ने किया। उन्होंने 55 गेंदों पर 103 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके साथ जेमिमा रॉड्रिग्स (32 रन) और दीप्ति शर्मा (28 रन) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, जो कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का अब तक का सर्वाधिक टी20 स्कोर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान नेट सिवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 66 रन बनाकर लड़ाई की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की पूरी टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई।

भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। श्री चरणी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। अमनजोत कौर और अरुंधति रेड्डी ने भी 1-1 सफलता हासिल कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी।

अब दोनों टीमें 01 जुलाई को ब्रिस्टल में दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत इस जीत को दोहराने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड वापसी की रणनीति पर काम करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अंतरिक्ष में...

उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष में तिरंगा लहराकर उन्होंने खुद को गौरवशाली महसूस किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर मौजूद भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। शुभांशु पहले भारतीय हैं, जो इस मिशन के पायलट बनकर अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों की ओर से उन्हें बधाई दी और कहा, आप मातृभूमि से काफी दूर हैं, लेकिन भारतीय दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभारंभ है। शुभांशु ने कहा, प्रधानमंत्री जी आपके नेतृत्व ने मेरे जैसे जाने कितने लोगों को अपना सपना सच करने का मौका दिया है। मैं इसके लिए आपका और सम्पूर्ण देशवासियों का आभारी हूं। शुभांशु ने बताया कि जब वे पहली बार अंतरिक्ष में पहुंचे और पृथ्वी को देखा, तो वह नजारा बेहद भव्य था। पृथ्वी पूरी तरह एक दिखती है, कोई बॉर्डर या सीमा रेखा नहीं। खास तौर पर भारत को अंतरिक्ष से देखने का अनुभव बहुत भावुक करने वाला है। हम नक्शे में भारत को जितना बड़ा देखते हैं, असल में वह उससे कहीं ज्यादा विशाल और गौरवशाली लगता है। अंतरिक्ष से देखने पर यह अहसास होता है कि कोई देश, राज्य या सीमा नहीं है, सिर्फ मानवता है और पृथ्वी हमारा घर है। यहीं पर वसुधैव कुटुंबकम चरितार्थ होता हुआ दिखता है।पीएम मोदी ने शुभांशु से जीरो ग्रैविटी के बारे में और जीरो ग्रैविटी के साथ अनुकूलन के बारे में पूछा। शुभांशु ने कहा, अंतरिक्ष में सब कुछ अलग है। पिछले एक साल की ट्रेनिंग के बावजूद यहां आकर सब बदल गया। हमारे शरीर को गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) की आदत होती है, लेकिन यहां माइक्रो ग्रैविटी में छोटी-छोटी चीजें भी मुश्किल हो जाती हैं। अभी बात करते वक्त मैंने अपने पैर बांध रखे हैं, वरना ऊपर उड़ जाऊंगा। माइक छोड़ दूं तो वो तैरने लगेगा। अंतरिक्ष में पानी पीना, चलना और सोना भी चुनौतीपूर्ण है।

भारत ने...

इसका असर विशेष कर पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार के जूट उत्पादक इलाकों के किसानों पर पड़ता है। इन इलाकों में जूट बड़ी आबादी की आय का स्रोत है। जूट उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन ने वर्ष 2024 में इस मामले में केंद्र सरकार से सहायता भी मांगी थी। जूट मिल्स एसोसिएशन ने कहा था कि 2024 में जूट की बम्पर फसल के बावजूद बांग्लादेश से बड़ी मात्रा में जूट का आयात किया गया क्योंकि उसके दामों में अंतर था। जूट मिल्स एसोसिएशन ने कहा था कि भारतीय मिलें इसके चलते भुगतान नहीं कर पर रहीं हैं। अब इस फैसले से भारतीय उत्पादकों और मिलों को कुछ राहत मिलने की संभावना है।

भारत ने मई 2025 में बांग्लादेश से आने वाले रेडिमेड कपड़ों, प्रोसेस्ड फूड और फ्रूट ड्रिंक्स आदि पर प्रतिबंध लगा दिया। भारत ने बांग्लादेश से आने वाले प्लास्टिक और लकड़ी के सामान पर भी कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। बांग्लादेश से आने वाले कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, बेक्ड सामान, स्नैक्स, चिप्स और कन्फेक्शनरी, कपास और कॉटन यार्न, प्लास्टिक और पीवीसी से तैयार सामान और लकड़ी के फर्नीचर के सामान प्रतिबंधित हैं। बांग्लादेश ये सामान असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, पश्चिम बंगाल या बिहार में किसी भी जमीनी रास्ते या जमीनी पोर्ट के माध्यम से नहीं भेज सकता। भारत द्वारा लगाए इन प्रतिबंधों के चलते बांग्लादेश को वार्षिक तौर 770 मिलियन डॉलर (6500 करोड़ से अधिक) का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया था। यह बांग्लादेश के भारत को कुल निर्यातों का लगभग 42 प्रतिशत होता है। बिजनेस थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (डीटीआरआई) की 18 मई 2025 को प्रकाशित रिपोर्ट में भारत की ओर से लगाई गई पाबंदियों से बांग्लादेश को हो रहे भीषण आर्थिक नुकसान का आकलन किया गया।

बांग्लादेश इस समय आर्थिक चुनौतियों, विशेष रूप से कपड़ा उद्योग में गिरावट और बिजली संकट का सामना कर रहा है। बिजली संकट का एक मुख्य कारण भारत की अडानी पावर को लंबे समय से बकाया भुगतान न किया जाना है। कई महीनों तक भुगतान न मिलने के कारण अडानी पावर ने बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति रोक दी थी। हालांकि, फरवरी 2025 में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस द्वारा झारखंड स्थित गोड्डा संयंत्र से आपूर्ति बहाल करने का अनुरोध किए जाने के बाद, अडानी पावर ने बिजली आपूर्ति फिर से शुरू कर दी। इसके बाद, बांग्लादेश ने धीरे-धीरे बकाया भुगतान करना शुरू किया, जिससे इस महीने की शुरुआत में अडानी के दोनों संयंत्रों से बिजली आपूर्ति में इजाफा हुआ। वर्तमान में अडानी पावर को बांग्लादेश से हर महीने 80-90 मिलियन डॉलर की नियमित भुगतान राशि मिल रही है, जिसमें मौजूदा खपत के भुगतान भी शामिल हैं। कुल बकाया राशि लगभग 820-830 मिलियन डॉलर बताई जा रही है, जिसका भुगतान आने वाले महीनों में किए जाने की उम्मीद है।

एससी-एसटी...

और न्यायपालिका उसका संवैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने का काम करती है। सीमाओं का अतिक्रमण संतुलन को बिगाड़ देगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि केवल एक कानूनी दस्तावेज ही नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का साधन भी है।

जनगणना का ...

पहला चरण- मकान सूचीकरण काम जिसे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) भी कहा जाता है। इसमें हर घर की स्थिति, सुविधाएं और संसाधनों की जानकारी ली जाती है। वहीं दूसरा चरण- जनसंख्या गणना का है, यह चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा। इसमें हर व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक जानकारी ली जाएगी। इस चरण में सरकार यह पता लगाएगी कि घर की दीवार, छत और फर्श किस सामग्री की बनी है। घर में कितने कमरे हैं, कितने लोग रहते हैं, घर में शादीशुदा जोड़े हैं या नहीं, क्या घर का मुखिया महिला है या वह अनुसूचित जाति/जनजाति से है। इस बार की जनगणना खास होगी क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इसके लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल होगा। साथ ही, लोगों को स्वयं से जानकारी देने की सुविधा भी दी जाएगी।

सरकार ने बताया कि जनगणना के लिए 34 लाख से अधिक पर्यवेक्षक और गणनाकार तैनात किए जाएंगे। वहीं 1.3 लाख से अधिक जनगणना अधिकारी काम में लगाए जाएंगे। यह भारत की 16वीं जनगणना होगी। जबकि स्वतंत्रता के बाद यह 8वीं बार जनगणना होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस बार जातिगत आंकड़े भी एकत्रित किए जाएंगे। यह फैसला लंबे समय से सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों की मांग पर आधारित है। वहीं राज्य सरकारों और जिला प्रशासन से कहा गया है कि वे गणनाकारों की नियुक्ति और उनके कार्यों का बंटवारा जल्द करें, ताकि समय पर काम शुरू किया जा सके।

सेना के पराक्रम...

भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिए। इससे घबराए पाकिस्तान ने भारत के सामने घुटने टेकते हुए सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू किया।अमित शाह ने नक्सलवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर भी महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा, हमारी नीति बिल्कुल स्पष्ट है। जो हथियार लेकर चल रहे हैं, उनसे कोई बातचीत नहीं होगी। मैं नक्सलवाद से जुड़े लोगों से अपील करता हूं कि वे हथियार छोड़ें, आत्मसमर्पण करें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि सरकार ने 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य तय किया है।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि जो लोग बंदूक की राह पर चल रहे हैं, वे विकास और लोकतंत्र की राह अपनाएं। सरकार उन्हें पुनर्वास का पूरा मौका देगी। पिछले कुछ वर्षों में नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस और केंद्रीय बलों की सख्त कार्रवाई के चलते हिंसा की घटनाएं काफी कम हुई हैं। केंद्र सरकार लगातार राज्य सरकारों के साथ मिलकर विकास कार्य और सुरक्षा उपायों को आगे बढ़ा रही है।

गढ़वाल राइफल्स के...

को औपचारिक रूप से सौंपा गया। इस अवसर पर भारतीय सेना की सबसे प्रतिष्ठित पैदल सेना रेजिमेंटों में से एक की गौरवशाली वंशावली, वीरता और समय-सम्मानित विरासत का जश्न मनाया गया, जिसमें स्काउट बटालियन सहित 27 बटालियन शामिल थीं।अपने कार्यकाल के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया और रेजिमेंटल मेल-भाव को मजबूत किया, तथा गढ़वाल राइफल्स को परिभाषित करने वाले व्यावसायिकता और सौहार्द के उच्चतम मानकों को कायम रखा। लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा एक कुशल नेतृत्वकर्ता और सम्मानित अधिकारी हैं, जो अपने साथ परिचालन अनुभव और रणनीतिक कौशल की दक्षता लेकर आए हैं। 23वीं रेजिमेंट के कर्नल का पदभार ग्रहण करते हुए उन्होंने वीर गढ़वाली योद्धाओं के चरित्र, अनुशासन और सैन्य विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जो हमेशा राष्ट्र की सेवा में अडिग रहे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने रेजिमेंट के बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करते हुए युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

योग दिवस की ...

अभी कुछ दिन पहले हमने भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा भी देखी है। ओड़ीशा हो, गुजरात हो, या देश का कोई और कोना, लाखों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल होते हैं। उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम, ये यात्राएं एक भारत-श्रेष्ठ भारत के भाव का प्रतिबिंब है। जब हम श्रद्धा भाव से, पूरे समर्पण से और पूरे अनुशासन से अपनी धार्मिक यात्रा सम्पन्न करते हैं तो उसका फल भी मिलता है। मैं यात्राओं पर जा रहे सभी सौभाग्यशाली श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। जो लोग सेवा भावना से इन यात्राओं को सफल और सुरक्षित बनाने में जुटे हैं, उन्हें भी साधुवाद देता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल के भयानक दिनों की याद करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व रक्षा मंत्री जगजीवन राम के ऑडियो भी सुनाए, जिसमें उन्होंने आपातकाल की त्रासदी के अपने-अपने अनुभव सुनाए थे। उन्होंने बताया था कि किस तरह उस वक्त नागरिकों के अधिकार छीने गए, अखबारों पर प्रतिबंध लगाया गया और लाखों लोगों को जेल में डाल दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की जनता ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए बड़ी कुर्बानी दी और अंत में लोकतंत्र की जीत हुई।प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लोगों को गर्व के साथ बताया कि भारत को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ट्रेकोमा मुक्त देश घोषित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट का जिक्र भी किया, जिसमें बताया गया था कि भारत की 64 प्रतिशत आबादी को अब सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जो पहले केवल 19 प्रतिशत लोगों तक सीमित था। प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना, कर्नाटक और मध्य प्रदेश की महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की कहानियों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे महिलाएं मिलेट्स से बिस्किट बनाकर विदेश तक बेच रही हैं, सैनिटरी पैड बना रही हैं और मशरूम की खेती और रोटियों का ब्रांड बना रही हैं।

पीएम मोदी जी ने असम के बोडोलैंड क्षेत्र में हो रहे सीईएम कप की सराहना भी की जिसमें 70 हजार से ज्यादा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज बोडोलैंड शांति, खेल और ऊर्जा का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री ने पुणे के रमेश खरमाले और अहमदाबाद के मिशन फॉर मिलियन ट्रीज जैसी पहल की भी सराहना की। उन्होंने महाराष्ट्र के पाटोदा गांव की भी तारीफ की, जिसे कार्बन न्यूट्रल ग्राम पंचायत बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि अहमदाबाद नगर निगम ने पर्यावरण संरक्षण के लिए मिशन फॉर मिलियन ट्रीज अभियान शुरू किया है, जिसमें लाखों पेड़ लगाए जा रहे हैं। इस पहल की खास बात है सिंदूर वन, जो ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों को समर्पित है। यहाँ सिंदूर के पौधे उन वीरों की याद में लगाए जा रहे हैं जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया। इसके साथ-साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके तहत अब तक देशभर में करोड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं। यह अभियान लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करता है और भावनात्मक रूप से जोड़ता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 30 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज के नवनियुक्त अध्यक्ष अनिरुद्ध ने संस्था को दी 1 करोड़ की राशि

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज की स्थापना 1998 में हुई थी, उस समय ऐसी संस्था का सपना भी देखना असम्भव था, पर अग्र बंधुओं ने अनेक बाधाओं को पार कर अपने प्रबल पुरुषार्थ से असंभव को संभव कर दिया। जिसके कारण अनंत परिवारों को इसका लाभ हो रहा है और आने वाले युगों तक यह अग्रवाल समाज असंख्य ज्ञान दीप प्रज्ज्वलित करता रहेगा। अग्रवाल समाज एक ऐसी संस्थान हैं जिसमें उद्यम, उद्योग, व्यवसाय, व्यापार, स्वास्थ्य, अर्थ शास्त्र, विज्ञान, शोध न जाने कितने अनगिनत महानुभाव है, जो समाज को नई राह दिखा रहे हैं।

रविवार, दि. 29 जून, 2025 को इसी में एक और अध्याय जुड़ गया है। यह अध्याय का नाम है अनिरुद्ध गुप्ता। श्री गुप्ता वर्ष 2025-27 के अध्यक्ष पद के लिए चुने गये हैं। जैसे ही परिणामों की घोषणा हुई अग्रवाल समाज में खुशी की लहर दौड़ गई और अनिरुद्ध गुप्ता ने अग्रवाल समाज के लिए अपनी ओर से एक करोड़ की राशि प्रदान की।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के लिए एक दूरदर्शी नेता अध्यक्ष पद के लिए, अग्रवाल समाज तेलंगाना अनिरुद्ध गुप्ता की यात्रा दृढ़ता, दूरदृष्टि और अटूट समर्पण का एक प्रमाण है। विनम्र शुरुआत से, उन्होंने उल्लेखनीय ऊंचाइयों को छुआ है, और अब इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी डीईसी इंफ्रा के सम्मानित प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

18 साल की कम उम्र में छोटे पाइपलाइन के काम से लेकर 7,500 करोड़ के बड़े प्रोजेक्ट्स को संभालने तक का उनका सफर, अग्रवाल समाज के युवाओं के लिए विशेष रूप से प्रेरणा का स्रोत है। एक विनम्र शुरुआत, एक भव्य दृष्टिकोण श्री गुप्ता की कहानी अग्रवाल समुदाय के भीतर गहराई से गूंजती है, जो उद्यमिता और कड़ी मेहनत की भावना का प्रतीक है। उनकी व्यक्तिगत प्रगति समाज के कई लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाती है,यह साबित करती है कि लगन और दृढ़ संकल्प से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाना अनिरुद्ध गुप्ता की

प्रतिबद्धता उनकी व्यावसायिक सफलताओं से कहीं आगे है। उनका गहरा इरादा अग्रवाल समाज तेलंगाना की गतिविधियों को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का है। उनका नेतृत्व एक नया दृष्टिकोण लाएगा, अपने व्यापक नेटवर्क और रणनीतिक कौशल का लाभ उठाते हुए पूरे भारत में समाज की पहल की पहुंच और प्रभाव का विस्तार करेगा।अगली पीढ़ी के नेताओं का मार्गदर्शन अध्यक्ष पद के लिए श्री गुप्ता की प्राथमिक प्रेरणाओं में से एक अग्रवाल समाज के भीतर भविष्य के नेताओं को पोषित करने की उनकी प्रबल इच्छा है।

वह आने वाले वर्षों में अपने विशाल अनुभव से प्राप्त समर्पित मार्गदर्शन और सलाह के माध्यम से 100 और अनिरुद्ध गुप्ता बनाने की कल्पना करते हैं।

उनका दर्शन युवाओं को सशक्त बनाने, उन्हें उनके चुने हुए प्रयासों में सफल होने के लिए उपकरण, ज्ञान और आत्मविश्वास प्रदान करने पर केंद्रित है। सुलभता और उपलब्धताः लोगों के लिए एक नेता अनिरुद्ध गुप्ता की एक परिभाषित विशेषता उनकी उल्लेखनीय सुलभता और उपलब्धता है। वह ऐसे नेता नहीं हैं जो दूर रहते हैं; बल्कि, वह अत्यधिक सुलभ हैं और हर समय फोन पर उपलब्ध रहते हैं, जो अग्रवाल समाज के सदस्यों के साथ जुड़ने और उनका समर्थन करने की अपनी सच्ची प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह खुली नीति सुनिश्चित करती है कि चिंताओं को सुना जाए, सलाह तुरंत दी जाए, और विकास के अवसरों को लगातार बढ़ावा दिया जाए। अनिरुद्ध गुप्ता व्यापारिक कौशल, सामुदायिक भावना और अग्रवाल समाज को ऊपर उठाने की गहरी इच्छा का एक शक्तिशाली मिश्रण प्रस्तुत करते हैं। उनका सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड, प्रेरणादायक यात्रा और मेंटरशिप के प्रति अटूट प्रतिबद्धता उन्हें अग्रवाल समाज तेलंगाना को विकास, प्रमुखता और सामूहिक सफलता के एक नए युग में ले जाने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाती है। भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में एक अग्रणी व्यक्तित्व के रूप में, श्री गुप्ता ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, जिनमें शामिल हैं: तेलंगाना उच्च न्यायालय, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पुनर्विकास, विशाखापट्टनम (विजाग) रेलवे स्टेशन आधुनिकीकरण, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जुड़ी परियोजनाएँ, श्री गुप्ता बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया - हैदराबाद चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने उद्योग जगत में नेतृत्व प्रदान करते हुए नवाचार और नैतिकता पर विशेष बल दिया है।

रनिवार, दि. 29 जून को जायसवाल क्लब की 8वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक हैदराबाद में जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल के नेतृत्व में आयोजित की गई। दूसरे दिन के मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री पूनम प्रभाकर, सांसद अनिल कुमार यादव, विधायक रमेश जायसवाल, मनोज जायसवाल अध्यक्ष ऑल इंडिया जयसवाल क्लब, श्रीमती सोनिया जयसवाल, विजयंदर जयसवाल, श्रीमती नेहा सुहालका और अन्य जयसवाल बंधुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर समुदाय को प्रोत्साहन और प्रेरणा के अपने बहुमूल्य शब्द दिए।

राधे राधे ग्रुप का दूसरा सेवा केंद्र उद्घाटित

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप द्वारा रविवार, दि. 29 जून, 2025 को नित्य अन्न प्रसादम के तहत बेगम बाजार स्थित भुलक्ष्मी मंदिर, मुस्लिमजंग पुल स्थित गौशाला के समीप अपना दूसरा सेवा केंद्र सुबह 7:30 बजे शुभारंभ किया। गौरतलब है कि इसी तरह का नित्य अन्न प्रसाद जो कि प्रतिदिन सुबह 7:00 पब्लिक गार्डन के पास में राधे राधे ग्रुप द्वारा पिछले आठ महीने से किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं संस्था से जुडे अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मैढ़ स्वर्णकार समाज नई दिल्ली, उत्तम नगर के अध्यक्ष बलबीर सिंह वर्मा, सुशीला देवी के नगरागमन पर पुष्प गुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत समान करते हुए मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद के महामंत्री द्वारका प्रसाद मायच्छ, आप और हम के प्रचार मंत्री पंकज वर्मा सहित सोनाली वर्मा, तेजस वर्मा एवं अन्य।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर - सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल नंदकिशोर अग्रवाल, रवि अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, संजय अग्रवाल, भगतराम गोयल, मायाराम जी अग्रवाल, अशोक गुप्ता एस.जे.अनिल भाई, नीतीश कुमार, गोविंद राम जी, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, शिव भगवान, दिनेश सराफ, राधा, अरुण जी. रोहित भाई, वंश अग्रवाल, सुयश अग्रवाल, अरविन्द गुप्ता, ई-जगन चम्पापेट, राजेश योगा सरजी, दिनेश गोयल, कुसुम गोयल, मितांश गुप्ता, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, उवां केडिया, बिमल किशोर संघी, नयन सांघी, रोशनलाल मित्तल, रश्मित गोयल, अमित गोयल, दिशेन गोयल, धीरज अग्रवाल, सविता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अमित शाह ने निजामाबाद में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया

निजामाबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया, जो हल्दी किसानों को समर्थन देने और निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर, उन्होंने बोर्ड के आधिकारिक लोगो का भी अनावरण किया, जो भारत में हल्दी की खेती के लिए कृषि नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के एक नए युग का प्रतीक है।

सभा को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने हल्दी किसानों के कल्याण के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, उन्होंने कहा कि निजामाबाद को देश की हल्दी राजधानी माना जाता है।

उन्होंने कहा, मैं हल्दी बोर्ड का उद्घाटन करने के लिए भाग्यशाली महसूस करता हूं, जो भाजपा सांसदों के लगातार प्रयासों की बदौलत एक वास्तविकता बन गया है। न केवल तेलंगाना को बोर्ड दिया गया, बल्कि एक तेलंगाना निवासी को इसका अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है।

शाह ने हल्दी के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला, इसे एंटी-वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-कैंसर गुणों वाली दिव्य औषधि कहा।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 2030 तक हल्दी निर्यात में 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर हासिल करना है। इस बोर्ड के माध्यम से, हम किसानों को आधुनिक खेती तकनीकों में प्रशिक्षित करेंगे और भारती सहकारी समिति जैसी पहलों के माध्यम से उनकी आय में सुधार करने के लिए काम करेंगे। तेलंगाना के कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव ने निजामाबाद के लिए राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सांसद धर्मपुरी अरविंद का आभार व्यक्त किया, जो बड़े पैमाने पर हल्दी की खेती के लिए जाना जाता है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, बंदी संजय, तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव, निजामाबाद जिले के प्रभारी मंत्री सीथक्का, राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के अध्यक्ष पल्ले गंगारेड्डी, सचिव भवानी श्री, सांसद धर्मपुरी अरविंद, डॉ. लक्ष्मण और शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

शेखावाटी के संतों के सान्निध्य में भजन संध्या 2 अगस्त को

पीसीसी चीफ लक्ष्मनगढ विधायक डोटासरा के आतिथ्य में होगा आयोजन

श्री बालाजी भक्त मंडल हैदराबाद की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 29 जुन (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शेखावाटी संतों के सान्निध्य और पीसीसी चीफ लक्ष्मनगढ विधायक के आतिथ्य में हैदराबाद में तृतीय विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

इस आशय का निर्णय श्री सालासर बालाजी नवयुवक मंडल हैदराबाद के अध्यक्ष महेश सैनी की अध्यक्षता में सैनी टावर में आयोजित बैठक में लिया गया। यह जानकारी देते हुए मंडल के सचिव विकास शर्मा ने बताया कि आयोजन की तैयारी को लेकर रविवार को आयोजित बैठक में निर्णय लिया कि 2 अगस्त को तृतीय विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शेखावाटी के सिद्ध संत कैलाशनाथ महाराज व युवा संत गुलाब नाथ महाराज के सानिध्य में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आतिथ्य में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। मीटिंग में मंडल के उपाध्यक्ष दामोदर तिवाड़ी, सम्पत पारीक, सहसचिव नंदुसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष किशोर शर्मा,सह कोषाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, आनंद कुमार शर्मा , केदार शर्मा, ओम प्रकाश चौधरी, इंदरपाल सैनी, श्रवण पारीक ,मुरली शर्मा, ढगलाराम , केके बन्ना सहित मंडल के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद की वार्षिक साधारण सभा 6 को

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद की 28/06/25 को हुई कार्यसमिति की बैठक में यह घोषणा की गई कि आगामी वार्षिक साधारण सभा रविवार, 6 जुलाई 2025 को सायं 5 बजे सिकंदराबाद के तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में आयोजित की जाएगी। इस साधारण सभा में सत्र 2025-26 के अध्यक्ष का विधिवत चयन किया जाएगा ।

कल की बैठक में सर्वसम्मति से श्री मुकेश सुराणा को मुख्य चुनाव अधिकारी और श्री प्रवीण बेंगाणी को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बैठक की शुरुआत में, अध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया और वर्ष भर में विभिन्न परियोजनाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने वाले सभी संयोजकों को धन्यवाद दिया। अंत में, सचिव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सैनिकपुरी स्थित हाई टेन्शन रोड़ साईंबाबा आंफिसर्स कॉलोनी आरजे 22 मिरचीवाले का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रबंधक प्रकाश सीरवी, मांगीलाल सोलंकी, दिनेश (डुगाराम) विनोद, सीरवी समाज बालाजी नगर वडेर अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हीरालाल चोयल, नारायण लाल बर्फा, घेवरराम चोयल, श्री आईजी गौशाला सचिव हुक्माराम सानपुरा,अचलाराम हाम्बड़, सोहनलाल, नरेश सोलंकी, वेनाराम चोयल, योगा मास्टर रमेश, आशीर्वाद प्रबंधक बाबूलाल काग, जगदीश मालवीया, नंदाराम गेहलोत , कालुराम गेहलोत, पप्पूराम गुजर राजु सोलंकी, सुरेश सोलंकी, हरीश, बीआरएस चैनल एवं राठौड़ साउंड बबलू, जगदीश सीरवी पत्रकार व अन्य उपस्थित ।

रोटरी तपाड़िया चैरिटेबल डायग्नोस्टिक लैब का उद्घाटन

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शनिवार को यप्राल स्थित 150 साल प्राचीन श्री रंगनाथ स्वामी देवस्थानम के सामुदायिक केंद्र में, रोटरी तपाडिया चैरिटेबल डायग्नोस्टिक लैब का उद्घाटन हुआ। रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद मिड टाउन (होस्ट् क्लब) ने इंटरनेशनल पार्टनर रोटरी क्लब ऑफ नासाऊ सन्राइज के साथ रोटरी फाउंडेशन ग्लोबल ग्रांट्स जीजी2464086 के तहत, स्थापित किया। इस परियोजना का उद्देश्य यप्राल और उसके आसपास रहने वाले निवासियों के लिए अत्यधिक सब्सिडी में लैब परीक्षण से स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध करवाना है। यह डायग्नोस्टिक लैब का उपयोग, यापराल, सिकंदराबाद, सैनिकपुरी,

दम्माईगुडा, अलवाल आदि के लोग कर सकते हैं।उद्घाटन समारोह रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3150 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर शरत चौधरी के साथ-साथ और तपाडिया डायग्नोस्टिक के प्रबंध निदेशक राधेश्याम तपाडिया द्वारा किया गया। डिस्ट्रिक्ट फाउंडेशन विकास के प्रतिष्ठित प्रभाकर, के साथ गणमान्य व्यक्ति, क्लब अध्यक्ष, सचिव, शहर और जिले के विभिन्न रोटरी क्लबों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य शामिल हुए।कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, डीआरएफ चेयर, ग्रांट्स कॉन्टैक्ट प्वाइंट रोटेरियन निधि आनंद (आईपीपी, आरसीएचएमटी), रोटेरियन अमरदीप सिंह (अध्यक्ष, आरसीएचएमटी) और रोटेरियन हाजिरा अदीब (सचिव, आर-सीएचएमटी) ने की। कार्यक्रम को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा और वे इस नेक काम में सहयोग देने के लिए शामिल हुए। विशेष दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए निधि आनंद (आईपीपी, आरसीएचएमटी) ने रोटरी क्लब ऑफ साउथ ईस्ट नासाउ, डॉ. बी.जी. रानाडे ट्रस्ट, रोटरी ट्रस्ट फॉर द हैंडीकैप्ड, संजय बंसल (आरसी हैदराबाद रॉयल्स, नव लिमिटेड), रोटेरियन पी.एस.एन. प्रसाद (चार्टर सदस्य, आरसीएचएमटी) और डॉ. पी. रमा देवी को धन्यवाद दिया।रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक मानवीय संगठन है जो सेवा, सामुदायिक विकास और शांति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। दुनिया भर में सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से, रोटरी क्लब स्थायी सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। और उपरोक्त कार्य इस बात का साक्षि है जिससे समाज में जागरूकता के साथ ही सवास्थ्य सुधार भी संभव हो सकेगा।

सीताराम बाग में सुन्दर कांड की प्रस्तुति करते हुए श्री वैष्णव सत्संग मंडल के राधेश्याम दुर्गा राठी, गोपीकिशन इंदिरा बंग बद्रीप्रसाद सुरेखा सारडा इंदिरा भराड़ीया व भक्त गण।

हिलेस और कबीर चिंतन का मिलाजुला साहित्यिक आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 605वीं मासिक गोष्ठी और कबीर चिंतन का आयोजन मोज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य अस्पताल, कैलाश डायग्नास्टिक सेंटर के सेल्लार सभागृह, हैदराबाद में बड़ी ही सफलता के साथ संपन्न हुआ। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद का यह 51वाँ वर्ष चल रहा है है और कबीर चिंतन की यह 275वीं गोष्ठी का आयोजन है। इस अवसर पर दिल्ली के मंचों के लोकप्रिय कवि शैल भदावरी मुख्य अतिथि और वरिष्ठ कवि अंजनी कुमार गोयल विशेष अतिथि के रूप में मंच पर विराजमान थे। इस गोष्ठी के प्रथम सत्र में वर्तमान में संत कबीरदास की प्रासंगिकता पर चर्चा की गयी। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता के रूप में अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया और कहा कि हम कबीरदास को संत मानते हैं। कुछ लोकनायकों ने सनातन और हिंदू धर्म की शिक्षा दी। भक्ति धारा को प्रवाहित कर

जन-जन तक को प्रवाहित किया और समाज को रास्ता दिखाया। कबीरदास का जीवन अत्यंत ही ग़रीबी में बीता, फिर भी उन्होंने समाज में एक ऐसे वातावरण का निर्माण किया, जिससे समाज की बुराइयाँ दूर हों। वह समाज सुध-ारक थे। उन्होंने कहा था कि सभी मनुष्य एक हैं। उन्होंने हर क़दम पर समाज को सुधारने की कोशिश की। समय से बहुत आगे की वह सोचते थे।

कवि अशोक दोशी ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि कबीरदास एक महान संत और कवि थे, जिन्होंने 15वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके विचारों में सामाजिक सुधार, धार्मिक एकता और प्रेम का संदेश प्रमुख है। कबीर के अनुसार ईश्वर एक है और सभी धर्मों में समान है। कबीर ने मानवता और प्रेम को सबसे महत्वपूर्ण बताया।

आर्य प्रतिनिधि सभा तेलंगाना के उप-प्रधान श्री ठाकुर लक्ष्मण सिंह आर्य ने प्रथम सत्र की अध्यक्षता की और अपने अध्यक्षीय विचार प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि संत कबीरदास ने कभी काग़ज़ और क़लम को छुआ नहीं। आज विश्वभर के साहित्यकार और बड़े-बड़े विद्वान लोग उनके साहित्य पर पीएच.डी. आदि शोध कर पुस्तकें लिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि संत कबीर एक आध्यात्मिक और समाज सुधारक कवि थे। संत लोग मनुष्य को जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव कराना चाहते हैं। वह चाहते थे कि लोग अंधविश्वास और धर्मांधता का त्याग करे।

गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन का भार सँभाला और दोनों संस्थाओं की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस गोष्ठी के द्वितीय सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन संपन्न होगा, जिसमें नगरद्वय के कवियों द्वारा देश के वर्तमान हालात और जीवन के विभिन्न चित्र अपनी कविताओं में प्रस्तुत किये गये। इस कवि गोष्ठी में दिल्ली के सुप्रसिद्ध मंच के कवि शैल भदावरी सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनका इस अवसर पर भव्य सम्मान किया गया। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता उर्दू के कवि अतियब एजाज ने की। कवि गोष्ठी में नगरद्वय के जाने-माने कवियों के साथ युवा कवियों ने भी भाग लिया और अपनी बेहतरीन कविताओं का पाठ कर श्रोताओं से ख़ूब वाहवाही लूटी।

रविवारीय सनातन धर्म संस्कृति बाल संस्कार शिविर की बैठक में उपस्थित संचालक राधेश्याम राठी, श्यामलता नावन्दर, सुरेखा सारडा, रेखा राठी, ललिता सोनी एवं अंजना अटल।

राजपूत समाज के तत्वावधान में आषाढ़ मास के बग़ीचे का आयोजन महाराणा प्रताप फंगशन हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाज के सभी मित्रगण।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, No.JC 736914F Nb Sub Sudhir Kumar of 1 (TB), Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from MOORTI DEVI to RAMMURTI

CHANGE OF NAME

I, Army No- 15186257N, Rank- NK(STEWAD), G. GANGADHAR, R/o H.No- 1-69, Vill- Bonkanpally, PO- Mullangi(B), Teh- Makuloor, Dist- Nizamabad, T.G. I have to change my Daughter name from BHADRADHRI to GADDALA BHADRADRI for all purpose vide affidavit dated: 27/06/2025.

कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतते हैं तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी : किशोर

मंचेरियाल, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । कर्तव्यों की उपेक्षा होने पर कार्रवाई सीपी अंबर किशोर झा कमिश्नरेट में अपराध समीक्षा मंचेरियाल अपराधः रामागुंडम के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतते हैं तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आयुक्तालय के परिसर में को मंचेरियल और पेद्दापल्ली जिलों के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक हुई। थानेवार अपराधों की समीक्षा की गई। लंबित मामलों का ब्योरा जाना गया और सुझाव और सलाह दी गई। उसके बाद उन्होंने कहा.. उन्होंने सुझाव दिया कि मामले की जांच पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने आदेश निगा कि मालों के गंजीता के एक गानात के भीतर दिया कि मामलों के पंजीकरण के एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी हो जानी चाहिए और स्टेशन एसएचओ को हर दिन एक घंटे के लिए कर्मचारियों के साथ लंबित मामलों की समीक्षा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि लापता लड़कियों के मामलों में रिकॉर्ड की जांच में तेजी लाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उपद्रवी शीटरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जानी चाहिए।

नेनेला एसआई प्रसाद, जिन्होंने हाल ही में बेल्लमपल्ली में एक एटीएम लूटने का प्रयास करने वालों को पकड़ लिया, ने ब्लू कोल्ट्स कर्मचारियों को बधाई दी और उन्हें नकद पुरस्कार किया। बैठक में डीसीपी एगडी भास्कर, करुणाकर, अतिरिक्त डीसीपी राजू, एसबी एसीपी मल्लारेड्डी, एसीपी आर प्रकाश, वेंकटेश्वरलु, रविकुमार, ट्रैफिकएसीपी श्रीनिवास, एआर एसीपी प्रताप, सीआई और एसआई ने भाग लिया।

एससीसीडब्ल्यूयू ने सिंगरेनी ठेका श्रमिकों की समस्याओं को लेकर हड़ताल का नोटिस दिया

मंचेरियाल, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । नेताओं ने मांग की कि स्थानीय बेरोजगार युवाओं को वीके ओसी में नौकरी के अवसरों में प्राथमिकता दी जाए, जो कोठागुडेम में जल्द ही काम करना शुरू करने वाला है कोठागुडेम: केंद्र की भाजपा सरकार की मजदूर विरोधी और जनविरोधी नीतियों के विरोध में सिंगरेनी कोलियरीज कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन (आईएफटीयू) के राज्य महासचिव ए वेंकन्ना और कोठागुडेम क्षेत्र के महासचिव एन संजीव ने निदेशक (पीए एंड डब्ल्यू) गौतम पोटरु को हड़ताल का नोटिस दिया। नेताओं ने मांग की कि स्थानीय बेरोजगार युवाओं को वीके ओसी में नौकरी के अवसरों में प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो कोठागुडेम में जल्द ही काम करना शुरू करने वाली है; स्थानीय लोगों को बी–रजिस्टर अनुसार कर्मचारियों के रूप में पहचाना जाना चाहिए और भपालपल्ली में सरक्षा गार्डों की सेवाएं हमेशा की तरह जारी रखी जानी चाहिये उन्होंने सभी श्रमिकों से 9 जुलाई को होने वाली हड़ताल के लिए तैयार रहने का आह्वान किया, जिसमें सिंगरेनी ठेका श्रमिकों के बोनस में वृद्धि और स्थायी श्रमिकों के लिए बोनस में वृद्धि और स्थायी श्रमिकों के लिए लाभ में वृद्धि की मांग की गई।

बेल्लमपल्ली कस्बे के कैलटेक्स इलाके के वार्ड 12 के एक लाभार्थी को पूर्व पार्षद नेल्ली रमेश ने मुख्यमंत्री राहत कोष से 29 हजार रुपए का चेक वितरित किया। रविवार को वार्ड में आयोजित एक विशेष समारोह में अकुला शैलजा को मुख्यमंत्री राहत कोष से 29 हजार रुपए का चेक सौंपा गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष योजना गरीबों के लिए वरदान की तरह है।

हमालीवाडाकट्टा पोचम्मातल्ली बोनाला जतारा 9 को

मंचेरियाल, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल हमालीवाडा कट्टा पोचम्मा थल्ली बोनाला जतारा 9 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इस जतरा के प्रचार पोस्टर का अनावरण माननीय विधायक कोक्किरला प्रेम सागर राव द्वारा किया गया। माननीय द्वारा पहले बोनम पोचम्मा बोनाला जतारा तश्तरियों का अनावरण किया गया। इन्हें प्रस्तुत करने के लिए हैदराबाद से विधायक कोक्कीराला फ्रेम सागर राव और जोगिनी निशा क्रांति मौजूद रहेंगे। अपेक्षा है कि श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।...नल्ला शंकरअध्यक्षः नल्ला कोटाम्मा एवं ट्रस्ट के कार्यकर्ता कार्यक्रम भाग लिया।

रामागुंडम के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया

मंचेरियाल, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । रामागुंडम के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा को उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए चुना गया है, जो केंद्र सरकार द्वारा पुलिस विभाग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को दिया जाता है। 2009 के आईपीएस बैच के सीपी को विभिन्न पदों पर उनकी दीर्घकालिक व्यावसायिक सेवा के लिए उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए चुना गया है। उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए चुने गए रामागुंडम के पुलिस आयुक्त श्री अंबर किशोर झा को अधिकारियों और कर्मचारियों ने बधाई दी।

पुलिस कांस्टेबल जन्नाराम को धमकाने पर दो के खिलाफ मामला दर्ज

चिंतागुड़ा, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । पुलिस कांस्टेबल जन्नाराम को धमकाने पर दो के खिलाफ मामला दर्ज सब–इंस्पेक्टर अनुषा ने जन्नारम मंडल के चिंतागुड़ा गांव के बाहरी इलाके में पोकर खेल रहे लोगों से पूछताछ की। एएसआई जी. मुत्यम ने रविवार को बताया कि दांडेपल्ली मंडल के चिंतापल्ली के अलीसेट्टी महेश और राजमपेट के मंगनी शेखर के खिलाफ सब–इंस्पेक्टर को धमकाने और अश्लील बातें करके उनके कर्तव्यों में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है।

200 कार्यकर्ता एमआईएम पार्टी में शामिल

कोरुतला, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । 200 कार्यकर्ता एमआईएम पार्टी में शामिल हुए। कोरुतला के अध्यक्ष मोहम्मद रफीउद्दीन और करीमनगर के अध्यक्ष गुलाम अहमद साहब के नेतृत्व में युवा गैर–मुस्लिम भाई उत्साह से शामिल हुए। कोरुतला के अध्यक्ष मोहम्मद रफीउद्दीन साहब आगामी चुनावों में एमआईएम पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

कोरुतला के अध्यक्ष मोहम्मद रफीउद्दीन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम मजलिस और कोरुतला के लोगों के लिए काम करेंगे, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, लोगों की सेवा करेंगे। करीमनगर के अध्यक्ष सैयद अहमद साहब ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम अपने स्वार्थ के लिए काम नहीं करेंगे, हम लोगों की सेवा के लिए काम करेंगे।

एमआईएम पार्टी में सेवा का जुनून है। हम भी इसी जुनून के साथ आगे बढ़ेंगे। किसी को पार्षद का टिकट मिले या न मिले, हम सेवा में आगे बढ़ने आए हैं और इंशा अल्लाह हम इस कार्यक्रम में सेवा करते रहेंगे, उन्होंने युवाओं से कहा। भूमाया, सुरेश, वाजिद, फैयाज और अन्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत

तंदूर, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत कन्नेपल्ली मंडल के टेकुलापल्ली गांव के मल्लेथु विग्नेश (21) की मौके पर ही मौत हो गई, जब वह तंदूर मंडल के अचलापुर गांव के पास ट्रैक्टर पलटने से उसमें सवार था, सब–इंस्पेक्टर किरण कुमार ने रविवार को बताया। ट्रैक्टर पलटने और पास की खाई में गिरने से विग्नेश के सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्होंने बताया कि उसके पिता कृष्णमूर्ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कुएं में गिरने से महिला की मौत

कासिपेटा, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । कुएं में गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत देवापुर के हेड कांस्टेबल गुणवंत राव ने बताया कि कासिपेटा मंडल के लंबाडी थांडा गांव की भुक्या अंबानी (70) नामक बुजुर्ग महिला की शनिवार रात घर के पास स्थित कुएं में गिरने से मौत हो गई। अंबाली को पिछले कुछ समय से दौरे पड़ रहे थे और जब घर पर कोई नहीं था, तो वह पानी लेने के लिए अपने ससुराल गई और गलती से फिसलकर कुएं में गिर गई। जब परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश की, तो उसे मृत पाया।

डबल बेडरूम सूची से नाम हटाने पर पेट्रोल की बोतल लेकर विरोध प्रदर्शन

मंचेरियाल, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिले के मंदामरी तहसीलदार के कार्यालय के सामने एक महिला ने पेट्रोल की बोतल लेकर प्रदर्शन किया महिला का आरोप है कि उसका नाम डबल बेडरूम वाले मकानों की अंतिम सूची से हटा दिया गया है केतनपल्ली नगर पालिका की निवासी पूरेली लक्ष्मी का नाम डबल बेडरूम वाले मकानों की सूची में शामिल था इसके बाद वह पेट्रोल की बोतल लेकर तहसीलदार के कार्यालय पहुंची और आरोप लगाया कि उसका नाम हटा दिया गया है।

हनुमान मंदिर परिसर में महाप्रसाद का आयोजन

मदनूर, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मर्ग नक्षत्र के बाद संयुक्त मदनूर मंडल में दूसरे सप्ताह में बारिश होने के बाद स्थानिक किसानो ने बाजार से महंगी कीमत की खाद्य व सोया, कपास, मूंग, उड़द, तुवर के बीज लाकर जमीन में कड़ी मेहनत करते हुए जमीन में बीज बोई का कार्य पूर्ण किया किसानों ने जमीन में बीज तो बो दिए हैं, वे अब उम्मीद भरी निगाहों से आसमान की ओर देख रहे हैं। खेतों में बोए गए बीज अंकुरित नहीं हो रहे हैं और जो पौधे अंकुरित हो गए हैं, समय पर बारिश नहीं गिरने वे मुरझा रहे हैं, जिससे किसानों में चिंता बढ़ती जा रही है। एक तरफ कर्ज का बोझ तो दूसरी तरफ फसल का भविष्य अनिश्चित होता जा रहा है, जिससे किसानों की मानसिक स्थिति बिगड़ ती ज्या रही है। उन्होंने बारिश के इंतजार में मंडल केंद्र के विविध भगवान मंदिरों में पूजा र्आचना करते हुए गाजा बाज्या के साथ जल आभिष्क किया मदनूर मंडल में स्थानिक किसानो ने हनुमान मंदिर में परिसर में शनिवार के दिन स्थानिक जनता के सहयोग से महाप्रसाद का आयोजन किया।

इंदिराम्मा आवास का निर्माण गरीबों के लाभ के लिए किया जा रहा है : राजेश्वर

मंदमरी, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । इंदिराम्मा आवास का निर्माण गरीबों के लाभ के लिए किया जा रहा है मंडामर्री एमपीडीओ राजेश्वर ने कहा कि सरकार ने गरीबों के लाभ के लिए इंदिराम्मा घरों का निर्माण शुरू किया है। मंडल के मंगोड़ी गड्डू गांव में लाभार्थियों के घरों के लिए भूमि पूजन किया गया। उन्होंने लाभार्थियों को घरों का निर्माण समय पर पूरा करने की सलाह दी।

अगर उन्हें घरों के निर्माण से संबंधित कोई समस्या है, तो उन्हें कार्यालय से संपर्क करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम में ग्राम सचिव और अन्य लोग शामिल हुए।

बाघों को जल्द ही महाराष्ट्र के ताड़ोबा से तेलंगाना के कवाल में स्थानांतरित किया जाएगा

मंचेरियाल, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । कवाल टाइगर रिजर्व में बाघों की भारी कमी के कारण तेलंगाना वन विभाग ने पड़ोसी महाराष्ट्र के ताडोबा–अंधारी टाइगर रिजर्व (ढ–ढठ) से बाघों को स्थानांतरित करने की मांग की है कवल में बाघों को लाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट टाइगर नामक एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था और महाराष्ट्र से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है जिससे वन्यजीव उत्साही लोग प्रसन्न है महाराष्ट्र के मुख्य वन्यजीव वार्डन की मंजूरी के बाद तेलंगाना के मुख्य वन्यजीव वार्डन एलुसिंग मेरु ने इस पहल के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को औपचारिक अनुरोध भेजा है।अधिकारियों ने बताया कि एनटीसीए अधिकारियों द्वारा जुलाई के पहले सप्ताह में कावल परिदृश्य का दौरा कर आवास की स्थिति का आकलन करने की उम्मीद है सूत्रों के अनुसार तेलंगाना के अधिकारियों ने कम से कम एक बाघिन सहित पांच बाघों का अनुरोध किया है जिनकी उम्र आदर्श रूप से दो वर्ष से अधिक होनी चाहिए।

बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण : सजीवन

कुमरमभीम /आसिफाबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला पिछड़ा वर्ग विकास अधिकारी सजीवन ने एक बयान में कहा कि जिले के एमबीसी बेरोजगार युवाओं को तेलंगाना अति पिछड़ा वर्ग विकास संगठन – हैदराबाद के तत्वावधान में विभिन्न कौशल विकसित करने के लिए हैदराबाद में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उम्मीदवारों की आयु 21 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। कोई भी डिग्री उत्तीर्ण होनी चाहिए, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र (केवल एमबीसी 36 जातियों के लिए), आय प्रमाण पत्र (ग्रामीण क्षेत्रों में 1 लाख पचास हजार रुपये तक, शहरी क्षेत्रों में 2 लाख रुपये तक) होना चाहिए। उम्मीदवार 12 जुलाई तक व े ब स ा इ ट tgobmms.cgg.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करें और प्रमाण पत्र को आवेदन पत्र में संलग्न करके 14 जुलाई को शाम 5 बजे तक जिला पिछड़ा वर्ग विकास विभाग कार्यालय में जमा करें। उन्होंने बताया कि पात्र अभ्यर्थियों को 4 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा प्रशिक्षण अवधि के दौरान अभ्यर्थियों को यात्रा भत्ता, भोजन एवं आवास की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के एम.बी.सी. बेरोजगार युवक प्रशिक्षण का लाभ उठाएं तथा बेहतर रोजगार के लिए इसका उपयोग करें।

ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष थोटा सत्यनारायण ने दो दिन सब्जी मंडी मार्केट बंद होने की घोषणा की

मंचेरियाल, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । सब्जी मंडी दो दिन के लिए बंद मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष थोटा सत्यनारायण और महासचिव सीएच शंकर ने कहा कि इस महीने की 30 तारीख को मंचेरियाल सब्जी मंडी में अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि खुदरा व्यापारी ओडे सत्ताइया की मृत्यु के बाद शोक के तौर पर यह अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने लोगों से यह भी अनुरोध किया कि वे ध्यान दें कि 1 तारीख को मासिक अवकाश रहेगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना चुनाव

टीम एके को मिली भारी बहुमत से जीत

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के वर्ष 2025-27 के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, सह-मंत्री एवं कोषाध्यक्ष के चुनाव रविवार, दि. 29 जून को सुबह 11.00 से अपराह्न 3.00 बजे तक सिकंदराबाद स्थित ड्रीमलैंड गार्डन में सम्पन्न हुए।

चुनाव में दो पैनल आपने-सामने थे। जिसमें से एके टीम पैनल और समाज हित पैनल के 10 उम्मीदवार मैदान में थे। चुनाव में 99 शाखाओं से 611 मतदाता थे, जिसमें से 552 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग कर 5 पदों के लिए नये उम्मीदवारों को चुना। सायं 5.00 बजे मतगणना के बाद चुनाव अधिकारियों डॉ. मोहन गुप्ता, उनके सहयोगी मुकुन्दलाल अग्रवाल, महेन्द्र गुप्ता एवं अपीलेट अथॉरिटी बद्रीविशाल बंसल ने परिणामों की घोषणा की। जिसमें टीम ए.के. पैनल में सभी उम्मीदवार 5 पदों पर विजयी प्राप्त की। अध्यक्ष पद के लिए अनिरुद्ध गुप्ता को 395 वोट मिले वहीं उनकी प्रतिद्वंद्वी नरेंद्र गोयल को 137 मत प्राप्त हुए।

उपाध्यक्ष पद के लिए रूपेश कुमार अग्रवाल-382, गोविंद नारायण मोदी-152, मानंद मंत्री पद के लिए विकास कुमार केशन-379 और सीए हरि गोविंद प्रसाद-159, सह-मंत्री पद के लिए डॉ. सीमा जैन-399 और डॉ. प्रशांद देव गुप्ता-137 तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए अचल गुप्ता को 398 और हनुमान दास अग्रवाल को 139 मत प्राप्त हुए।

सहमंत्री डॉ. सीमा जैन ने सबसे अधिक वोट प्राप्त कर अग्रवाल समाज चुनाव के इतिहास बनाया। तत्पश्चात समाज बंधुओं ने एके टीम पैनल के सभी सदस्यों को जीत की बधाई दी।

तेलंगाना सरकार कल गोदावरी-बनकाचरला परियोजना पर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन आयोजित करेगी

हैदराबाद, 29 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार 1 जुलाई को दोपहर 1500 बजे हैदराबाद के डॉ. ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में गोदावरी-बनकाचरला परियोजना पर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन आयोजित करेगी।

इस पहल का उद्देश्य जन प्रतिनिधियों को इस परियोजना के संभावित प्रभाव के बारे में सूचित करना है, जिसे आंध्र प्रदेश सरकार बनाने की योजना बना रही है, जो तेलंगाना के जल हितों पर पड़ने वाला है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और पूरा राज्य मंत्रिमंडल मुख्य अतिथि के रूप में सत्र में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम की देखरेख सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी कर रहे हैं, जो तैयारी में सिंचाई अधिकारियों के साथ मामले की सक्रिय रूप से समीक्षा कर रहे हैं।

सरकार प्रस्तावित गोदावरी-बनकाचरला लिंकेज से तेलंगाना के जल अधिकारों और हितों से किस तरह समझौता हो सकता है, इस बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने का इरादा रखती है। यह प्रस्तुतिकरण यह सुनिश्चित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है कि सभी प्रमुख जन प्रतिनिधियों को इस मुद्दे के बारे में पूरी जानकारी हो। रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सांसद, विधायक, एमएलसी, साथ ही तेलंगाना भर के विभिन्न निगमों और आयोगों के अध्यक्ष और सदस्य शामिल होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.